रायबरेली, शुक्रवार
10.05.2024
वर्षः 11
अंकः 237 पृष्ठः 08
मूल्यः 02 रूपया
स्थापितः वर्ष 2012
RNI-UPHIN/2012/46348

संकल्प परिवर्तन का

नवसत्ता

16 वां वर्ष विश्वास का

www.navsatta.com लखनऊ व रायबरेली से एक साथ प्रकाशित तथा समस्त उत्तर भारत में प्रसारित हिन्दी दैनिक

सपा का नहीं खुलेगा खाता, परिवार की होगी जमानत जब्त : सीएम योगी

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में नये भारत में आ रहे विकास के नये-नये प्रोजेक्ट

संवाददाता

लखीमपुर खीरी, सीतापुर, 09 मई (नवसत्ता) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज खीरी, धौरहरा और सीतापुर लोकसभा सीटों के लिए धुआंधार प्रचार किया। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा कि हर बड़ा माफिया और अपराधी सपा का शागिर्द है। सपा रामभक्तों पर गोलियां चलवाती थी और आतंकी धमाके करने वालों के केस वापस लेती थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत आकार ले रहा है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि आज सुरक्षा में सेंध लगाने वालों को यह पता है कि ऐसा करने से पहले यमराज जीवन की डोर काट ले जाएंगे।

सीएम योगी ने खीरी लोकसभा सीट के लिए पार्टी प्रत्याशी अजय मिश्रा टेनी, धौरहरा लोकसभा सीट के लिए रेखा वर्मा और सीतापुर लोकसभा सीट के लिए प्रत्याशी राजेश वर्मा के पक्ष में मतदान की अपील की। लखीमपुर खीरी के गोला में खीरी लोकसभा सीट के लिए चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा चुनाव में यूपी में सपा का खाता भी नहीं खुलेगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के मुखिया के

परिवार की पांचों सीटों पर हार सुनिश्चित है। सीएम योगी गुरुवार को गोला में खीरी लोकसभा सीट के लिए चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के तीन चरण पूरे हो चुके हैं। देश में एक ही स्वर गूंज रहा है फिर एक बार मोदी सरकार। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा के लोग कह रहे हैं कि राममंदिर का निर्माण अनावश्यक हुआ है। चुनाव जैसे जैसे आगे बढ़ रहा है दो चीजें साफ हो गई हैं। एक तरफ भारत के विकास, गरीब कल्याण के लिए योजनाओं का लाभ देने वाले रामभक्त हैं। दूसरी तरफ भारत की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले, अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का अपमान करने वाले, आस्था के साथ खिलवाड़ करने वाले रामद्रोही हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा देश को बांटने की साजिश रच रही है। एक तरफ कांग्रेस के कार्यकाल में जहां देश की सीमाएं असुरक्षित थीं, आतंकवाद और नक्सलवाद चरम पर थे वहीं दूसरी तरफ सपा रामभक्तों पर गोलियां चलवाती थी और आतंकियों के केस वापस लेती थी। मगर इस बार पूरे देश में एक ही स्वर गूंज रहा है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे। लखीमपुर खीरी के मोहम्मदी में धौरहरा लोकसभा सीट के लिए चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव एक निर्णायक मोड़ पर आ चुका है। अब तक तीन चरणों में आधा चुनाव संपन्न हो चुका है। वहीं बचे चरणों ने पहले से ही रुझान तय कर दिये हैं।

पूरे देश का रुझान है कि फिर एक बार मोदी सरकार। देश की जनता जनार्दन जो राम को लाए हैं, हम उनको लाने की बात कह रही है। इस बार देश में पहली बार देखने को मिल रहा है कि किसी सरकार ने 10 वर्ष का कार्यकाल पूरा किया और उसके बाद भी जनता जनार्दन पूरे उत्साह और उमंग के साथ बीजेपी के प्रत्याशियों को जिताकर तीसरी बार मोदी सरकार बनाने जा रही है। भारत की जनता यह कृतज्ञता इसलिए जाहिर कर रही है क्योंकि मोदी सरकार ने देश के विकास, कल्याण और सम्मान के लिए काम किया है।

तीन चरणों में भाजपा की निकली हवा

बहराइच, 09 मई (नवसत्ता) – समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव के पहले तीन चरण के मतदान में जनता ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हार की दहलीज पर लाकर खड़ा कर दिया है और अगले दो चरणों में भाजपा की हार सुनिश्चित कर दी जायेगी। बहराइच शहर के गेंद घर मैदान में श्री यादव ने बृहस्पतिवार को दोपहर बाद सपा प्रत्याशियों के पक्ष में जनसभा को संबोधित करते हुये कहा कि जनता ने पहले, दूसरे और तीसरे चरण के मतदान में भाजपा को काफी पीछे कर दिया है। चौथे और पांचवें चरण के मतदान में आप लोग मतदान कर इनके मंसूबों को रोकने का काम करें। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा पूर्व ब्रह्मांड की सबसे बड़ी झूठी पार्टी है। वह विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनने का दावा करती है लेकिन विकास के नाम पर काफी पीछे है। भाजपा ने डबल इंजन की सरकार में किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया, लेकिन किसानों की कमाई को बिचौलियों के हाथ में सौंप दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने 4 साल के लिए अग्नि वीर योजना शुरुआत की है, इससे युवाओं में नाराजगी है।

गठबंधन की सरकार बनी तो तीस लाख सरकारी नौकरी देने के साथ ही अग्निवीर योजना को खत्म करेंगे। 60 लाख नौजवानो की नौकरी छूट गई। परीक्षा लीक होने की वजह से इनका भविष्य अंधकार में चला गया। भाजपा सरकार आई तो पुलिस की नौकरी भी तीन साल की कर देगी। श्री यादव ने कहा कि आज सब कुछ बिक रहा है। ट्रेन बिक गई, हवाई अड्डे बिक गए इनकी सरकार रही तो सभी नौकरियां प्राइवेट हो जायेगी। ये सरकार संविधान को बदलना चाहती हैं, लेकिन हम लोग इन्हें ही हटा देंगे।

केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर फैसला आज, ईडी पहुंची सुप्रीम कोर्ट, किया विरोध

एजेंसी

नई दिल्ली, 09 मई (नवसत्ता) सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली शराब घोटाला मामले के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई की। उनकी गिरफ्तारी के खिलाफ केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई कर रही पीठ की अध्यक्षता करने वाले न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता ने गुरुवार को कहा था कि वह शुक्रवार को अंतरिम अंतरिम जमानत पर फैसला सुनाएंगे। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने का विरोध करते हुए ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को एक हलफनामा दायर किया।

ईडी ने अपने हलफनामा में लिखा, चुनाव प्रचार मौलिक अधिकार नहीं है। चुनाव प्रचार करना संवैधानिक अधिकार भी नहीं है और यह कानूनी अधिकार भी नहीं है। अगर केजरीवाल को जमानत दी गई तो इससे गलत परंपरा शुरू होगी। यहां तक कि जेल से चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों को भी इसकी अनुमति नहीं जाती है।

बता दें, सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली शराब घोटाला मामले में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई की। गिरफ्तारी के खिलाफ केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई कर रही पीठ की अध्यक्षता करने वाले न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता ने गुरुवार को कहा था कि वह शुक्रवार को अंतरिम अंतरिम जमानत पर फैसला सुनाएंगे। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने पूछा था कि ईडी ने शुरुआती जांच और पूछताछ में दर्ज किए गए अभियुक्तों के बयानों में केजरीवाल से संबंधित सवाल क्यों नहीं पूछे? जांच को दो साल हो रहे हैं, इतना समय कैसे लगा? इसके अलावा कोर्ट ने ईडी को मामले की केस डायरी और दस्तावेज पेश करने को कहा। सुनवाई का समय समाप्त होने पर कोर्ट केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर कोई आदेश नहीं आया था। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में जेल में बंद हैं। 9 समन भेजे जाने के बाद भी पूछताछ में शामिल नहीं होने पर ईडी ने उन्हें 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में गिरफ्तारी को चुनौती दी है। वहीं दिल्ली हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी को वैध ठहराया था।

शिवकाशी पटाखा फैक्ट्री में धमाका, आठ की मौत, कई घायल

चेन्नई, 09 मई (नवसत्ता)-तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले के शिवकाशी में बड़ा दर्दनाक हादसा हो गया। यहां गुरुवार को एक पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हो गया। इसमें दो महिलाओं समेत आठ लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में कई अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस और अग्निशमन कर्मी बचाव कार्य के लिए मौके पर पहुंचे और घायलों को विरुधुनगर सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया गया। इनमें दो की हालत गंभीर है।इस पटाखा फैक्ट्री में 50 से ज्यादा कमरों में 200 से ज्यादा लोग काम कर रहे हैं। ऐसे में आज जब मजदूर रोजाना की तरह काम कर रहे थे तो घर्षण के कारण भयानक विस्फोट हो गया। एक कमरे में हुआ विस्फोट बगल के कमरों तक फैल गया। इसमें इमारतें ढह गईं और सात कमरे जमींदोज हो गए।इसके चलते लगातार पटाखे फोड़े जाने वाले माहौल में घायलों को बचाने में दिक्कत आ रही थी। फिलहाल इस भीषण हादसे में शामिल 10 लोगों को बचाया जा चुका है और दमकल विभाग और पुलिस अभी भी बचाव कार्य में जुटी हुई है।तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस दुखद दुर्घटना के पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने एक बयान में कहा कि शिवकाशी के पास एक निजी पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट में 8 श्रमिकों की मौत की दुखद खबर सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है। मैंने तुरंत विरुधुनगर के जिला कलेक्टर से संपर्क किया है और उन्हें जल्द से जल्द बचाव अभियान चलाने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि घायलों को उचित इलाज मिले।

बलात्कारी जलेबी बाबा की जेल में मौत

एजेंसी

नई दिल्ली, 09 मई (नवसत्ता) जलेबी बाबा का नाम अमरपुरी है। पहले वो जलेबी का ठेला लगाता था, फिर बाबा बना और तंत्र-मंत्र के नाम पर महिलाओं का बलात्कार करता था। जलेबी बाबा महिलाओं को चाय में नशीली दवा देकर बेहोश करता था फिर उसके साथ दुष्कर्म करता था और उसका वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करता थाहरियाणा के हिसार जेल में दुष्कर्म के मामले में 14 साल की सजा काटने वाले जलेबी बाबा की मौत हो गई है।

जलेबी बाबा ने 120 से अधिक महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया था। पहले वो नशीली चाय पिलाकर महिलाओं को बेहोश करता था और फिर अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया करता था। जलेबी बाबा हिसार में केंद्रीय कारागार-2 में बंद थाजलेबी बाबा का नाम अमरपुरी है। पहले वो जलेबी का ठेला लगाता था, फिर बाबा बना और तंत्र-मंत्र के नाम पर महिलाओं का बलात्कार करता था। जलेबी बाबा महिलाओं को

चाय में नशीली दवा देकर बेहोश करता था फिर उसके साथ दुष्कर्म करता था और उसका वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करता था।जलेबी बाबा का वीडियो 2018 में वायरल हुआ था। इस वीडियो के आधार पर पुलिस इस पर केस दर्ज करती है। जांच के दौरान पुलिस को आश्रम से कई आपत्तिजनक वीडियो मिले थे। इसके अलावा सोशल मीडिया पर कई वायरल वीडियो भी देखने को मिले थे। कई लोगों ने इसका विरोध भी किया था। जलेबी बाबा मानसा, पंजाब का रहने वाला था। रोजगार के लिए ये हरियाणा के टोहाना शहर आया और रेहड़ी पर जलेबी बेचना शुरु किया था। दिन-प्रतिदिन लोग इसे पहचानने लगे। बिल्लु की जलेबी नाम से इसका रेहड़ी काफी प्रसिद्ध भी हो गया था। एक बाबा से मुलाकात के बाद इसने आश्रम बनाया फिर बिल्लु से जलेबी बाबा बन गया। आश्रम में महिलाएं आती थीं। जलेबी बाबा उनकी समस्याओं को सुनता था। फिर नशीली दवा देकर महिलाओं का रेप करता था और वीडियो बनाकर बल्लैकमेल भी करता था।

भूपेश बघेल ने बीजेपी को करप्शन के मुद्दे पर घेरा

एजेंसी

रायपुर, 09 मई (नवसत्ता) कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजधानी रायपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विभिन्न मुद्दों को लेकर हमला बोला। पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री द्वारा तेलंगाना में अदाणी-अंबानी और आर्थिक सलाहकार समिति द्वारा जारी किए गए आंकड़े को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री का यह बयान कि अदाणी अंबानी के यहां से टेंपों भर-भर कर नोट जा रहे हैं। इससे साफ जाहिर हो रहा है कि प्रधानमंत्री पर बढ़ती उम्र का असर हो रहा है। उन्होंने आगे कहा, प्रधानमंत्री ने अपने इस बयान के जरिए यह स्वीकार कर लिया है कि पार्टी में उनकी चलती नहीं है। ईडी और आईटी विभाग पर किसी का शिकंजा है, तो वो अदाणी अंबानी हैं। तभी वो शिकायत कर रहे हैं। असली ताकत प्रधानमंत्री के पास नहीं है। दूसरी बात यह है कि अगर प्रधानमंत्री को यह पता है कि अदाणी अंबानी के यहां से टैंपों भर-भर कर पैसा निकल रहा है, तो अभी तक रेड क्यों नहीं करवाई।

एयर इंडिया का बड़ा एक्शन, अचानक छुट्टी पर गए 25 क्रू मेंबर्स को किया बर्खास्त

एजेंसी

नई दिल्ली, 09 मई (नवसत्ता) एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कम से कम 25 केबिन क्रू सदस्यों को बर्खास्त कर दिया है, एक दिन बाद जब सैकड़ों कर्मचारियों ने बीमार होने और काम पर रिपोर्ट करने में विफल रहने की सूचना दी, जिसके कारण उड़ान संचालन में बाधा उत्पन्न हुई। एयरलाइन के सूत्रों के अनुसार, प्रबंधन ने बुधवार को उन केबिन क्रू सदस्यों को उनके गैर-पेशेवर व्यवहार के कारण बर्खास्त कर दिया, जिन्होंने मंगलवार और बुधवार के बीच बीमार छुट्टी ली थी, जिसके परिणामस्वरूप हजारों यात्रियों को असुविधा हुई। सामूहिक बीमारी की छुट्टी को एयर इंडिया एक्सप्रेस लिमिटेड कर्मचारी सेवा नियमों का उल्लंघन करते हुए, बिना किसी उचित कारण के काम से पूर्व-निर्धारित और ठोस अनुपस्थिति माना गया था। कर्मचारियों को बर्खास्त करने का निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि उनके कार्यों ने उनके रोजगार

अनुबंध में उल्लिखित शर्तों का उल्लंघन किया, जिसके कारण उन्हें तत्काल बर्खास्त कर दिया गया। सामूहिक बीमार छुट्टी के कारण हुए व्यवधान से मंगलवार शाम से बुधवार के बीच एयर इंडिया एक्सप्रेस की 95 से अधिक उड़ानें प्रभावित हुईं, जिससे 10,000 से अधिक यात्री प्रभावित हुए। केबिन क्रू सदस्यों के बीमार होने की सूचना के कारण 90 से अधिक अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ानों में देरी और रद्दीकरण के कारण उड़ान संचालन में व्यवधान उत्पन्न हुआ। इसके जवाब में, एयर इंडिया एक्सप्रेस के सीईओ आलोक सिंह ने आने वाले दिनों में उड़ान संचालन को कम करने की योजना की घोषणा की। सिंह ने कहा कि मंगलवार शाम से, ÷केबिन क्रू के 100 से अधिक सहयोगियों ने अपनी निर्धारित उड़ान ड्यूटी से पहले, अंतिम समय में बीमार होने की सूचना दी है, जिससे हमारे परिचालन में गंभीर बाधा आ रही है। क्योंकि यह कार्रवाई ज्यादातर एल1 भूमिका सौंपे गए सहकर्मियों द्वारा की गई थी, इसलिए प्रभाव अनुपातहीन था। अन्य सहकर्मियों के ड्यूटी पर आने के बावजूद 90 से अधिक उड़ानें बाधित हुईं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कुछ लोगों का व्यवहार एयरलाइन के अधिकांश केबिन क्रू के समर्पण का प्रतिनिधित्व नहीं करता है, जो समर्पण और गर्व के साथ मेहमानों की सेवा करना जारी रखते हैं।

सरकारी क्रय केंद्रों पर गेहूं खरीद मात्र चार फीसदी

संवाददाता

रायबरेली, 09 मई (नवसत्ता)। गेहूं की खरीद को लेकर प्रशासन ने दावे किए तो साथ ही निगरानी दस्ता भी बनाया गया। इसके बाद भी आढ़ती, मिलर्स और गेहूं व्यापारियों तक किसानों का गेहूं पहुंच रहा है। इसी का नतीजा है कि सरकारी क्रय केंद्रों पर अभी तक मजह चार फीसदी खरीद हुई है। यही हाल रहा तो इस बार दस फीसदी गेहूं की खरीद बहुत बड़ी चुनौती होगी। गेहूं खरीद को लेकर जिले में 123 क्रय केंद्र बनाए गए जो पिछले साल की तुलना में तीन गुना अधिक हैं। वहीं गेहूं खरीद का लक्ष्य 1.52 लाख एमटी (मीट्रिक टन) है। अभी तक केवल 5422.37 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो सकी है। सरकारी केंद्रों पर शासन के निर्देश पर इस बार एक मार्च से खरीद शुरू हो गई थी। इस दौरान व्यवस्था सही से नहीं हो सकी और एक अप्रैल से जिले में ठीक से खरीद शुरू हुई लेकिन पहले 20 दिन में महज तीन हजार किसानों ने पंजीकरण कराया। इसके बाद डीएम हर्षिता माथुर ने आढ़त, बाजार और मिलर्स पर नजर रखने के लिए निगरानी दस्ते के गठन का निर्देश दिया तो पंजीकरण बढ़कर 22 हजार हो गया लेकिन खरीद नहीं बढ़ी।

यात्रा केदारनाथ और यमुनोत्री के कपाट सुबह सात बजे खुलेंगे जबकि गंगोत्री के कपाट दोपहर बाद 12 बजकर 20 मिनट पर खुलेंगे

चारधाम यात्रा आज से शुरू, पहले दिन खुलेंगे केदारनाथ सहित तीन धामों के कपाट

एजेंसी

केदारनाथ, 09 मई (नवसत्ता) उत्तराखंड के उच्च गढ़वाल क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धामों के कपाट शीतकाल के दौरान छह माह बंद रहने के बाद शुक्रवार को अक्षय तृतीया के पर्व पर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे और इसके साथ ही इस साल की चारधाम यात्रा का आरंभ हो जाएगा। मंदिर समितियों ने बताया कि केदारनाथ और यमुनोत्री के कपाट सुबह सात बजे खुलेंगे जबकि गंगोत्री के कपाट दोपहर बाद 12 बजकर 20 मिनट पर खुलेंगे। उनके अनुसार चारधाम के नाम से प्रसिद्ध धामों में शामिल एक अन्य धाम बदरीनाथ के कपाट 12 मई को सुबह छह बजे खुलेंगे। बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर

समिति के मीडिया प्रभारी हरीश गौड़ ने बताया कि केदारनाथ मंदिर के कपाटोद्घाटन के लिए मंदिर को फूलों से सजाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दानदाताओं के सहयोग से मंदिर को विभिन्न प्रजातियों के करीब 20 क्विंटल फूलों से सजाया जा रहा है जो हेलीकॉप्टर के माध्यम से वहां पहुंचाए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है और बृहस्पतिवार शाम चार बजे तक चार धामों के लिए 22 लाख से अधिक श्रद्धालु अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। चारधाम यात्रा पंजीकरण बुलेटिन के अनुसार, वेब पोर्टल, मोबाइल एप और व्हाटसएप के माध्यम से अब तक पंजीकरण की संख्या 22,28,928 पहुंच चुकी है। इस बार भी सरकार ने चारों धामों के कपाट खुलने के अवसर पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कराने की घोषणा की है। इस बीच, 4050 श्रद्धालुओं को लेकर 135 वाहन ऋषिकेश से चारधामों के लिए रवाना हुए। वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि इस वर्ष चारधामों के दर्शन के लिए रिकार्ड संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे। हर साल गर्मियों में होने वाली चारधाम यात्रा के शुरू होने का स्थानीय जनता को भी इंतजार रहता है। छह माह तक चलने वाली इस यात्रा के दौरान देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालु और पर्यटक जनता के रोजगार और आजीविका का साधन हैं और इसीलिए चारधाम यात्रा को गढवाल हिमालय की आर्थिकी की रीढ़ माना जाता है।

केदारनाथ धाम पहुंची पंचमुखी डोली

बाबा केदारनाथ की पंचमुखी डोली गुरुवार शाम करीब चार बजे भक्तिमय जयघोष के साथ केदारनाथ धाम पहुंची। केदारनाथ धाम में श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने पंचमुखी डोली के पहुंचने पर अगवानी की। इस अवसर पर बीकेटीसी सदस्य श्रीनिवास पोस्ती, योगेंद्र सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष महावीर पंवार, दिनेश उनियाल ने डोली के साथ पहुंचे श्रद्धालुओं का स्वागत किया। संस्कृति एवं कला परिषद उपाध्यक्ष मधु भट्ट भी श्री केदारनाथ धाम पहुंचीं। गुरुवार को बाबा केदार की पंचमुखी डोली सुबह 8.30 बजे गौरामाई मंदिर गौरीकुंड से श्री केदारनाथ धाम प्रस्थान हुई थी। 6 मई को डोली श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ से श्री विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी पहुंची। मंगलवार यानी 7 मई को फाटा पहुंची और 8 मई को देर शाम यह डोली गौरा माता मंदिर गौरीकुंड पहुंची थी।

युवाओं को रोजगार की जरूरत, पांच किलो राशन से आपका भविष्य नहीं बनने वाला: प्रियंका गांधी

मेरी दादी और पिता ने देश के लिए शहादत दी है, मैं अपने परिवार पर क्यों ना गर्व करूं

संवाददाता

रायबरेली, 09 मई (नवसत्ता)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा रायबरेली से प्रत्याशी अपने भाई राहुल गांधी के लिए जमकर प्रचार कर रही हैं। वो लगातार नुक्कड़ सभाएं कर जनता को संबोधित कर रही हैं।

बृहस्पतिवार को एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पांच किलो राशन से आपका भविष्य नहीं बनने वाला है। मिल रहा है ये अच्छी बात है। आपको वो सरकार चाहिए जो कि रोजगार दे। जब आपके पास रोजगार होगा तो आप खुद ही आत्मनिर्भर बनेंगे। पांच किलो राशन से आपका भविष्य नहीं बदलने वाला है। जो राजनीतिक दल आपको सिर्फ राशन देने तक ही सीमित कर दे रहा है उसकी नीति ठीक नहीं है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि रायबरेली में एक राजनीतिक जागरूकता की परंपरा रही है। यहां के किसानों ने 103 साल पहले एक आंदोलन किया था जिसमें पंडित जवाहर लाल नेहरू भी शामिल हुए थे और किसानों के साथ गिरफ्तार हुए थे।

प्रियंका गांधी ने कहा कि रायबरेली की जनता ने नेताओं को दंडित भी किया। इंदिरा गांधी को भी हरा दिया लेकिन इंदिरा जी ने हमेशा ही आपका आदर किया और जनता की बात सुनी। आज की सरकार सवाल पूछने वालों का मुंह बंद कर देती है। उद्योगपतियों का कर्ज माफ करती है पर किसानों की बात नहीं सुनती है।

प्रियंका गांधी ने सदर विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार किया। इस दौरान प्रियंका ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला किया। शहीद स्मारक पर मीडिया से बातचीत के दौरान प्रियंका ने कहा कि भाजपा कहती है कि मैं परिवार के शहीदों के नाम पर वोट मांग रही हूं। मैं उनसे पूछती हूं कि मैं अपने परिवार पर क्यों न गर्व करूं। क्यों मैं चुप रहूं। मेरी दादी इंदिरा गांधी और पिता राजीव गांधी ने देश के लिए शहादत दी है। मैं क्यों उनकी बात न करूं। उन्होंने इस दौरान अंबानी अडानी का नाम न लिए जाने के सवाल का जवाब देते हुए कहा, लगातार उनका नाम लिया जा रहा है। राहुल जी रोज उनका नाम ले रहे हैं। कांग्रेसी मैनिफेस्टो को लेकर भाजपा के आरोपों का जवाब देते हुए प्रियंका ने कहा कि मोदी को उसे पढ़ना चाहिए।

प्रियंका ने अमेठी में स्मृति ईरानी के उस सवाल का जवाब दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस मुद्दों पर चुनाव नहीं लड़ रही है। प्रियंका ने कहा कि यह तो उल्टी बात है। हम तो महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर ही चुनाव लड़ रहे हैं।

उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी के उस बयान का भी खंडन किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस आई तो राम मंदिर का फैसला पलट देगी। इस पर कहा कि कांग्रेस ने बहुत बार कहा है कि जो भी निर्णय आएगा, उसका पालन करेंगे और कर रहे हैं। राम मंदिर का फैसला बदल देने की बात बिल्कुल झूठ है।

कैसरगंज से बृजभूषण शरण सिंह के बेटे को टिकट दिए जाने को लेकर प्रियंका ने कहा कि भाजपा के लिए महिला सम्मान चुनावी जुमला है। महिला पहलवान जब मेडल लेकर आती हैं तो मोदी जी उनके साथ चाय पीते हैं। अब जब महिलाएं धरना दे रही हैं तो वो अपनी पार्टी का प्रत्याशी बना रहे हैं। प्रियंका गांधी ने कलसहा और खागीपुर सड़वा गांव में नुक्कड़ सभाओं को संबोधित किया साथ ही शहीद स्मारक पहुंचकर शहीद किसानों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। चुनाव प्रचार के दौरान प्रियंका गांधी ने महिलाओं से भी संवाद किया।

भाजपा प्रत्याशी ने अमावां के दर्जनों गांवों का भ्रमण कर की नुक्कड़ सभायें

संवाददाता

रायबरेली, 09 मई (नवसत्ता)। प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री 36 लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह ने विकास खंड अमावा के रसूलपुर, संदी नागिन व राही ब्लॉक के बंदरामऊ, मेजरगंज, खागीपुर सड़वा सहित दर्जनों गांवो का भ्रमण कर आर्शीवाद मांगा। इस दौरान आयोजित कई जनसभाओं व नुक्कड़ जनसभाओं को संबोधित किया। नुक्कड़ सभाओं को संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह ने रायबरेली की सांसद सोनिया गांधी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वह अपने बेटे के नामांकन में 3 मई को रायबरेली आई और धूप में खड़ी रही, सिर्फ अपने बेटे के लिए। रायबरेली के बेटो के लिए वह कभी नहीं आई ना कभी खड़ी हुई। पूरे 5 साल में यह लोग कभी रायबरेली में दिखाई नहीं पड़े। चुनाव आते ही यह महारानी-महाराजा अपने पूरे कुनबे के साथ आपकी चौखट पर सिर्फ वोट मांगने के लिए आते हैं। चुनाव में नकली गांधी आए हैं, जो तीन पीढ़ियों के रिश्ते की बात कर परिवार की बात करते हैं। जिनका रायबरेली के किसी भी परिवार के सुख-दुख से कोई मतलब नहीं है। सिर्फ वोट मांगने के समय दिखाई देते हैं।

यही नहीं उन्होंने कांग्रेस पर निशाना चाहते हुए कहा कि नकली गांधी परिवार ने रायबरेली के गौरवशाली इतिहास पर मिट्टी डालकर नकली गांधी परिवार लिखने का काम किया है। उन्होंने कहा रायबरेली का अपने आप में गौरवशाली इतिहास है।

रायबरेली परशुराम के पिता महर्षि जम्दंग्नि, वीरा पासी, राणा बेनी माधव बक्श सिंह गोकर्ण ऋषि, डल्भय ऋषि की तपोभूमि है जिनके इतिहासों पर कांग्रेस ने मिट्टी डालने का काम किया है।

इस दौरान वीरेंद्र सिंह मंडल अध्यक्ष मावा शत्रुधन, प्रधान संधि नागिन नारायण श्रीवास्तव, पूर्व प्रधान दिलीप द्विवेदी मंडल प्रभारी बृजेश सिंह, महामंत्री राजाराम पासी, मंडल मंत्री अनिल सिंह, शक्ति केंद्र संयोजक सहित प्रधान अवधेश मौर्य, अनुज पटेल वेद प्रकाश पांडे, अनुज मौर्या प्रभारी मंडल राही, नीलम गुप्ता महिला मोर्चा अध्यक्ष राही, अमन जायसवाल प्रधान राही सैकड़ो कार्यकर्ता व हजारों ग्रामीण मौजूद रहे।

स्मृति ने कांग्रेस को घेरा, बोलीं- इनके राज में हिंदुओं को प्रताड़ित किया गया

संवाददाता

अमेठी, 09 मई (नवसत्ता)। अमेठी, देश की आबादी को लेकर प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्ययन के निष्कर्ष को लेकर केंद्रीय मंत्री व अमेठी से भाजपा सांसद स्मृति ईरानी ने कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि ये इस बात का प्रमाण है कि हिंदू समाज को किस तरह प्रताड़ित किया गया।

आबादी को लेकर प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की रिपोर्ट पर केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा, कांग्रेस की यही परंपरा रही है...हिन्दू समाज की प्रताड़ना, हिन्दू समाज को वंचित रखना, हिन्दू समाज और सनातन का अपमान करना।

ये आंकड़ा प्रतिबिंब है कि कांग्रेस के राज में किस प्रकार हिन्दू समाज पर सामाजिक प्रहार हुए हैं। हमारे समाज को जाति के आधार पर बांटने की कवायद हुई है। ये उसी का साक्ष्य है। बता दें अध्ययन में पाया गया है कि 1950 से 2015 के बीच हिंदुओं की हिस्सेदारी में 7.82 फीसदी गिरावट आई है और मुस्लिमों की हिस्सेदारी 43.15 फीसदी बढ़ी है।

संजय गांधी अस्पताल में हृदय रोग का सफल ऑपरेशन

अमेठी,09 मई (नवसत्ता)। जिले के मुंशीगंज स्थित संजय गांधी अस्पताल में दो दिन पहले हुई कैथ लैब की स्थापना के बाद अस्पताल में हृदय रोग का सफल ऑपरेशन किया गया। कैथ लैब की स्थापना की गई। अब अमेठी और आसपास के जिलों के मरीजों को बड़े शहरों में जाकर ऑपरेशन के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। हृदय संबंधित समस्याओं के लिए अब संजय गांधी अस्पताल में सुविधाएं प्रारम्भ हो गई है।

टोल प्लाजा कर्मियों से मारपीट में 15-20 अज्ञात लोगों पर रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता

नवाबगंज-उन्नाव, 09 मई (नवसत्ता)। टोल प्लाजा पर दो दिन पहले फास्टैग में लो बैलेंस होने पर गा?ी पीछे करने की बात पर टोल कर्मियों की पिटाई करने के मामले में शिफ्ट इंचार्ज की तहरीर पर अजगैन कोतवाली में अज्ञात लोगों पर मारपीट, गाली-गलौज और बलवा की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज हुई है।

नवाबगंज टोल प्लाजा के 15 नंबर लेन से सोमवार को कानपुर से लखनऊ की ओर जा रही कार में लगे फास्टैग का बैलेंस लो था। इस पर टोल कंट्रोलर जसवंत यादव ने रिचार्ज के बाद ही गा?ी निकालने की बात कही थी। इस दौरान शिफ्ट इंचार्ज शैलेंद्र सिंह ने गा?ी पीछे करने के लिए कहा तो कार सवार बरातियों ने गाली गलौज और विवाद शुरू कर दिया था। तभी पीछे से और सात गाड़ियां आने के बाद उससे उतरे लोगों ने टोल कर्मियों के साथ मारपीट शुरू की थी।

मारपीट में सात कर्मियों में सचिन यादव, राघवेंद्र शर्मा, सूर्यकांत शुक्ला, सुखराज भारती और धीरेंद्र कुमार को दौ?ाकर पीटा था। घटना में सभी को चोटें आई थी। सभी को लखनऊ के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसमें जसवंत की हालत अभी भी गंभीर है। अन्य टोल कर्मियों की हालत में सुधार है। टोल प्लाजा के उपप्रबंधक दीपक यादव ने बताया कि शिफ्ट इंचार्ज सत्येंद्र कुमार ने कोतवाली में तहरीर दी है।

नाली के विवाद में मारपीट सात जख्मी

उन्नाव, 09 मई (नवसत्ता)। जिले के बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के बड़ी डडिया सुनौरा गांव में नाली बनाने को लेकर हुए विवाद में दो पक्षों के बीच लाठी चलने से सात लोग जख्मी हो गए। घायलों को सीएचसी पर भर्ती कराया गया।

जेपी नड्डा की बैठक में रायबरेली के पदाधिकारियों ने की सहभागिता

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 09 मई (नवसत्ता)। रायबरेली लोकसभा चुनाव को लेकर प्रदेश कार्यालय में बैठक बुलाई गई। बैठक को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने संबोधित किया। प्रदेश भाजपा मुख्यालय में रायबरेली उन्नाव, मोहनलालगंज सहित चार लोकसभा सीटों के जिला अध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, विधानसभा संयोजक लोकसभा संयोजक शामिल हुए। बैठक में रायबरेली से जिला अध्यक्ष बुद्धीलाल पासी, विधानसभा संयोजक सुशील शुक्ला, सरोज गौतम, अरविंद श्रीवास्तव,कृष्ण जीवन तिवारी और विधानसभा प्रभारी अनुभव कक्कड़ विनोद बाजपेई, सुरेंद्र बहादुर सिंह दाढ़ी, जन्मेजय सिंह आदि पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में शामिल होने के बाद जिला अध्यक्ष बुद्धीलाल पासी बताया कि हम सभी को बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का बहुत ही सारगर्भित मार्गदर्शन मिला है। उनके मार्गदर्शन से हम लोगों में और अधिक चुनाव जीतने के बाबत उत्साह का संचार हुआ है ।हम लोग निश्चित रूप से रायबरेली लोकसभा सीट जीतेंगे। विधानसभा संयोजक सुशील शुक्ला ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष की बैठक में शामिल होने के बाद हम लोग एक निश्चित योजना के अनुसार चुनाव प्रचार प्रारंभ करेंगे और रायबरेली सीट जिता कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करेंगे।

11 हजार कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

उन्नाव,09 मई (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव के लिए 11 हजार कार्मिक तैयार हैं। अंतिम दिन छूटे, बचे व विलंब में आए कार्मिकों को प्रशिक्षित किया गया। सीडीओ व कार्मिक प्रभारी अधिकारी ने कहा कि कार्मिक चुनाव में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

बैसवारा महाविद्यालय में प्रवेश फॉर्म वितरण प्रारंभ

लालगंज-रायबरेली, 09 मई (नवसत्ता)। बैसवारा महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शीला श्रीवास्तव ने बताया कि सत्र 2024-25 में बी.ए. प्रथम वर्ष, प्रथम सेमेस्टर बी.एस.सी. प्रथम वर्ष, प्रथम सेमेस्टर परास्नातक प्रथम वर्ष, प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश प्रारंभ हो चुका है। महाविद्यालय ने पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा रजिस्ट्रेशन कराने की प्रक्रिया को निःशुल्क रखा है।

निःशुल्क रजिस्ट्रेशन करने के उपरांत छात्र एवं छात्राएं महाविद्यालय से प्रवेश फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं। महाविद्यालय में छात्र एवं छात्राओं के लिए एन.सी.सी. की 320 से अधिक सीटें उपलब्ध हैं तथा महाविद्यालय में योग्य अनुभवी तथा आयोग द्वारा चयनित शिक्षकों द्वारा नियमित कक्षाओं का संचालन होता है। कक्षाओं के संचालन के साथ-साथ योग्य शिक्षकों द्वारा महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को अतिरिक्त कक्षाओं का भी संचालन किया जाता है।

नोटिस नमूना आम

न्यायालय श्रीमान सिविल जज सी0 डि0 कोर्ट नं0 10 रायबरेली। वाद सं0-103/2024 ई0।

श्रीमती नीलम सिंह पत्नी स्व. कुंवर बहादुर सिंह आयु 45 वर्ष 2-सौरभ सिंह पुत्र स्व. कुंवर बहादुर सिंह आयु 23 वर्ष 3- कु. ज्योति सिंह पुत्री स्व. कुंवर बहादुर सिंह आयु 21 वर्ष 4- शिवप्रताप सिंह पुत्र स्व. कुंवर बहादुर सिंह नाबालिक आयु 13 वर्ष संरक्षिका स्वयं माता श्रीमती नीलम सिंह- निवासीगण ग्रा.-शाहपुर, म. बसंतपुर-सकतपुर पर. सेमरौता, तहसील-महराजगंज, जिला-रायबरेली।.........वादी

बनाम

1.हरखास आम ग्राम पंचायत, बसंतपुर-सकतपुर पर. सेमरौता, तहसील-महराजगंज, जिला-रायबरेली। 2- उत्तर प्रदेश राज्य द्वारा जिलाधिकारी रायबरेली।3-प्रबंधक बैंक आफ बड़ौदा शाखा-सेमरौता, जनपद- अमेठी।

..............प्रतिवादीगण

चूंकि ऊपर नामांकित वादीगण ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि उत्तराधिकार हेतु अतएव आपको एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के खिलाफ किसी की भी कोई आपत्ति प्रस्तुत करना चाहते हैं तो दिनांक 13 माह 05 सन् 2024 ई0 को............ दिन 08 बजे पूर्वान्ह में इस न्यायालय में उपस्थित होकर या सम्यकरूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हों और यदि आप ऐसा करने में असफल रहें तो उक्त आवेदन की सुनवाई एक पक्षीय करके वाद निर्णत कर दिया जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक...... माह............ सन............. ई0 को जारी की गयी।

दिनांक:..............

न्यायालय के आदेशानुसार

डायरिया से बच्ची की मौत

उन्नाव, 09 मई (नवसत्ता)। इमरजेंसी वार्ड में इलाज के दौरान डायरिया पीड़ित एक बच्ची की मौत हो गई। वहीं पेटदर्द, डायरिया और बुखार के 22 मरीजों को भर्ती किया गया। बेहटामुजावर क्षेत्र के खंभौली गांव निवासी रामसनेही की 13 साल की बेटी रागिनी की दो दिन से तबीयत खराब चल रही थी। उल्टी और दस्त अधिक होने पर परिजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने जांच करने के बाद डायरिया बताकर इमरजेंसी वार्ड में भर्ती किया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं डायरिया, बुखार और पेटदर्द के 22 और गंभीर मरीज पहुंचे।

मां-बेटी के शव की शिनाख्त नहीं

उन्नाव,09 मई (नवसत्ता)। जिले की हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे स्थित ताला सराय गांव के पास बीते मंगलवार सुबह हत्या कर अज्ञात मां-बेटी के शव फेंके गए थे। दो दिन बीतने के बाद भी हसनगंज पुलिस पहचान तक नहीं कर सकी है।

400 पार सीटों का नारा हमारा नहीं जनता का है: रजनी तिवारी

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 09 मई (नवसत्ता)। रायबरेली लोकसभा की चुनावी गतिविधियों के मद्देनजर लालगंज में भारतीय जनता पार्टी के सरेनी विधानसभा का विशाल बूथ सम्मेलन कार्यक्रम संपन्न हो गया है। विधानसभा बूथ सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि पहुंची उत्तर प्रदेश सरकार की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार करते हुए कहा कि हिंदुस्तान की पूरी जनता नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनते देखना चाहती है ।देश में 400 पार का लक्ष्य हमने नहीं जनता ने दिया है। जनता ही भारतीय जनता पार्टी की केंद्र में तीसरी बार सरकार बनवाएगी और 400 सीटों के बहुमत से सरकार बनवायेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जहां अयोध्या में राम मंदिर बनवाया वहीं जम्मू कश्मीर में तिरंगा झंडा फहराने का भी काम किया। राज्य मंत्री ने कार्यकर्ताओं को चुनाव जीतने का संकल्प दिलाया और संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने का आह्वान किया पूर्व विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि सरेनी विधानसभा में भाजपा प्रचंड बहुमत से चुनाव जीतेगी। लोकसभा संयोजक रामदेव पाल ने कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक तरीके से चुनाव में लगने के लिए प्रेरित किया। विधानसभा संयोजक सुशील शुक्ला ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर बनना हिंदुस्तानियों के लिए गौरव और स्वाभिमान की बात है। अपने अध्यक्षीय भाषण में पूर्व मंत्री गिरीश नारायण पांडे ने कहा कि हम सबको एकजुटता के साथ लोकसभा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह को जिताना है। संचालन चंद्र प्रकाश पांडे ने किया।

इस मौके पर प्रभारी सुरेंद्र बहादुर सिंह दाढ़ी, नगर पंचायत अध्यक्ष बृजेश दत्त गौड़, लोकसभा सहसंयोजक विजय प्रताप सिंह, डॉ नरेंद्र बहादुर सिंह, शिव प्रकाश पांडे, मंडल अध्यक्ष जगन्नाथ पांडे, दिवाकर मिश्रा, गोविंद सविता मनोज अवस्थी, महेंद्र पटेल, मंडल प्रभारी रमाकांत मिश्रा, मनीष अग्रवाल, अनूप पांडे, कैलाश बाजपेई, मंटू बाजपेई, ओंकार यादव राधेश्याम पाल, यतिन सिंह चौहान दीप प्रकाश शुक्ला, जेपी सिंह, धर्मेंद्र सिंह प्रधान, संजय बाजपेई, राजू शर्मा उमेश सिंह, चंदन त्रिवेदी, नागेंद्र सिंह, दिनेश त्रिपाठी, शिवम गुप्ता, प्राची शालू अनीता देवी, नागेंद्र गुप्ता, धर्मेंद्र सिंह सुशील तिवारी, मृत्युंजय बाजपेई, के. के. सिंह, बबलू पांडे, सुनील मिश्रा आदि हजारों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लोकसभा चुनाव के लिए 2750 झोले तैयार

संवाददाता

उन्नाव, 09 मई (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। कार्मिकों को देने के लिए 2,750 झोले तैयार किए गए हैं। इनका वितरण भी लगभग पूरा हो गया है।

जिले में 13 मई को लोकसभा चुनाव होना है। इसके लिए 2498 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। प्रत्येक बूथ पर पीठासीन सहित चार कार्मिक लगाए गए हैं। प्रत्येक बूथ के पीठासीन अधिकारी को देने के लिए झोले तैयार कराए गए हैं। प्रशिक्षण दिवस में इनका वितरण भी करा दिया गया है। मतदान सामग्री प्रभारी उपनिदेशक कृषि डॉ. मुकुल तिवारी ने बताया कि 2498 बूथों के सापेक्ष 2750 झोले तैयार कराए गए हैं। पीठासीन को वितरण लगभग पूरा हो गया है। इसके अलावा सेक्टर मजिस्ट्रेटों के पास भी रिजर्व रूप में झोला रहेगा। झोले में मतदान सामग्री रखी हुई है। बताया कि इस बार चुनाव में बैगनुमा झोले तैयार कराए गए हैं। पिछले चुनावों में कार्मिकों को मतदान सामग्री के लिए बोरे दिए जाते थे। इस बार निर्वाचन आयोग प्रिंट बड़ा सा जूट का झोला दिया गया है। जिसमें पीठासीन की डायरी, चुनावी गाइड-लाइन पुस्तिका, मतदान से जुड़े सभी प्रारुप, स्केल, पिन, रबर, सील करने की सामग्री व अमिट नीली स्याही, स्टैंप पैड आदि चीजें रखी गई हैं।

चढ़ा सियासी पारा: प्रियंका संग राहुल भी करेंगे प्रचार

संवाददाता

अमेठी, 09 मई (नवसत्ता)। पांचवें चरण के लिए तैयार अमेठी का सियासी रण दिलचस्प होता जा रहा है। वजह, हर बार की तरह इस बार भी खुद प्रत्याशी बने बिना कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा चुनाव मैदान में है। उनके समक्ष गांधी परिवार की उस सीट को जीतने की चुनौती है, जिसे वर्ष 2019 में भाजपा की स्मृति जूबिन ईरानी ने भाई राहुल गांधी से छीन ली थी। स्मृति दोबारा भाजपा से मैदान में हैं, जबकि उनके सामने गांधी परिवार ने अपने करीबी केएल शर्मा को उतारा है। ऐसे में इस बार भी प्रियंका गांधी की शोहरत यहां से दांव पर लगी है। प्रियंका यहां पहले भी मां और भाई के लिए चुनाव प्रचार कर चुकी हैं। इस बार मामला प्रचार से ज्यादा प्रतिष्ठा का है। सूत्रों के अनुसार प्रियंका के साथ राहुल गांधी भी यहां से चुनाव प्रचार कर सकते हैं। पार्टी अध्यक्ष खरगे सहित कई वरिष्ठ नेताओं की सभाएं यहां हो सकती हैं।

अमेठी में वर्ष 1999 में मां सोनिया गांधी के साथ ही 2004, 2009 2014 व 2019 में भाई राहुल गांधी का चुनावी प्रबंधन संभालने वाली प्रियंका गांधी वाड्रा एक बार फिर रणनीतिकार के रूप में मैदान में हैं। नामांकन के समय केएल शर्मा के साथ प्रियंका ने मंच साझा कर साफ कर दिया था कि छह मई से वह यहीं रहेंगी जिससे एक बात साफ हो गई है कि कांग्रेस कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती।

प्रियंका गांधी अमेठी में नुक्कड़ सभाएं करेंगी, जिसके लिए कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है। योजना के अनुसार प्रियंका कुछ क्षेत्रों में रोड शो कर सकती हैं। इस दौरान प्रियंका स्वतंत्रता सेनानियों और गांधी परिवार से गहरे जुड़े परिवारों से भी मुलाकात कर सकती हैं।

प्रियंका गांधी की टीम बूथ स्तर पर तैयार डाटा को अपडेट कर रही है। इसके लिए कार्यकर्ताओं का वाट्सएप ग्रुप बनाया जा रहा है। इसमें हरेक गतिविधि पर फोकस किया जाएगा। प्रियंका गांधी हर कार्यकर्ता को वोट का टॉस्क देंगी।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने रायबरेली और अमेठी में डेरा डाल दिया है लेकिन उनकी मांग अन्य सीटों पर भी हो रही है। कांग्रेस के ज्यादातर प्रत्याशी प्रियंका गांधी का कार्यक्रम मांग रहे हैं। प्रियंका 18 मई तक रायबरेली और अमेठी में रहेंगी। यहां 20 मई को चुनाव है। इसके बाद 27 सीटों पर छठवें और सातवें चरण में चुनाव होगा। इन 27 में से पांच सीटों पर गठबंधन के तहत कांग्रेस उम्मीदवार मैदान में हैं। इन सभी उम्मीदवारों ने राहुल गांधी की जनसभा और प्रियंका गांधी के रोड शो की मांग की है। गठबंधन के कई उम्मीदवारों ने भी अखिलेश के साथ राहुल और प्रियंका की संयुक्त जनसभा की ख्वाहिश जताई है। इसके लिए वे सपा कार्यालय के साथ ही कांग्रेस कार्यालय में भी पत्र भेज रहे हैं। राहुल और प्रियंका के नजदीकी लोगों से भी सिफारिश कर रहे हैं। हालांकि अभी तक प्रियंका का अमेठी व रायबरेली के अलावा अन्य किसी सीट पर कार्यक्रम तय नहीं हुआ है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना सं0 29/2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते है ।

क्र.सं. 1:– कार्य का विवरण: जोन सं. 21 पीलीभीत स्टेशन यार्ड एवं सगस्त पीलीगीत कालोनी। अनुमानित लागत रूपयों में: ₹ 1,15,44,543.62, बयाना राशि रूपयों में: ₹ 2,07,700/– निविदा प्रपत्र का मूल्य–शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 30.06.2025 तक।

क्र.सं. 2:– कार्य का विवरण: जोन सं. 22 भोजीपुरा (रहित) से भैलानी रहित तथा पीलीभीत (रहित)। अनुमानित लागत रूपयों में: ₹ 1,27,37,065.23, बयाना राशि रूपयों में: ₹ 2,13,700/– निविदा प्रपत्र का मूल्य–शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 30.06.2025 तक।

क्र.सं. 3:– कार्य का विवरण: जोन सं. 23 पीलीभीत (रहित) टनकपुर (सहित)। अनुमानित लागत रूपयों में: ₹ 87,92,982.5, बयाना राशि रूपयों में: ₹ 1,75,900/– निविदा प्रपत्र का मूल्य–शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 30.06.2025 तक।

क्र.सं. 4:– कार्य का विवरण: जोन सं. 24 पीलीभीत (रहित) से शाहजहाँपुर (सहित)। अनुमानित लागत रूपयों में: ₹ 90,05,095.01, बयाना राशि रूपयों में: ₹ 1,80,100/– निविदा प्रपत्र का मूल्य–शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 30.06.2025 तक।

क्र.सं. 5:– कार्य का विवरण: जोन सं. 25 मुरादाबाद (रहित) से रामनगर (सहित)। अनुमानित लागत रूपयों में: ₹ 1,38,29,139.64, बयाना राशि रूपयों में: ₹ 2,19,200/– निविदा प्रपत्र का मूल्य–शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 30.06.2025 तक।

क्र.सं. 6:– कार्य का विवरण: जोन सं. 26 लालकुँआ (सहित) काठगोदाम (सहित)। अनुमानित लागत रूपयों में: ₹ 1,74,17,767.19, बयाना राशि रूपयों में: ₹ 2,37,100/– निविदा प्रपत्र का मूल्य–शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 30.06.2025 तक।

क्र.सं. 7:– कार्य का विवरण: जोन सं. 28 लालकुँआ (रहित) से रामपुर (रहित)। अनुमानित लागत रूपयों में: ₹ 1,59,47,273.22, बयाना राशि रूपयों में: ₹ 2,29,700/– निविदा प्रपत्र का मूल्य–शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 30.06.2025 तक।

क्र.सं. 8:– कार्य का विवरण: पीलीभीत–मैलानी जंक्शन के अनुभाग में टाइप–II 10 नग, टाइप–III 03 नग एवं टाइप–IV 02 नग आवासों का निर्माण कार्य। (ऑपरेशन स्टाफ के लिए कुल 15 नग आवास)। अनुमानित लागत रूपयों में: ₹ 2,61,56,269.59, बयाना राशि रूपयों में: ₹ 2,80,800/– निविदा प्रपत्र का मूल्य–शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 09 माह।

क्र.सं. 9:– कार्य का विवरण: बितरोई स्टेशन (सी.एस.एल 750मी.) पर निजी भूमि से मिट्टी के कार्य के साथ गुड्स शेड का निर्माण। अनुमानित लागत रूपयों में: ₹ 7,39,44,948.50, बयाना राशि रूपयों में: ₹ 5,19,700/– निविदा प्रपत्र का मूल्य–शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 12 माह।

क्र.सं. 10:– कार्य का विवरण: सहायक मंडल इंजी. काशीपुर के अन्तर्गत काठगोदाम एवं काशीपुर स्टेशन पर आर.पी.एफ पोस्ट का प्रावधान। अनुमानित लागत रूपयों में: ₹ 99,50,103.52, बयाना राशि रूपयों में: ₹ 1,99,000/– निविदा प्रपत्र का मूल्य–शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 08 माह।

1. ई– निविदा दिनांक 31.05.2024 को 15.00 बजे तक आन लाइन जमा कर सकेंगे। 2. ई–निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेब साईट www.ireps.gov.in पर देखे।

मण्डल रेल प्रबन्धक (इन्जी0), इज्जतनगर

मुजाधि/डब्लू–61

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

एलडीए ने व्यावसायिक कॉम्पलेक्स समेत दो अवैध निर्माण सील किये

संवाददाता

लखनऊ, 09 मई (नवसत्ता) लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी के निर्देश पर शहर में अवैध निर्माण के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के क्रम में गुरूवार को प्रवर्तन जोन-4 की टीम ने मड़ियांव व बीकेटी क्षेत्र में कार्यवाही की। इस दौरान प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना कराये जा रहे 02 अवैध निर्माणों को सील किया गया। प्रवर्तन जोन-4 के जोनल अधिकारी रवि नंदन सिंह ने बताया कि नदीम व अन्य द्वारा मड़ियांव के मुतक्कीपुर में आईआईएम रोड तिराहा के पास लगभग 2555 वर्गफिट क्षेत्रफल के भूखण्ड पर आवासीय भवन का निर्माण कराया जा रहा था। इसके अलावा नीरज सिंह, बृजेश सिंह व अन्य द्वारा बीकेटी में चंद्रिका देवी रोड पर पर्वतपुर चौराहे के पास ग्राम-भवानीपुर में लगभग 3500 वर्गफिट क्षेत्रफल के भूखण्ड पर 22 दुकानों का निर्माण कराया गया था। प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना अवैध रूप से किये जा रहे इन निर्माण कार्यों के विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद योजित करते हुए सीलिंग के आदेश पारित किये गये थे। जिसके अनुपालन में गुरूवार को सहायक अभियंता राकेश चन्द्र गुप्ता के नेतृत्व में अवर अभियंता भरत पाण्डेय व प्रमोद कुमार पाण्डेय द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से उक्त दोनों परिसर को सील कर दिया गया।

अपने बुद्धिदाता के कृत्यों के लिए माफी मांगे कांग्रेस: योगी

संवाददाता

लखनऊ, 09 मई (नवसत्ता) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सैम पित्रोदा कांग्रेस के बुद्धिदाता हैं। वे कांग्रेस की बांटो और राज करो की नीति को बयां कर रहे हैं। कांग्रेस में सत्ता प्राप्ति की अतिलिप्सा है। कांग्रेस 1947 में भारत के विभाजन की त्रासदी की जिम्मेदार है। कांग्रेस ने आजादी के बाद भी जाति, क्षेत्र, भाषा के नाम पर देश को बांटने का पाप किया है। सैम पित्रोदा का बयान अत्यंत निंदनीय है। कांग्रेस सैम पित्रोदा के मुंह से जो बोलवा रही है, उसके लिए उसे देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस को अपने बुद्धिदाता के कृत्यों के लिए माफी मांगनी चाहिए। गुरुवार को चुनावी जनसभा में रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बातचीत में ये बातें कहीं। सीएम ने कहा कि वे लोग उत्तर भारत, दक्षिण भारत, पूर्वी भारत, पश्चिमी भारत को रंग व चमड़ी के आधार पर बांटने का प्रयास कर रहे हैं। यह देश के प्रति साजिश का पर्दाफाश होने के साथ ही कांग्रेस की बहुत खतरनाक मंशा है। यह शर्मनाक और निंदनीय बयान भारत जैसे सनातन देश में 140 करोड़ भारतवासियों को अपमानित करने वाला है। राम मंदिर से जुड़े सैम पित्रोदा के बयान पर सीएम ने खरी-खरी सुनाई। उन्होंने कहा कि सैम पित्रोदा अपनी बुद्धि अपने पास ही रखें। उनके जैसे बुद्धिमान लोग कांग्रेस को मुबारक हों। राष्ट्रवादी राम और राष्ट्र को एक-दूसरे के पूरक मानते हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम भारत राष्ट्र के सांस्कृतिक एकता के आधार हैं। भारत का मूल चरित्र राम की चेतना से नई संजीवनी प्राप्त करता है। भारत के हर परिवार में श्रीराम मर्यादा के आदर्श माने गए हैं।

राम भारत की सांस्कृतिक और राजनीति एकता के प्रतीक हैं। इसमें गरीब कल्याण, सबका साथ-सबका विकास, सर्वे सन्तु निरामया का भाव निहित है। इसकी मूल चेतना प्रभु श्रीराम से प्राप्त होती है, इसलिए राम मंदिर का निर्माण भारत के लिए गौरव का विषय है। जिनका भारत और भारतीयता पर विश्वास नहीं है और जिन्हें अच्छे कार्य में शर्मिंदगी महसूस होती है। ईश्वर करे कि उन्हें यह शर्मिंदगी हमेशा मिलती रहे। सीएम योगी ने कहा कि भारत के 140 करोड़ लोगों के साथ ही दुनिया में जहां भी सनातन धर्मावलंबी निवास करते हैं। दुनिया में जहां कहीं भी मानवता के कल्याण के पक्षधर हैं, वह हर व्यक्ति राम मंदिर के निर्माण से आनंदित व प्रफुल्लित है।

क्षत्रिय महासभा ने महाराणा प्रताप की 484वीं जयंती धूमधाम से मनाई गयी

संवाददाता

कानपुर नगर, 09 मई (नवसत्ता) क्षत्रिय महासभा द्वारा जरीब चौकी चौराहा स्थित महाराणा प्रताप जी की 484 वीं जयंती प्रतिमा पर माल्यार्पण करके बड़ी धूमधाम के साथ मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान अमित परिहार ने बताया कि क्षत्रिय समाज आज महाराणा प्रताप की प्रतिमा के समक्ष शपथ लेता है कि देश और समाज के हितों की रक्षा के लिए सदैव समर्पित रहेगा और आवश्यकता पड़ने पर अपने प्राणों की बाजी लगाने से भी नही चुकेगा । महाराणा प्रताप ने मुग़लों की सेना से जिस प्रकार लड़ते हुए देश का मान रक्खा था उसी प्रकार क्षत्रिय समाज उनकी प्रेरणा से अभिभूत होते हुए सदैव देश हित को सर्वोपरि रक्खेगा ।

प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए कानपुर बार एसोसिएशन के महामंत्री भानु प्रताप सिंह ने भी समाज और देश हितों के लिए सदैव आगे रहने की बात कही । इस अवसर पर भाजपा नेता दीपू ठाकुर, पिंटू ठाकुर, अमित परिहार, आदि ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए ।

पर्यावरण का प्रबंधन एवं संरक्षण पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

संवाददाता

कानपुर नगर, 09 मई (नवसत्ता) दया नन्द गर्ल्स पीजी कॉलेज कानपुर के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी विषयक इंवायरमेंट मैनेजमेंट इन इंडिया सबकॉन्टिनेंट मैनेजमेंट वैदिक पीरियड, प्रिसेंट सेनिरिओ में फिरोज गाँधी कॉलेज रायबरेली से आए मुख्य वक्ता डॉक्टर आदर्श कुमार जी, (रिटायर्ड प्राचार्य) ने अपने व्याख्यान मे बताया की वेदो मे निहित ज्ञान के द्वारा हम अपने पर्यावरण का प्रबंधन एवं संरक्षण कैसे कर सकते है। उन्होंने 12 राशियों से संबंधित पौधों का भी उल्लेख किया। प्रो विवेक कुमार (एचबीटीयू) कानपुर ने अपने व्याख्यान मे वैदिक तथा आधुनिक काल के खाद्य पदार्थों की तुलना की। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो अर्चना वर्मा ने छात्राओ का उत्साह वर्धन किया। संगोष्ठी के द्वितीय दिवस मे प्रो जितेन्द्र मोहन डी ए वी कॉलेज कानपुर तथा डॉ नवीन गुप्ता ने जलवायु परिवर्तन पर अपने विचार व्यक्त किये। संयोजिका प्रो अर्चना श्रीवास्तव ने संगोष्ठी के विषय पर प्रकाश डाला। प्रो वंदना निगम, इंचार्ज आईकियुएसी, प्रो सुगंधा, प्रो अलका उपस्थित रही। मूल विषय प्रवर्तन डॉक्टर पारुल , द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर निधि ने किया। विभाग की प्रवक्ता डॉ ज्योती एवं डॉ वित्तम भी उपस्थित रही। धन्यवाद ज्ञापन प्रो विजय द्वारा दिया गया। इस अवसर पर परास्नातक और स्नातक छात्राओं द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किये गए तथा पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें वर्तीका सिंह, जानवी वाजपेयी, दिव्यांशि सिंह, तफसीर फातिमा एवं अरीशा हसन छात्राएं विजयी रही।

फन रिपब्लिक मॉल इस मदर्स डे पे दे रहा रहा खाने के साथ कुछ पाने का मौका

750 या उससे अधिक का फूड ऑर्डर करने पर मिलेगा तय गिफ्ट हैंपर

संवाददाता

लखनऊ, 09 मई (नवसत्ता) लखनऊ का वन स्टॉप शॉपिंग डेस्टिनेशन फन रिपब्लिक मॉल वैसे तो अपने ग्राहकों के लिए हमेशा कुछ न कुछ खास करता आया है लेकिन इस मदर्स डे उसने अपने ग्राहकों को कुछ नया कुछ अनोखा देने की ठानी है। फन रिपब्लिक मॉल में 4 मई से 12 मई तक ग्राहकों को खाने के साथ साथ कुछ पाने का भी मौका मिलेगा। यानी फन रिपब्लिक मॉल के फूड कोर्ट के किसी भी आउटलेट से 750 या उससे ज्यादा का फूड ऑर्डर करने पर तय गिफ्ट मिल रहा है। खाना खाने के साथ साथ गिफ्ट हैंपर मिलना ये वाकई में अनोखा और अपनी तरह का पहला ऑफर है। फन रिपब्लिक मॉल की मार्केटिंग मैनेजर प्रीति पांडे ने कहा कि माँ सिर्फ एक शब्द नही बल्कि जीवन का आधार है, माँ त्याग का दूसरा नाम है। हमनें इसी सोच के साथ शहर के हर शख्स के लिए ये खास ऑफर पेश किया है। जिसमे हमारे फूड कोर्ट से 750 या उससे अधिक के ऑर्डर पर अश्योर्ड गिफ्ट यानी तय तोहफा दे रहा है। फन रिपब्लिक मॉल चाहेगा की ज्यादा से ज्यादा लोग हमारे मॉल आएं और इस ऑफर का लाभ उठाएं।

आपसी विवाद के बाद बाद 28 वर्षीया महिला ने फंदे से लटक कर दे दी जान

संवाददाता

उन्नाव, 09 मई (नवसत्ता) गुरुवार सुबह पुरवा कोतवाली के गांव अजयपुर में आपसी विवाद के बाद 28 वर्षीया महिला ने पेड़ में रस्सी के फंदे से लटक कर जान दे दी। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुरवा कोतवाली क्षेत्र के गांव अजयपुर निवासी सर्वेश फल बेचता है।बीते 9 वर्ष पूर्व उसकी शादी असोहा के गांव वाजिदपुर की सीता के साथ हुई थी।गुरुवार की सुबह समय लगभग आठ बजे सीता, पति सर्वेश से बच्चों को स्कूल छोड़ने को लेकर बहस बाद पति बच्चों को स्कूल छोड़ने चला गया था।जहां थोड़ी देर बाद वापस घर लौटते ही सीता शौच जाने की बात कहकर घर से बाहर चली गई।काफी देर तक उसके वापस घर न लौटने पर पति जंगल की तरफ गया।जहां सीता का शव पेड़ में रस्सी के सहारे लटका देख उसके पैरों तले है मानों जमीन ही खिसक गयी।ग्रामीणों की मदद से सीता को फंदे से नीचे उतारा गया।लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।सीता की मौत की खबर बाद मायके से पिता मोतीलाल व भाई अतुल ने मौके पर पहुंचकर पुलिस को सूचना दी।कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। सीता की मौत से पति सर्वेश, बेटा अनुराग, अविराज व बेटी आवंतिका का रो रोकर बुरा हाल है। कोतवाल कुंवर बहादुर सिंह ने बताया कि पिता ने पोस्टमार्टम कराए जाने की तहरीर दी है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी

पीएनबी का मुनाफा बीते साल की तुलना में 228.8 फीसदी बढ़कर 8245 करोड़ रुपये पहुंचा

संवाददाता

लखनऊ, 09 मई (नवसत्ता) सार्वजनिक क्षेत्र में देश के अग्रणी बैंक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने वित्त वर्ष 2024 में शानदार प्रदर्शन किया है। बैंक को 31 मार्च को समाप्त हुयी चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ वर्ष दर वर्ष आधार पर 159.8 फीसदी बढ़ा है। वित्त वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में पीएनबी का शुद्ध लाभ 1159 करोड़ रुपये था जो वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में बढ़कर 3010 करोड़ रुपये हो गया है।

वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 223 करोड़ रुपये था। बैंक के निदेशक मंडल ने 1.50 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के डिविडेंड की अनुशंसा की है जो जरुरी स्वीकृतियों के बाद जारी किया जाएगा। वित्त वर्ष 2024 में पीएनबी ने 8245 करोड़ रुपये की सालाना शुद्ध आया अर्जित की है जो पिछले वर्ष के 2507 करोड़ रुपये की तुलना में 228.8 फीसदी अधिक है।

गुरुवार को नई दिल्ली में बैंक के वित्तीय परिणाम का एलान करते हुए बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ श्री अतुल कुमार गोयल ने बताया कि वित्त वर्ष 2024 में बचत खाते में जमाराशियां वर्ष दर वर्ष आधार पर 3.5 फीसदी बढ़कर 480298 करोड़ रुपये हो गयी जबकि तिमाही आधार पर चालू खाता जमा मार्च 2024 में 3565 करोड़ रुपये बढ़कर कुल 72201 करोड़ रुपये हो गया है। मार्च 2024 में बैंक का कुल रिटेल क्रेडिट 12.6 फीसदी बढ़कर 222574 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2024 में पीएनबी का आवास ऋण 14.5 फीसदी बढ़कर 93694 करोड़ रुपये, वाहन ऋण 25.6 फीसदी बढ़कर 20692 करोड़ रुपये और वैयक्ति ऋण 14.4 फीसदी बढ़कर 20766 करोड़ रुपये हो गया है। बैंक का कृषि ऋण वर्ष दर वर्ष आधार पर 11.3 फीसदी बढ़कर 158188 करोड़ रुपये हो गया तो एमएसएमई अग्रिम वर्ष दर वर्ष आधार पर 7 फीसदी बढ़कर 139288 करोड़ रुपये हो गया है। बैंक का सकल एनपीए वित्त वर्ष 2024 में 20985 करोड़ रुपये घटकर 56343 करोड़ रुपये रह गया है। वित्त वर्ष 2023 में यह 77328 करोड़ रुपये था। शुद्ध एनपीए भी मार्च 2023 के 15786 करोड़ रुपये की तुलना में गिरकर मार्च 2024 में 6799 करोड़ रुपये हो गया है।

वंदेभारत एक्सप्रेस के एक डिब्बे में धुएं से हड़कंप

संवाददाता

इटावा, 09 मई (नवसत्ता) दिल्ली हावड़ा रेलमार्ग पर स्थित इटावा जिले के इकदिल रेलवे स्टेशन के निकट बनारस से नई दिल्ली जा रही सेमी हाईस्पीड वंदे भारत एक्सप्रेस के एक कोच से धुआं उठने ये हड़कंप मच गया। आनन फानन में रेलवे के अधिकारियों ने रेलवे पावर सप्लाई (ओईची) को बंद कराके वंदे भारत एक्सप्रेस को रोका गया। इटावा रेलवे स्टेशन अधीक्षक पूरनमल मीणा ने आज यहां बताया कि आज पूर्वाहन करीब 11 बजकर 3 मिनट पर सेमी हाई स्पीड वंदे भारत एक्सप्रेस इकदिल रेलवे स्टेशन से इटावा की ओर रवाना हुई तो रेलवे स्टेशन पर खड़ी एक मालगाड़ी के चालक ने एक कोच से धुआं निकलते हुए देखा । मालगाड़ी के चालक ने वंदे भारत एक्सप्रेस के कोच से धुआं निकलते हुए देखे जाने के बाद तुरंत रेलवे कंट्रोल रूम को इस बात की जानकारी दी जिसके बाद रेलवे पावर सप्लाई (ओईची)को बंद किया गया। रेलवे पावर सप्लाई को बंद किए जाने के बाद वंदे भारत एक्सप्रेस 11 बजकर 22 मिनट पर इटावा के पास सुंदरपुर रेलवे फाटक के पास रुक गई। वंदे भारत एक्सप्रेस के रुकने के बाद मौके पर रेलवे की टीएसआर टीम रेलवे अधिकारियों के साथ पहुंची । टीआरएस टीम के एसएससी विपिन कुमार ने अपनी टीम के साथ कोच की जांच गहनता से की। धुआं निकलने वाले कोच नंबर 14 की गहन जांच की गई लेकिन आग जैसी कोई घटना ना होने के बाद वंदे भारत एक्सप्रेस को इटावा रेलवे स्टेशन पर लेकर आया गया और फिर से नए सिरे से गहन जांच रेलवे के अधिकारियों के ओर से की गई लेकिन पहले की तरह ही आग लगने का कोई भी वाक्या सामने न आने के बाद क्लीयरेंस देकर के वंदे भारत एक्सप्रेस को नई दिल्ली के लिए रवाना कर दिया गया। प्रयागराज रेलवे मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस के कोच नंबर 14 से आग के बाद धुआं लगने की जानकारी सामने आई थी इसके बाद गहनता से जांच की गई । जांच में आग लगने का कोई भी घटनाक्रम सामने नहीं आया है। रेलवे अधिकारियों की ओर से गहन जांच के बाद क्लीयरेंस देकर के वंदे भारत एक्सप्रेस को नई दिल्ली के लिए रवाना कर दिया गया है।

महिलाओं के मतदान करने के अधिकारों को लेकर किया जागरूक, देश को सक्षम बनाने में महिलाओं की बड़ी भूमिका

संवाददाता

उन्नाव, 09 मई (नवसत्ता) भारत में उन्नत लोकतंत्र के लिए मजबूत सरकारों का होना, देश को ऊंचाइयों पर ले जाने जैसा है। किसी भी सरकार में, शामिल नेताओं के निर्वाचन में हम मतदाताओं को यह अधिकार है की हम निष्पक्ष होकर क्षेत्रीय और राष्ट्रीय विकास को प्रमुख मुद्दा बनाएं। शिक्षा और रोजगार के लिए कार्य करने वाले प्रत्याशी को मत देकर, जानता की समस्याओं के समाधान करने और राष्ट्रहित में तत्पर युवाओं को आगे लाने के लिए हमें मतदान करने आगे आना ही होगा, यह बातें स्वीप आइकॉन औरास प्रदीप ने मतदाताओं को संबोधित करते हुए कहीं। गांव गांव घूमकर महिलाओं, वृद्ध जनों और किसानों के दरवाजे लोगों की भीड़ इकट्ठा कर, हर वोटर को मतदान करने के लिए जागरूक किया। शामिल नए वोटरों से कहा की आपको मिले इस अवसर का प्रयोग करने और देश के सबसे बड़े त्योहार में अपनी जिम्मेदारी निभाने आगे आना होगा। प्रदीप ने मतदाताओं से यह भी बताया की वृद्ध और असहाय मतदाताओं के दरवाजे तक पहुंचकर निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों द्वारा उन्हें इस महापर्व में मतदान करने का अवसर चुनाव आयोग द्वारा दिया गया है इसलिए चूकने की भूल न करें।

चौपाल में शामिल महिला मतदाताओं ने हाथ उठाकर मतदान करने का वादा किया। स्वीप आइकॉन औरास प्रदीप वर्मा द्वारा गांव गांव में आयोजित बैठकों में कुछ नए वोटरों को मतदान करने के तरीकों से परिचित करवाते हुए आयोग द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण निर्देशों की भी जानकारी दी। शिक्षक ने वृद्ध, दिव्यांग और नेत्रहीन मतदाताओं के लिए बूथ पर मिलने वाली सहायताओं की भी जानकारी दी। जनपद उन्नाव से लेकर औरास में नुक्कड़ और चौराहों से लेकर गली गली तक मतदाता जागरूकता की अलख जगाने वाले प्रदीप वर्मा ने बड़ी संख्या में लोगों को जागरूक किया।

मतदाता जागरूक किए गए

सवाददाता

लखनऊ, 09 मई (नवसत्ता) अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा चलाए जा रहे मतदाता जागरूकता अभियान के तहत आज एकेटीयू इकाई द्वारा नव मतदाता संवाद कार्यक्रम कैश सभागार में सम्पन्न हुआ।छात्रों को सम्बोधित करते हुए अभाविप के क्षेत्रीय संगठन मंत्री घनश्याम शाही ने कहा कि लोकतांत्रिक राष्ट्र में मतदाताओं की बहुत ही महती भूमिका होती है,विद्यार्थी परिषद सदैव राष्ट्रहित में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है इसी क्रम में लोकसभा चुनाव 2024 में शत् प्रतिशत मतदान हेतु पूरे देश में कार्यकर्ता जन जागरण कार्यक्रम के तहत एकेटीयू में भी कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। विश्वविद्यालय के बहुत से छात्र भी पहली बार मतदान करने जा रहे हैं। वे उत्साह से भरे हुए हैं। साथ ही अन्य मतदाता भी मतदान के दिन मतदान करने अवश्य जाएं इसकी चिंता एक जागरूकता का काम भी कर रहे हैं।इसी के तहत अभाविप द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से यहां भी जागरूकता कार्यक्रम किया गया। एकेटीयू एमबीए विभाग के प्रोफेसर डॉ.रवि शर्मा ने कहा कि हमें वोट देते समय यह भी ध्यान रखना है कि भविष्य की नीतियां अच्छी हो रोजगार परक हो ऐसी सरकार का चयन करना भी हमारी जिम्मेदारी है।एकेटीयू के उप कुलसचिव डॉ.राजीव कुमार सिंह ने कहा कि शत प्रतिशत मतदान ही सरकार को सशक्त बनाने का कार्य करती है और वही सशक्त सरकार सशक्त व सामर्थ्यवान राष्ट्र का निर्माण करती है । कार्यक्रम का संचालन फार्माविजन प्रान्त सह संयोजक भव्या ओझा ने किया, इस अवसर पर इकाई अध्यक्ष हर्षिता विश्वकर्मा, इकाई मन्त्री अर्पित वर्मा, डॉ.गजेन्द्र गुप्ता, डॉ.विनय चतुर्वेदी, डॉ. रवीश प्रताप सिंह,अमन सिंह, देवेन्द्र प्रताप सिंह,अविरल सिंह, नितीश गुप्ता,तुषार कनौजिया, विशाल सिंह सहित कैस सेंटर फार एडवांस स्टडीज, बी फार्मा,एवं एमबीए के छात्र उपस्थित रहे।

महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे साक्षी महाराज

लखनऊ, 09 मई (नवसत्ता) उन्नाव। भाजपा लोकसभा प्रत्याशी सचिदानंद हरि साक्षी महाराज महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर सदर विधानसभा के धौकल खेड़ा स्थित शिव बालक सिंह इंटर कालेज में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। जहाँ उन्होंने मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित किया अपने उद्बोधन में उन्होंने बताया कि महाराण प्रताप ने मातृभूमि के सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए जीवन पर्यन्त संघर्ष किया उस समय भी कई देश द्रोहियों ने भीतरघात किया था लेकिन महाराणा प्रताप कभी राष्ट्र की सेवा और रक्षा के मार्ग से डिगे नहीं हम ऐसे माँ भारती के वीर सपूतों को कोटि कोटि नमन करते हैं। कार्यक्रम में लोकसभा चुनाव प्रभारी सौरभ मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष करणी सेना समरेंद्र प्रताप सिंह, शिव कुमार सिंह समेत क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

खुली ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक 03.06.2024 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल आफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैनुअल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदाकर्ता निविदा फार्म का मूल्य व धरोहर राशि का भुगतान केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध आनलाईन भुगतान प्रणाली में नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि द्वारा किया जायेगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपॉजिट रसीद एवं एफ डी आर द्वारा भुगतान स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

1	निविदा सूचना संख्या	03802024 दिनांक 08.05.2024
2	कार्य का कार्य	सहायक मंडल इंजीनियर प्रतापगढ़ के तहत बनारस–जंघई–रायबरेली–अमेठी (प्रस्तावित 130 किमी घंटे प्रति अनुभाग) और जंघई–फाफामऊ अनुभाग पर आरसीसी बॉक्स के साथ स्टोन स्लैब पुलों (44 संख्या) का प्रतिस्थापन का कार्य
3	अनुमानित लागत	Rs. 9,60,01,951.21
4	धरोहर राशि	Rs. 6,30,000.00
5	कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र की तिथि से 12 माह
6	निविदा डालने का प्रारंभ	20.05.2024
7	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	03.06.2024 15:00 बजे
8	वेबसाइट	www.ireps.gov.in

नोट : निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है।

1400/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सम्पादकीय

चौथा चरण: सपा के लिये नाक की बात

उत्तर प्रदेश में चौथा चरण समाजवादी पार्टी के लिये विशेष महत्व रखता है। चौथे चरण में 13 मई को होने वाले मतदान में 13 सीटों पर ही चुनाव भी होना है। चौथे चरण में सपा के दबदबे वाली इटावा और कन्नौज की लोकसभा की दो ऐसी सीटें है, जो कभी समाजवादी पार्टी का गढ़ हुआ करती थीं, लेकिन अब यहां खासकर इटावा में हालात काफी बदल गये हैं। फिर भी सपा की यहां जीत की संभावनाएं कम नहीं हैं।

कन्नौज लोकसभा सीट इन दिनों सपा प्रमुख अखिलेश यादव के यहां से चुनाव मैदान में कूदने के कारण सुर्खियों में है। सपा ने यहां पहले तेज प्रताप यादव को उम्मीदवार बनाया था। हालांकि, नामांकन से ठीक पहले तेज प्रताप का नाम कट गया। इस सीट पर अखिलेश के समाने भाजपा ने अपने मौजूदा सांसद सुब्रत पाठक को टिकट दिया है। बसपा के इमरान बिन जाफर भी यहां मैदान में हैं। कन्नौज हमेशा से लोकसभा सीट नहीं थी। यह 1967 में अस्तित्व में आई थी। साल 1967 में हुए आम चुनाव में कन्नौज सीट पर डा0 राम मनोहर लोहिया को जीत मिली थी। संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के उम्मीदवार के रूप में उतरे लोहिया ने कांग्रेस के एसएन मिश्रा को मात्र 472 वोटों से हराया था। इसके बाद कन्नौज लोकसभा सीट 1999 के चुनाव से खास हो गई। क्योंकि कन्नौज सीट पर सपा उम्मीदवार और कोई नहीं बल्कि तब के सपा प्रमुख मुलायम सिंह यादव मैदान में स्वयं उतर गये थे। इस चुनाव में उनकी टक्कर किसी बड़े राजनीतिक दल के उम्मीदवार की बजाय एक गैर-मान्यता प्राप्त दल अखिल भारतीय लोकतांत्रिक कांग्रेस के प्रत्याशी से हुई। मुलायम सिंह ने लोकतांत्रिक कांग्रेस की तरफ से उतरे अरविंद प्रताप सिंह को 79,139 वोटों से हराया। 1999 के लोकसभा चुनाव में मुलायम सिंह यादव ने कन्नौज के साथ ही संभल लोकसभा सीट से भी जीत दर्ज की थी। नतीजों के बाद मुलायम सिंह यादव संभल सीट से सांसद बने रहे और कन्नौज सीट से इस्तीफा दे दिया। साल 2000 में हुए उप-चुनाव में कन्नौज सीट मुलायम सिंह के बेटे और मौजूदा सपा प्रमुख अखिलेश यादव को उतारा गया। इसके साथ ही अखिलेश ने चुनावी राजनीति में एंट्री ली। अखिलेश का राजनीति में यह प्रवेश जीत के साथ हुआ। उन्होंने इस उपचुनाव में जीत दर्ज की और लोकसभा पहुंचे। साल 2004, इस बार कन्नौज सीट से एक बार फिर अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरते। इस चुनाव में अखिलेश के सामने बसपा से ठाकुर राजेश सिंह थे। अखिलेश ने बसपा प्रत्याशी को 3,07,373 वोटों के विशाल अंतर से हरा दिया। पांच वर्षो के बाद 2009 के लोकसभा चुनाव में भी सपा की ओर से उतरे अखिलेश यादव ने कन्नौज सीट पर जीत हासिल की लेकिन उनकी जीत का अंतर घट गया। उन्होंने बसपा उम्मीदवार डॉ. महेश चंद्र वर्मा को 1,15,864 वोट से हराया। भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले सुब्रत पाठक 2009 में तीसरे स्थान पर रहे।

2012 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनी और मुलायम सिंह यादव के उत्तराधिकारी के तौर पर अखिलेश यादव मुख्यमंत्री की कुर्सी पर विराजमान हुए। बाद में उन्होंने लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा देकर विधान परिषद का चुनाव लड़ा और चुनाव जीत गये। फिर कन्नौज सीट पर उप-चुनाव की जरूरत पड़ गई। इसके बाद कन्नौज सीट पर उप-चुनाव हुआ जिसमें तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव को कन्नौज लोकसभा सीट से निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। उनके खिलाफ चुनाव मैदान में उतरे दो उम्मीदवारों ने उप-चुनाव के लिए अपना नामांकन वापस ले लिया था। कांग्रेस और बसपा ने अपने उम्मीदवारों को मैदान में नहीं उतारा था जबकि भाजपा उम्मीदवार अंतिम समय में अपना नामांकन पत्र दाखिल नहीं कर पाए थे। इस तरह से शीला दीक्षित के बाद डिंपल यादव कन्नौज सीट का प्रतिनिधित्व करने वाली दूसरी महिला बन गईं।

2014 के लोकसभा चुनाव में देश के ज्यादातर हिस्सों में भाजपा को जीत मिली। हालांकि, कन्नौज में पार्टी सपा के सामने हारी। इस चुनाव में डिंपल यादव ने भाजपा उम्मीदवार सुब्रत पाठक को रोचक मुकाबले में 19,907 वोटों से हरा दिया। डिंपल को 4,89,164 वोट मिले। वहीं, भाजपा के प्रत्याशी को 4,69,257 वोट मिले, लेकिन पांच साल के बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में जब भाजपा ने देशभर की 303 सीटों पर जीत हासिल की। इनमें कन्नौज की अहम जीत भी शामिल रही। आखिरकार सुब्रत पाठक कन्नौज का किला भेदने में कामयाब हो गए। पाठक ने इस चुनाव में डिंपल यादव को 12,353 वोटों से हराया। इस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को 5,63,087 वोट मिले। वहीं, सपा के उम्मीदवार को 5,50,734 वोट मिले। अब बात 2024 के चुनाव की कर लेते हैं। इस बार भाजपा के प्रत्याशी के तौर पर मौजूदा सांसद सुब्रत पाठक ही चुनाव मैदान में हैं। वहीं, सपा की तरफ से पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव खुद चुनाव मैदान में उतरे हैं। जबकि डिंपल यादव मैनपुरी से चुनाव लड़ रही हैं,जहां मतदान हो चुका है।

मुद्दा

विकास के दौर में नासूर बनती बाल विवाह जैसी कुप्रथा

रमेश सर्राफ धमोरा

हमारे देश में प्राचीन समय से कुछ ऐसी प्रथाएं चली आ रही हैं। जिसका लोगों के दैनिक जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ता है। जिनमें बाल विवाह भी एक है। किसी भी बच्चे की शादी उसके निश्चित आयु से पहले यानी बाल्यकाल में होना बाल विवाह कहलाता है। यह एक रूढ़िवादी प्रथा है। यह प्रथा बच्चों के सारे मनवा अधिकारों को खत्म कर देता है। जैसे- खेलकूद मनोरंजन, शिक्षा आदि के अधिकारों को समाप्त कर उन्हें ऐसे बंधन में बांध दिया जाता है जिसके बारे में उन्हें बिल्कुल भी ज्ञान नहीं होता है।

प्राचीन सभी प्रथाओं में बाल विवाह सबसे बड़ी कुप्रथा है। क्योंकि कम उम्र में बच्चों की शादी कर देने से उनके स्वास्थ्य, शारीरिक और मानसिक विकास के साथ-साथ उनके खुशहाल जीवन पर असर पड़ता है। साथ ही वह अपने शिक्षा और खेलकूद के अधिकारों आदि से वंचित रह जाते हैं। इस कुप्रथा का शिकार ज्यादातर कम उम्र की लड़कियां होती है। बाल्यकाल में विवाह होने से बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक विकास नहीं हो पाता है। विकास के दौर में बाल विवाह एक नासूर के समान है। देश में हर व्यक्ति को शिक्षित करने की मुहिम चल रही है। हर व्यक्ति को उत्तम स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में बाल विवाह होना समाज के माथे पर एक कलंक के समान है। देश में अक्षय तृतीया (आखा तीज) पर हर वर्ष हजारों की संख्या में बाल विवाह किए जाते हैं। तमाम प्रयासों के बाबजूद हमारे देश में बाल विवाह जैसी कुप्रथा का अन्त नहीं हो पा रहा है। भारत में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे अभियान के शुरू होने के बावजूद एक नाबालिग बेटी की जबर्दस्ती शादी करा दी जा रही है। बाल विवाह मनुष्य जाति के लिए एक अभिशाप है। यह जीवन का एक कड़वा सच है कि आज भी छोटे-छोटे बच्चे इस प्रथा की भेंट चढ़े जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर जगह बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देते हैं। देश के सभी प्रदेशों में बेटियां शिक्षित हो रही हैं। ऐसे में समाज को आगे आकर कम उम्र में लड़कियों के होने वाले बाल विवाह रुकवाने के प्रयास करने होंगे। आजकल कई लड़कियां खुद भी आगे आकर अपना बाल विवाह रुकवाने का प्रयास करने लगी है।

भारत में यह प्रथा लम्बे समय से चली आ रही है जिसके तहत छोटे बच्चों का विवाह कर दिया जाता है। आश्चर्य की बात तो यह है कि आज के पढ़े लिखे समाज में भी यह प्रथा अपना स्थान बनाए हुए है। जो बच्चे अभी खुद को भी अच्छे से नहीं समझते। जिन्हें जिन्दगी की कड़वी सच्चाईयों का कोई ज्ञान नहीं। जिनकी उम्र अभी पढ़ने लिखने की होती है। उन्हें बाल विवाह के बंधन में बांधकर क्यों उनका जीवन बर्बाद कर दिया जाता है।

देश में बाल विवाह के 50 प्रतिशत से अधिक मामले केवल 5 राज्यों से संबंधित हैं जिनमें उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है। शेष चार राज्यों में बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश शामिल हैं। वर्तमान में भारत में बाल विवाह के लगभग 22 प्रतिशत मामले हैं जो कि लगातार कम हो रहे हैं। इसके प्रमुख कारणों में महिलाओं में साक्षरता और जागरूकता का बढ़ना, शिक्षा के प्रसार के कारण लड़कियों के प्रति अभिभावकों की सोच में परिवर्तन आना, शहरीकरण में वृद्धि तथा कठोर कानूनों की उपस्थिति को माना जा सकता है। भारत में बाल विवाह में गिरावट आई है। लेकिन देश में पांच लड़कियों में से एक और छह लड़कों में से एक की अभी भी बचपन में शादी कर दी जाती है। हाल के वर्षो में यह प्रथा कुछ राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में अधिक प्रचलित हो गई है। अध्ययन में पाया गया कि 1993 से 2021 के बीच राष्ट्रीय स्तर पर बाल विवाह में गिरावट आई है। बालिका बाल विवाह का प्रचलन 1993 में 49 प्रतिशत से घटकर 2021 में 22 प्रतिशत हो गया। जबकि बालक बाल विवाह 2006 में 7 प्रतिशत से घटकर 2021 में 2 प्रतिशत हो गया। बाल विवाह के प्रचलन में सबसे बड़ी कमी 2006 और 2016 के बीच हुई। सबसे कम कमी 2016 से 2021 के बीच हुई। इन बाद के वर्षो के दौरान छह राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में बालिका विवाह में वृद्धि देखी गई।

आंकड़ों से साफ है कि आजादी के 77 साल बाद भी इस देश में महिलाओं की स्थिति में कोई खास सुधार नहीं आया है। हम अपनी बेटियों को बाल विवाह और कम उम्र की गर्भावस्था से नहीं बचा पाए हैं। यही कारण है कि इस देश में 50 फीसदी से ज्यादा महिलाएं और बच्चे एनीमिया (रक्ताल्पता) के शिकार हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत के कई क्षेत्रों में अब भी बाल विवाह हो रहा है। इसमें कहा गया है कि पिछले कुछ दशकों के दौरान भारत में बाल विवाह की दर में कमी आई है। लेकिन कई प्रदेशों में यह प्रथा अब भी जारी है। रिपोर्ट के अनुसार बाल विवाह की यह कुप्रथा आदिवासी समुदायों सहित कुछ विशेष जातियों के बीच प्रचलित है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बालिका शिक्षा की दर में सुधार, किशोरियों के कल्याण के लिये सरकार द्वारा किये गए निवेश व कल्याणकारी कार्यक्रम और इस कुप्रथा के खिलाफ सार्वजनिक रूप से प्रभावी संदेश देने जैसे कदमों के चलते बाल विवाह की दर में कमी देखने को मिली है। अन्य सभी राज्यों में बाल विवाह की दर में गिरावट लाए जाने की प्रवृत्ति दिखाई दे रही है। किंतु कुछ जिलों में बाल विवाह का प्रचलन अब भी उच्च स्तर पर बना हुआ है।

यह रिपोर्ट हमारे सामाजिक जीवन के उस स्याह पहलू कि ओर इशारा करती हैं। जिसे अक्सर हम रीति रिवाज व परम्परा के नाम पर अनदेखा करते हैं। देश में बाल विवाह के खिलाफ कानून बने हैं और समय समय पर उसमें संशोधन कर उसे और प्रभावशाली बनाया गया है। फिर भी लगातार बाल विवाह हो रहे हैं। भारत में बाल विवाह पर रोक संबंधी कानून सर्वप्रथम सन् 1929 में पारित किया गया था। बाद में सन् 1949, 1978 और 2006 में इसमें संशोधन किये गए। बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के तहत बाल विवाह कराने पर 2 साल की जेल व एक लाख रुपए का दंड निर्धारित किया है। अगर सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद देश में बाल विवाह जैसी कुप्रथा का अन्त नही हो पा रहा है तो इस असफलता के पीछे सबसे बड़ा कारण है इसके प्रति सामाजिक जागरुकता की कमी।

राजनीति

तीसरे चरण की वोटिंग ने बदल दी तस्वीर?

अभिनय आकाश

तीसरे चरण के चुनाव के बाद सभी उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई है और जिसका फैसला 4 जून को होगा। तीसरे फेज की वोटिंग ने रफ्तार पकड़ी। पहले दो फेज में मतदान की धीमी रफ्तार ने तीसरा चरण आते आते उसके प्रतिशत का आंकड़ा बीते चुनाव के बरक्स में खड़ा नजर आया।

पिछले बार के चुनाव में 67 प्रतिशत वोट पड़े थे और इस बार कमोबेश उसी के ईर्द-गिर्द वोटिंग का आंकड़ा आकर टिक गया है। 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 93 निर्वाचन क्षेत्रों में लगभग 65 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इसमें अभी 1 से 2 प्रतिशत का इजाफा फाइनल आंकड़े आने के बाद होने की प्रबल संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से भी वोटिंग को लेकर जनता को जागरूक करने का काम करते रहे हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल ये है कि पहले और दूसरे चरण के चुनाव के परिपेक्ष्य में तीसरे फेज में इतनी तेजी वोटिंग कैसे हुई?

तमाम लेफ्ट लिबरल और यूट्यूब के कुछ पत्रकारों ने ये थ्योरी देनी शुरू कर दी कि कम वोटिंग का नुकसान बीजेपी को होगा। तो थोड़ा सा धन्यवाद उन्हें भी बीजेपी को कर देना होगा कि जिनकी वजह से बीजेपी के वोटर बाहर निकले। तीसरा चरण बीजेपी के लिए काफी अहम था क्योंकि इसमें अधिकतर सीटें उसी के पास थी। वोटिंग कम हुई है तो किसके वोटर कम निकले इसका साइंटिफिक डाटा का पता लगा लेना फिलहाल मुमकिन नहीं है। पहले तीन चरणों को मिला दें तो 283 सीटों पर वोटिंग हो चुकी है। इन 283 में से कांग्रेस तो बहुत पीछे हैं और बीजेपी उससे काफी आगे है। बीते चुनाव में बीजेपी ने 164 सीटों पर जीत हासिल की थी।

वोटिंग प्रतिशत के कम होने की एक वजह ये भी बताई जा रही है कि कांग्रेस का वोटर निराश है। उन्हें लग रहा है कि आएगा तो मोदी ही। वहीं बीजेपी के वोटर सोच रहे हैं कि हमारे एक वोट से क्या फर्क पड़ेगा। मोदी सरकार 400 पार का नारा लगाएंगे लेकिन वोट देने नहीं जाएंगे। ऐसा ही कुछ दो फेज में देखने को मिला। अब धूप की वजह से कम वोटिंग की बात करने वालों की थ्योरी धराशायी हो गई। बाहर के तापमान को भी देखें तो टेंपरेचर बढ़ता ही नजर आ रहा है और इसके साथ ही वोटिंग प्रतिशत भी। राहुल गांधी तो पिछले वीकेंड पर भले ही वीक ऑफ पर हो लेकिन प्रधानमंत्री ने अयोध्या का दौरा किया। उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा की पूरी याद लोगों को दिलाई। पीएम मोदी राम लला की बात तो करते थे लेकिन अयोध्या का एक दौरा और फिर वो एक साथ गिनाते हैं कि हमने क्या-क्या किया। पीएम मोदी के 500 साल के संघर्ष कहने के साथ ही 3 मिनट तक तालियां बजती रही। वहीं बीजेपी के हार्ड कोर वोटर को लगा कि कहीं ऐसा तो नहीं है कि उनकी पार्टी को इसका खामियाजा उठाना पड़े। वो भारी तादाद में बाहर निकले। संगठन, ग्राउंड वर्कर का रोल यहीं अहम हो जाता है। जिसमें कांग्रेस पर बीस साबित होती है बीजेपी। साल 2014 के लोकसभा चुनाव में इन्हीं सीटों पर 65.1 प्रतिशत का मतदान हुआ था। उस वक्त बीजेपी 282 सीटें सारे चरणों के मतदान के बाद हासिल किए थे और कांग्रेस के हिस्से में 44 सीटें आई थी। 2019 में 67.4 प्रतिशत वोटिंग के साथ बीजेपी ने 303 सीटें जीती और कांग्रेस ने 52 पर जीत दर्ज की थी। यानी वोटिंग प्रतिशत में इजाफा ने बीजेपी के सीटों का मुनाफा करवाया। जबकि तीसरे चरण की वोटिंग के साथ देश की 52 प्रतिशत सीटों पर चुनाव संपन्न हो चुका है। ऐसे में इस बात की चर्चा तेज हो चली है कि क्या एनडीए का अबकी बार 400 पार का सपना साकार होगा की नहीं क्योंकि इस फिल्म का फर्स्ट हाफ समाप्त हो चुका है। बीजेपी को अपने पिछले प्रदर्शन को दोहराना होगा तो उसे पहले तीन चरणों की 282 सीटों में से 164 पर जीत मिलनी चाहिए। वहीं अगर उससे बेहतर की उम्मीद की जाए यानी कि 370 सीटें जीतना हो तो बीजेपी को बाकी के शेष चार चरणों की 260 सीटों में से 207 सीटें जीतनी होगी। पिछली बार इन 260 सीटों में से बीजेपी ने 139 सीटें जीती थीं। इस बार के चुनाव को आप एक फिल्म की तरह देखें तो इसका फर्स्ट हाफ तो समाप्त हो गया। इंटरवल के बाद इसका सेकेंड हाफ 13 मई को शुरू होगा। फर्स्ट हाफ में पूरी फिल्म प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ईर्द गिर्द ही घूमती नजर आई। कांग्रेस और विपक्षी दलों का गठबंधन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कड़ी टक्कर देने में कामयाब रहा ये कोई भी एकदम कॉन्फिडेंस के साथ नहीं कह सकता। हां ये बात और है कि सोशल मीडिया पर तो बीजेपी को कड़ी टक्क र मिली है। लेकिन पोलिंग बूथ पर टक्कर को लेकर शक है। बीजेपी के 150 से लेकर 180 सीटों पर सिमटने का दावा करने वालों से हमारा ये सवाल है कि इस चुनाव में कांग्रेस कितनी सीट जीत रही है? विपक्ष के इंडिया गठबंधन को कितनी सीट मिल रही है। हमारे देश में जितने भी चुनाव के विश्लेषक हैं और राजनीति पंडित हैं, किसी ने भी कांग्रेस या इंडिया गठबंधन के सीटों को लेकर कोई विश्लेषण किया ही नहीं है।

अपनी बात

रानाघाट इलाके में बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे लोग

नीरज कुमार दुबे

पश्चिम बंगाल का रानाघाट संसदीय क्षेत्र बांग्लादेश की सीमा से सटा हुआ है। इस क्षेत्र में टीएमसी और कांग्रेस के बीच मुकाबला होता रहा है मगर पिछले लोकसभा चुनावों के दौरान चली मोदी लहर के चलते जगन्नाथ सरकार ने यह सीट भाजपा की झोली में डाल दी थी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के दौरान भी जगन्नाथ सरकार यहां से विधानसभा चुनाव जीत गए थे मगर बाद में उन्होंने संसदीय सीट बरकरार रखते हुए विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इस बार भाजपा ने उन्हें फिर से अपना उम्मीदवार बनाया है।

बातचीत में सांसद जगन्नाथ सरकार ने कहा कि इस क्षेत्र में पिछले पांच साल में मैंने विकास के जितने काम कराए हैं उतने पहले कभी नहीं हुए थे। उन्होंने कहा कि मैं मोदी सरकार की तो कई योजनाएं अपने क्षेत्र में ले आया लेकिन जहां राज्य सरकार की मदद की जरूरत पड़ी वहां काम में देरी हुई या फिर वह लटक गया। उन्होंने उम्मीद जताई कि जनता उन्हें एक और मौका देगी ताकि वह सबकी सेवा कर सकें।

हम आपको बता दें कि रानाघाट फूलों की खेती के लिए विश्व विख्यात है। रानाघाट में बड़ी संख्या में बांग्लादेश से आए हिंदू शरणार्थी बसे हुए हैं। बताया जाता है कि इन शरणार्थियों में मतुआ समुदाय के लोगों की संख्या सर्वाधिक है। हम आपको बता दें कि रानाघाट में कई ऐतिहासिक स्थल हैं जिनका यदि जीर्णोद्धार हो जाए तो इस इलाके में पर्यटन की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। इस इलाके से कई बड़े नाम निकले हैं जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में नाम कमाया है, इनमें फिल्म अभिनेत्री राखी गुलजार और खिलाड़ी सोमा बिस्वास का नाम प्रमुख है। अपने शासन के दौरान कृष्णा पंती और उनके वंशज पाल-चौधरी ने यहां कई मंदिरों का निर्माण करवाया था।

नादिया जिले में पड़ने वाले इस इलाके में कई महलनुमा इमारतें, मंदिर और उद्यान देखने को मिलते हैं। यह सभी वास्तुकला के बेहतर उदाहरण हैं। 2009 में अस्तित्व में आई रानाघाट संसदीय सीट पर पहले टीएमसी का कब्जा था, लेकिन साल 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के जगन्नाथ सरकार को यहां से बड़ी जीत मिली थी। जगन्नाथ सरकार भी मतुआ समुदाय से आते हैं। रानाघाट में ग्रामीण मतदाताओं की संख्या कुल आबादी की लगभग 59प्रतिशत है, जबकि शहरी मतदाता 41 फीसदी बताए जाते हैं। इस क्षेत्र की कुल जनसंख्या में अनुसूचित जाति की आबादी 35.98 और अनुसूचित जनजाति की आबादी 3.57 फीसदी बताई जाती है।

इस संसदीय क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या 1833975 है। रानाघाट लोकसभा सीट के अंतर्गत सात विधानसभा सीटें आती हैं। इनके नाम हैं चकदाह, रानाघाट दक्षिण (एससी), रानाघाट उत्तर पूर्व (एससी), रानाघाट उत्तर पश्चिम, शांतिपुर कृष्णगंज (एससी) एवं कृष्णानगर दक्षिण। इन विधानसभा सीटों में से एक पर तृणमूल कांग्रेस और छह पर भाजपा का कब्जा है।

चिंतन

बसपा का उम्मीदवार बदलना, कांग्रेस-सपा का वोट काटना

अरुण श्रीवास्तव

यदि दलितों की महारानी मायावती ने अपने दलित साथियों को धोखा दिया है, तो स्वघोषित विश्व गुरू और हिंदुत्व का सार्वजनिक चेहरा नरेंद्र मोदी ने हिंदुओं का विश्वास खो दिया है। मायावती अपनी चतुराई से तैयार की गई राजनीतिक रणनीति के लिए जानी जाती हैं, लेकिन जिस तरह से मोदी के लेफ्टिनेंट अमित शाह ने उन्हें लोकसभा चुनाव के ठीक बीच में अपनी पार्टी के उम्मीदवारों को वापस लेने के लिए मजबूर किया, उसने उन्हें दया और दया की वस्तु के रूप में चित्रित किया है।

अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक के साथ, मोदी ने एक भ्रामक धारणा बनाने की कोशिश की थी कि देश के हिंदू, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश, जो एक दशक से भगवा गढ़ है, उनके साथ हैं और भाजपा को वोट देंगे। लेकिन पहले दो चरणों के दौरान मतदाताओं के रुझान ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कोई राम मंदिर लहर नहीं है। जब मतदाता उम्मीदवारों से परिचित हो रहे थे, तब भी शाह ने मायावती को अपने उम्मीदवार बदलने/वापस बुलाने के लिए मजबूर किया। सबसे आश्चर्यजनक यह है कि मायावती ने बिना किसी सुसुर्राटे के उन्हें उपकृत किया। उन्होंने अपने इस कदम से अपने दलित कार्यकर्ताओं और समर्थकों पर पड़ने वाले प्रभाव को नजरअंदाज करना चुना। उन्होंने यह रुख तब भी अपनाया जब उनके मूल वोट बैंक पर उनकी पकड़ में गिरावट देखी गई, जिसके परिणामस्वरूप अन्य जातियों और उप-जातियों को आकर्षित करने में विफलता, मुस्लिम मतदाताओं के प्रति गहरा अविश्वास विकसित होना और उनका दबंग दृष्टिकोण सामने आया। पिछले दो दशकों में, मायावती ने अपने मूल वोट का लगभग 21 प्रतिशत खो दिया है।

यूपी में 2007 के विधानसभा चुनावों में बसपा को कुल वोटों का 30.43प्रतिशत वोट मिले, जब उसने ब्राह्मणों, मुसलमानों, ओबीसी और दलितों के समर्थन से पूर्ण बहुमत हासिल किया। 2012 में, वोट शेयर घटकर 25.95प्रतिशत रह गया, जो 2017 में घटकर 22.23प्रतिशत रह गया। 2019 में एसपी और आरएलडी के साथ गठबंधन के बावजूद बीएसपी यूपी में 19.26प्रतिशत वोट हासिल कर सकी, जो 2014 के वोट-शेयर से 0.51प्रतिशत कम है।

फिर भी विचारणीय प्रश्न यह है कि अमित शाह ने किस कारण से मायावती को अपने उम्मीदवार बदलने के लिए मजबूर किया और मायावती शाह के आदेश के आगे क्यों झुक गई? सबसे दिलचस्प बात यह है कि राजनीति में एक साल पूरा होने से पहले ही मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को राजनीतिक क्षेत्र की सीमा रेखा से बाहर धकेल दिया। मायावती ने 10 दिसंबर, 2023 को आकाश आनंद को अपना उत्तराधिकारी, पार्टी प्रमुख नामित किया था। मायावती द्वारा बुलाई गई बैठक 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों पर गौर करने के लिए आयोजित की गई थी, जहां आकाश को चुनाव से पहले बसपा को मजबूत करने की जिम्मेदारी भी दी गई थी।

बसपा सूत्रों ने कहा कि आकाश में एक मजबूत दलित नेता के रूप में उभरने की बुनियादी क्षमता है। जहां उनमें आक्रामकता है, वहीं विश्लेषणात्मक दिमाग भी है। आकाश आनंद को एक ऐसे नेता के रूप में देखा जाने लगा था जो आगे बढ़कर दलित लोगों का नेतृत्व कर सकते थे और दलित राजनीति को एक नया आयाम दे सकते थे। रविवार को सीतापुर में एक रैली के दौरान कथित तौर पर असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल करने और लोगों के बीच दुश्मनी पैदा करने के लिए बयान देने के लिए उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया जिसने उनके राजनीतिक पथ में एक बड़ी बाधा के रूप में काम किया है।

जबकि हाल ही में दलित और ईबीसी भाजपा और मोदी के खिलाफ हो रहे हैं, सबसे गंभीर और शक्तिशाली खतरा उच्च जाति के राजपूतों से आया है, खासकर पूर्वी उत्तर प्रदेश में। मायावती ने अपने दम पर ऐसे निर्वाचन क्षेत्रों में मजबूत उम्मीदवार उतारे। लेकिन यह महसूस करते हुए कि मायावती के उम्मीदवार भाजपा उम्मीदवारों के हितों को खतरे में डाल रहे थे, शाह ने उन्हें उनके स्थान पर तुलनात्मक रूप से कमजोर उम्मीदवारों को मैदान में उतारने के लिए मजबूर किया। सूत्र मानते हैं कि अमित शाह के कमरे में ही मायावती के बीएसपी उम्मीदवारों के नाम तय हुए थे, अगले 48 घंटों के अंदर मायावती ने कम से कम सात उम्मीदवार बदल दिये। लोकसभा चुनाव के लिए मायावती ने उत्तर प्रदेश की 80 में से 72 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। जैसा कि अपेक्षित था, उन्होंने सबसे अधिक संख्या में मुस्लिम उम्मीदवारों को नामांकित किया था, जाहिर तौर पर उनका इरादा कांग्रेस की ओर बढ़ रहे मुस्लिम वोटों को काटने का था।

मायावती ने मशहूर बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला रेड्डी को मैदान में उतारा था। जौनपुर की एमपी-एमएलए अदालत ने 6 मार्च को नमामि गंगे परियोजना प्रबंधक अभिनव सिंघल के अपहरण और जबरन वसूली के 2020 के एक मामले में सिंह और उनके सहयोगी संतोष विक्रम को सात साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। चूंकि श्रीकला रेड्डी भाजपा उम्मीदवार के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रही थी इसलिए मायावती ने उनकी जगह मौजूदा सांसद श्याम सिंह यादव को मैदान में उतारा। रात करीब एक बजे उन्हें उनकी उम्मीदवारी की जानकारी दी गयी।

एक और डॉन राजा भैया को शाह ने बुलाया और अपने उम्मीदवार को किसी अन्य निर्वाचन क्षेत्र में स्थानांतरित करने के लिए कहा। वाकई आश्चर्य की बात है कि जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया, जो नेताओं के घर नहीं जाते, एक असामान्य घटनाक्रम में अमित शाह से मिलने बेंगलुरु पहुंच गए। शाह से मुलाकात के बाद राजा भैया ने कहा कि वह कौशांबी सीट से बीजेपी उम्मीदवार का समर्थन करेंगे।

शुरुआत में वह कौशांबी के सांसद विनोद सोनकर से असहज थे, जिन्हें भाजपा ने फिर से कौशांबी से मैदान में उतारा था, क्योंकि सोनकर ने कई मौकों पर उनका खुलकर विरोध किया था। हालांकि, बदले हालात के बीच हुई बैठक में राजा भैया ने शाह को भरोसा दिलाया कि वह सोनकर का समर्थन करेंगे। लोकसभा चुनाव में मायावती ने यूपी में करीब 30 फीसदी मुस्लिम उम्मीदवार उतारे हैं। यह 2019 के आम चुनावों में बसपा द्वारा मैदान में उतारे गए 38 में से छह उम्मीदवारों को नामांकित करने के बिल्कुल विपरीत है, जो कि केवल 15प्रतिशत है।

कुछ-अलग

अमेरिकी विश्वविद्यालयों में छात्रों के प्रदर्शन

जे. सुशील

अमेरिकी विश्वविद्यालयों में छात्रों के प्रदर्शन रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। करीब तीन हफ्ते पहले कुछ संस्थानों से शुरू हुए इन प्रदर्शनों के दौरान कई छात्रों और प्रोफेसरों को गिरफ्तार किया जा चुका है जबकि कई परिसरों में अभी भी छात्रों ने तंबू लगाकर प्रदर्शन जारी रखा है। इन प्रदर्शनों का संबंध पिछले साल अक्तूबर में हुई घटना से है, जिसमें फिलिस्तीनी गुटों ने इस्राइली इलाके में हमला किया था।

इसके बाद इस्राइली कार्रवाई में गाजा पट्टी में अब तक हजारों फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। इस्राइल की इस लगातार चल रही कार्रवाई की न तो अमेरिका ने आलोचना की है और न ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे रोकने के लिए कोई गंभीर प्रयास हुए हैं। अमेरिकी सरकार पूर्व के अपने रवैये की तर्ज पर इस्राइल का समर्थन कर रही है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने गाजा में मानवीय संकट होने की बात मानी है, लेकिन वे इस्राइल के खिलाफ न तो कोई कार्रवाई करने के पक्ष में हैं और न ही उसकी मनमानी रोकने के। यही हाल राष्ट्रपति चुनाव में उनको चुनौती दे रहे रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप का भी है।

इसकी एक वजह अमेरिकी राजनीति में इस्राइल समर्थक व्यवसायियों और अन्य समूहों से मिलने वाला अकूत धन है। डेमोक्रेटिक पार्टी को मिलने वाले चंदे का पचास प्रतिशत ऐसे लोगों से आता है, जबकि रिपब्लिकन पार्टी को मिलने वाले चंदे में उनका योगदान पच्चीस प्रतिशत है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि अमेरिका में उनका कितना महत्व है। लेकिन मामला यहीं पर खत्म नहीं होता है। फिलिस्तीन में हो रही व्यापक इस्राइली कार्रवाई पर अमेरिकी सरकार की चुप्पी से अमेरिकी विश्वविद्यालयों के छात्र बेहद नाराज हैं और वे इसी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी मांग है कि कम से कम विश्वविद्यालय उन व्यवसायों में किया गया अपना निवेश वापस लें, जो हथियारों के धंधे से जुड़ी हैं और जिन्हें गाजा में हो रही लड़ाई से लाभ पहुंच रहा है। इसे समझने के लिए हमें यह जानना होगा कि अमेरिका के ज्यादातर बड़े विश्वविद्यालय प्राइवेट संस्थान हैं, मसलन- कोलंबिया, प्रिंस्टन, हॉर्वर्ड, एमआइटी आदि, और इन सभी में पिछले कुछ हफ्तों से लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं।

इन विश्वविद्यालयों के पास एक बड़ी राशि होती है, जिसका वे निवेश करते हैं और इससे मिलने वाले लाभ से संस्थान चलाया जाता है। छात्र जो फीस देते हैं, वह भी यूनिवर्सिटी चलाने के काम आता है, यानी एक तरह से विश्वविद्यालय किसी कॉरपोरेट कंपनी की तरह ही चलते हैं। छात्रों का कहना है कि चूंकि वे एक बड़ी रकम फीस के तौर पर देते हैं, तो उन्हें इस पर सवाल उठाने का पूरा अधिकार है कि यूनिवर्सिटी अपनी रकम का निवेश कैसे करे।

इन प्रदर्शनों की शुरुआत छोटी मांगों से हुई थी और अप्रैल की शुरूआत में कुछ यूनिवर्सिटियों में छात्रों ने तंबू लगाकर विरोध करना शुरू किया था। पहले कुछ दिनों तक तक तंबू लगे रहे, लेकिन जैसे-जैसे इन प्रदर्शनों को प्रोफेसरों आम लोगों का समर्थन मिलना शुरू हुआ, वैसे-वैसे यूनिवर्सिटियों ने इसके खिलाफ कार्रवाई करनी शुरू कर दी। न्यूयॉर्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में पुलिस ने तंबुओं को उखाड़ दिया और कई छात्रों को गिरफ्तार कर लिया। प्रिंस्टन यूनिवर्सिटी में दो छात्रों को निलंबित कर दिया गया।

धारावी बचाओ आंदोलन में अनिल देसाई को समर्थन पर घमासान

सैय्यद जाहिद अली रियासत

मुंबई, 09 मई (नवसत्ता)। धारावी पुनर्विकास का ठेका अदानी समूह को दिए जाने के खिलाफ बने धारावी बचाओ आंदोलन में शिवसेना उद्धव गुट को समर्थन देने के मुद्दे पर लोगों में भारी नाराजगी नजर आ रही है , नाईक नगर स्थित मनोहर जोशी कालेज में आयोजित बैठक में आंदोलन के बड़े नेताओं ने बैठक का बहिष्कार कर दिया,

धारावी बचाओ आंदोलन की बैठक पूरी तरफ फ्लाप रही, शिवसेना भवन में दक्षिण मध्य मुंबई लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन महाविकास आघाड़ी के उम्मीदवार अनिल देसाई का चुनावी कार्यालय बनाया गया है बैठक में धारावी बचाओ आंदोलन के समन्वयक, पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को आमंत्रित किया गया था, लेकिन बैठक का प्रमुख समन्वयक संजय रमेश भालेराव ने बहिष्कार कर दिया, बैठक में अनिल देसाई के अलावा शिवसेना के कार्यकर्ता भी शामिल होने वाले थे संजय भालेराव ने धारावी बचाओ आंदोलन द्वारा अनिल देसाई को समर्थन दिए जाने के और उसका बहिष्कार किए जाने के मुद्दे पर मीडिया को बताया की धारावी बचाओ आंदोलन का गठन 2004 में धारावी के विकास और धारावी की जनता के हितों की रक्षा के लिए किया गया धारावी के विकास का ठेका अदानी को दिए जाने का जनता विरोध कर रही है, धारावी बचाओ आंदोलन के कुछ नेता शिवसेना के विठ्ठल पवार वसंत नकाशे और अन्य जो अदानी के भतीजे से बंद कमरे में मिलकर आए थे वो फिर बैठक में शामिल हो रहे हैं इसकी क्या गारंटी है की ये फिर अदानी से नहीं मिलेंगे।

दुष्कर्म के आरोप में एक ढोंगी बाबा गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई, 09 मई (नवसत्ता)। मीरा रोड ,नया नगर पुलिस ने पीड़ित महिला की शिकायत पर एक ऐसे ढोंगी बाबा को गिरफ्तार किया है। जो खुद को हस्त रेखा विशेषज्ञ और काले जादू का जानकार बात कर सोशल मीडिया पर प्रचार करता था और ग्राहकों को फांसता था। गिरफ्तार आरोपी का नाम संतोष पोतदार उर्फ विनोद पंडित (55) है। आरोप है की इसने जादू-टोने की आड़ में एक महिला से दुष्कर्म किया और उसकी अश्लील तस्वीरें खींच ली थी। पोतदार के खिलाफ 2019 में भी नया नगर पुलिस स्टेशन में दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया था। नया नगर पुलिस के अनुसार संतोष पोतदार उर्फ विनोद पंडित ने फेसबुक पर हस्तरेखा विशेषज्ञ विनोद पंडित के नाम से एक पेज शुरू किया था। साथ ही मोहिनी अपार्टमेंट, शांति नगर, मीरा रोड में अपनी एक दुकान खोली थी। वह काली विद्या, जादू-टोना जानने का दावा करता था। इस फेसबुक पेज पर उसने प्रचारित किया था कि अगर वैवाहिक जीवन में परेशानियां और किसी तरह की अन्य परेशानियां हैं तो इस उपाय से दोष दूर किया जाएगा। जोगेश्वरी में रहने वाली एक महिला को नौकरी नहीं मिल रही थी। उसने पोतदार की फेसबुक पर विज्ञापन पढ़कर उससे संपर्क किया था। पोतदार ने उसका विश्वास जीत लिया और जादू-टोना के नाम पर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाना शुरू कर दिया। बाद में पीड़ित महिला की अन्यत्र शादी हो गई। लेकिन एक वर्ष के भीतर ही पीड़ित महिला के वैवाहिक जीवन में समस्या आने लगी। तो वह पुनः पोतदार से मिली। लेकिन इस ढोंगी बाबा पोतदार ने जादू-टोने के नाम पर उसके साथ प्राकृतिक और अप्राकृतिक बलात्कार किया। इस दौरान बाबा ने उसकी अश्लील तस्वीरें खींच लीं। इन तस्वीरों के आधार पर वह उसे ब्लैकमेल कर तीन साल से उसके साथ दुष्कर्म कर रहा था।

शिवराज बोले- कांग्रेसी विदेशी विचारों से प्रभावित होकर करते हैं काम, इनकी सही जगह इटली है

एजेंसी

भोपाल, 09 मई (नवसत्ता)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान गुरुवार को खंडवा जिले के दौरे पर रहे। वे खंडवा और खरगोन जिलों के भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा करने यहां आए। इस दौरान हवाई पट्टी पर मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने कांग्रेस और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। शिवराज सिंह ने कहा कि कांग्रेसियों की सही जगह भारत नहीं, इटली है। कांग्रेस को भारतीय संस्कृति से कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने दावा किया कि इस चुनाव में भाजपा अपने दम पर 370 सीटें और एनडीए के साथ मिलकर 400 सीटें हासिल करेगी।

खंडवा पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि यह चुनाव भाजपा जीत रही है, मोदी के नेतृत्व में। लोगों का विश्वास है उनके प्रति, श्रद्धा और भक्ति है और इसीलिए पूरे देश में अकेली भाजपा 370 से ज्यादा सीटें और 400 से ज्यादा सीटें एनडीए प्राप्त करेगा। कांग्रेस और इंडी गठबंधन के 4 तारीख को चमत्कार होने वाले बयान पर पूर्व मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि यह तो वे लोग पहले भी कहते थे, विधानसभा चुनाव के समय में। लोगों ने देख लिया कि भाजपा को जीतना था, जीती और आगे भी जीतेगी।

पूर्व सीएम चौहान से प्रियंका गांधी के झोपड़ों में रहने वाले बयान पर ठहाका लगाते हुए कहा कि अच्छा यह लोग झोपड़ी में रहते हैं। देख कर आए हैं कोई, कहां रहते हैं ये। वहीं, राहुल गांधी के अडानी और अंबानी के घर रेड पढ़ने के सवाल पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि राहुल बौखलाए हुए हैं। कांग्रेस का भारतीय संस्कृति जीवन मूल्यों, परंपराओं से कोई लेना-देना नहीं है। यह भारत की जड़ों से कटे हुए हैं।

शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इनके नेता और इनके सलाहकार कहते हैं कि कोई चीन जैसा लगता है, कोई नेपाल जैसा लगता है, कोई कहीं जैसा लगता है। अरे हम सब भारत मां के लाल हैं, भेदभाव का सवाल कहां हैं। एक ही चेतना सब में है और हम सब एक हैं। अलग भाषा अलग वेश, फिर भी अपना एक देश है। इनका भारत की जड़ों से, विचार से, जनता से, माटी से कोई लेना देना है ही नहीं।

सरकार 13 जिलों में देगी 800 टैबलेट

एजेंसी

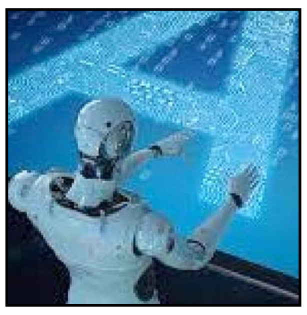

चंडीगढ़, 09 मई (नवसत्ता)। विज्ञान और कंप्यूटर के विद्यार्थी अब पाठ्यक्रम की सामान्य शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान भी लेंगे। इसके लिए इसी सत्र से स्टेम (एसटीईएम यानी साइंस, टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग एंड मैथेमेटिक्स) लैब स्थापित की जा रही हैं। इस खास तरह की लैब में विद्यार्थियों को टैबलेट पर कोडिंग एआई और रोबोटिक्स जैसे कई विषयों की पढ़ाई कराई जाएगी।

15 अप्रैल से शिक्षा निदेशालय की ओर से करनाल सहित प्रदेश के 13 जिलों में 50 स्टेम लैब इसी सत्र में स्थापित करने का कार्य जारी है। करनाल में लैब स्थापित हो चुकी हैं। प्रत्येक के लिए 16 के हिसाब से इन लैब के लिए सरकार 800 टैबलेट देगी। इसी माह के अंत तक इन टैबलेट के आने की उम्मीद है। ताकि शुरुआत से ही विद्यार्थी इन पर पढ़ाई करते हुए नए प्रयोग कर सकें। विभाग की योजना के अनुसार, इस खास लैब में कक्षा छठी से 12वीं तक के विद्यार्थी कोडिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक्स, 3डी प्रिंटिंग, संवर्धित वास्तविकता प्रौद्योगिकी और ड्रोन उड़ाने में निपुण होंगे। लैब की खासियत यह है कि इसमें फिजिक्स कैमिस्ट्री और बायोलॉजी संबंधित तीनों लैब एक साथ होंगी। साथ ही इनमें आधुनिक उपकरण भी स्थापित किए गए हैं, जिससे तकनीकी ज्ञान आसानी से ले सकते हैं। एगिलो रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड नामक फर्म के सहयोग से स्थापित लैब में स्कूलों के कंप्यूटर साइंस या विज्ञान या आईटी अध्यापक एसटीईएम लैब के नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

दिल्ली से 285 हज यात्रियों का पहला जत्था रवाना

एजेंसी

नई दिल्ली, 09 मई (नवसत्ता)। दिल्ली और श्रीनगर से हज यात्रियों का पहला जत्था गुरुवार को सऊदी अरब के मदीना के लिए रवाना हुआ। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट से इस साल की पहली फ्लाइट गुरुवार सुबह 2:20 बजे 285 हज यात्रियों को लेकर रवाना हुई। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 642 हज यात्री दो फ्लाइट्स से रवाना होंगे। इस साल कुल 1 लाख 75 हजार 25 भारतीय हज कोटा के तहत सऊदी अरब जाएंगे। दिल्ली राज्य हज समिति की अध्यक्ष कौसर जहां ने बताया कि दिल्ली से इस साल 16,500 यात्री हज यात्रा करेंगे।

विदेश मंत्रालय में सचिव (काउंसलर, पासपोर्ट, वीजा और ओवरसीज इंडियन अफेयर्स) मुक्तेश के परदेशी ने मंगलवार को जेद्दा और मदीना में हज की तैयारियों की समीक्षा की थी। परदेशी ने सऊदी अरब के वाउस हज मिनिस्टर अब्दुल फत्ताह मशात के साथ यात्रियों के लिए की गई पर चर्चा की। जम्मू-कश्मीर हज समिति के कार्यकारी अधिकारी डा. शुजहत कुरैशी ने बताया है कि कश्मीर से इस साल कुल 7008 यात्री हज यात्रा पर जाएंगे। श्रीनगर एयरपोर्ट से 6852 यात्री उड़ान भरेंगे। इनमें लद्दाख के लोग भी शामिल होंगे।

वहीं जम्मू कश्मीर के करीब 541 हज यात्री दिल्ली से उड़ान भरेंगें। कुरैशी ने यह भी बताया कि राज्य की 37 महिला यात्री बिना किसी पुरुष सहयोगी यानी मरहम के हज यात्रा करेंगी, जिनमें से अधिकांश श्रीनगर से रवाना होंगी। एक यात्री ने एएनआई से बात करते हुए यात्रा के लिए आवश्यक सहायता के लिए केन्द्र सरकार का आभार जताया। उन्होंने कहा मैं कश्मीर में स्थायी शांति और खुशी के लिए प्रार्थना करूंगा। राजस्थान के पाली जिले में भी हज यात्रा की तैयारियां जोरों पर हैं। इन दिनों यात्रा के लिए चयनित लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण और टीकाकरण किया जा रहा है।

राज्य की हज समिति के अध्यक्ष मोहम्मद अय्यूब खान ने बताया कि इस साल हज यात्रियों के लिए टीकाकरण की उचित व्यवस्था की गई है। हज के लिए रवाना होने से पहले यात्रियों को पोलियो, इन्फ्लूएंजा और मेनिनजाइटिस के टीके लगाए जा रहे हैं। झारखंड से इस साल कुल 1747 हज यात्री जाएंगे। इनमें 749 महिलाएं और 998 पुरुष शामिल हैं। राज्य में जमशेदपुर से 300 और रांची से सबसे ज्यादा 307 हज यात्री जाएंगे। हज यात्रा के लिए फ्लाइट 9 मई से शुरू होकर 25 मई तक चलेगी। जमशेदपुर के 152 यात्री मुम्बई से,146 कोलकाता से और दो हैदराबाद से जाएंगे।

इस्लाम धर्म के पांच मूल सिद्धांत बताए गए हैं। जिनमें शाहदा (विश्वास), सलाह (प्रार्थना) जकात (दान), रोजा (उपवास) और हज शामिल है। हर साल दुनिया भर के लाखों इस्लाम अनुयायी हज यात्रा के लिए सऊदी अरब में स्थित मक्का-मदीना जाते हैं। इस्लाम के मुताबिक, हज अल्लाह से जुड़ने, माफी मांगने और विश्वास मजबूत करने का जरिया है। इस बार हज यात्रा 14 से 19 जून तक चलेगी। हज यात्रा-2024 की शुरुआत 9 मई से हो गई है। गुरुवार को हाजियों का पहला जत्था हज यात्रा के लिए रवाना हो गया।

एनडीए प्रत्याशी रविशंकर प्रसाद ने अधिवक्ताओं के साथ किया संवाद

एजेंसी

पटना, 09 मई (नवसत्ता)। पटना साहिब के एनडीए प्रत्याशी रविशंकर प्रसाद ने बिहार भाजपा के अधिवक्ता प्रकोष्ठ के संयोजक विंध्याचल राय की अध्यक्षता में बीआईए हॉल में आयोजित संवाद कार्यक्रम में भाग लिया।

श्री प्रसाद ने बताया की अधिवक्ता मित्रों से मुलाकात कर और उनके साथ संवाद कर हमेशा अच्छा लगता है। आज अपने चुनाव क्षेत्र पटना साहिब लोकसभा अंतर्गत बीआईए हॉल में आयोजित अधिवक्ता संवाद कार्यक्रम में उपस्थित होकर अधिवक्ता मित्रों से संवाद किया।

इस दौरान श्री प्रसाद ने भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजना, राम मन्दिर का भव्य निर्माण भ्रष्टाचार के ऊपर सख्त कार्रवाई अधिवक्ताओं का संगठन के विस्तार में योगदान, भारत के सांस्कृतिक आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक विरासत को सुरक्षित, सबल और सामरिक रूप से सक्षम भारत बनाने में किए गए कार्यों पर चर्चा किया।

श्री प्रसाद ने विशेष रूप से सभी अधिवक्ता मित्रों से अधिक से अधिक मतदान कराने के सम्बन्ध में कार्ययोजना बनाकर यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में फिर एक बार मोदी सरकार बनाने का आह्वान किया।

प्रसाद ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा सहित अन्य अधिवक्ता मित्रों से मुलाकात और उनके साथ संवाद पर खुशी जाहिर की।

इस अवसर पर सभी अधिवक्ताओं ने एनडीए प्रत्याशी रविशंकर प्रसाद के पहल पर सिविल कोर्ट परिसर में अधिवक्ताओं के बैठने के लिए भवन निर्माण का शुभारंभ किए जाने के लिए उनका अभिनंदन किया। ज्ञात हो कि विगत 11 मार्च को पटना सिविल कोर्ट में 21 करोड़ रुपए की लागत से अधिवक्ताओं के बैठने के लिए चैंबर निर्माण का शिलान्यास रविशंकर प्रसाद ने किया था।

खेल

रियल मैड्रिड यूएफा चैंपियंस लीग के फाइनल में

एजेंसी

नई दिल्ली, 09 मई (नवसत्ता)। रियल मैड्रिड यूएफा चैंपियंस लीग के फाइनल में पहुंच गई है। टीम ने 9 मई को सेमीफाइनल के दूसरे लेग में बायर्न म्यूनिख को 2-1 से हराया। इस तरह दोनों लेग को मिला कर रियल मैड्रिड ने 4-3 से फाइनल में प्रवेश कर लिया। इससे पहले सेमीफाइनल के पहले लेग में दोनों टीमों ने 2-2 गोल किया था।

14 बार के यूरोपीय चैंपियन रियल मैड्रिड का सामना फाइनल में शनिवार 1 जून को वेम्बली में डॉर्टमंड से होगा। रियल मैड्रिड के लिए दोनों गोल जोसेलु (जोस लुइस माटो) ने किया। वहीं म्यूनिख के लिए एक मात्र गोल डेविस ने किया। दोनों टीमें हाफ टाइम तक बराबरी पर थीं। मैच के 68वें मिनट में म्यूनिख के डेविस ने गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी और फाइनल के लिए राह आसान कर दिया। उन्होंने सेंटर सर्कल में साथी खिलाड़ी केन के बायीं ओर से दिए पास को गोल में तब्दील कर टीम को मैच में आगे कर दिया।

वहीं मैच के 88 वें मिनट में जोसेलु ने एंटोनियो रुडिगर के पास को गोल में तब्दील कर टीम को बराबरी पर ला खड़ा किया। जोसेलु के इस गोल को लेकर विवाद रहा। शुरुआत में गोल को ऑफ साइड करार दिया गया, लेकिन वीडियो सहायक रेफरी ने गोल को सही करार दिया। वहीं उन्होंने टीम के लिए दूसरा गोल 91वें मिनट में किया और इस तरह रियल मैड्रिड इस मैच में म्यूनिख से 2-1 से आगे हो गया। वहीं पहले लेग के खेले गए सेमीफाइनल में दोनों टीमें ने 2-2 गोल किए थे। यह मैच 2-2 की बराबरी पर था। ऐसे में दोनों लेग को मिला कर रियल मैड्रिड के चार गोल हो गए, जबकि बायर्न म्यूनिख के 3 गोल रहा। राउंड ऑफ 16 से लेकर सेमीफाइनल तक के मुकाबले 2 लेग में खेले जाते हैं। एक-एक मैच दोनों क्लबों के घर में होते है। दोनों लेग में कुल मिला कर ज्यादा गोल करने वाली टीम को विजयी घोषित किया जाता है।

दुनिया की सबसे बड़ी फुटबॉल लीग 'चैंपियंस लीग' का यह 32वां सीजन है। जिसका चैंपियन 10 जून को मिला जाएगा। लीग की शुरुआत 1955-56 में हुई थी। तब यूरोपियन यूनियन ऑफ फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित लीग का नाम यूरोपियन चैंपियंस कप था। 1992 में नाम बदलकर यूएफा चैंपियंस लीग कर दिया गया। हर सीजन इसमें 32 टीमें हिस्सा लेती है। इन टीमों को 8 ग्रुप में बांटा जाता है।

कगिसो रबाडा के पॉडकास्ट के बीच अचानक हुई विराट कोहली की एंट्री

संवाददाता

नई दिल्ली, 09 मई (नवसत्ता)। कोहली मैदान के अंदर और बाहर अपने नटखट अंदाज के आपने कई वीडियो देखे होंगे। वह अक्सर टीम का माहौल खुशनुमा बनाए रखने के लिए साथी खिलाड़ियों के साथ मजाक-मस्ती करते दिखते हैं। वहीं कोहली का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें कोहली ने कगिसो रबाडा के चलते पोडकास्ट में स्पेशल एंट्री लेते हैं और महफिल लूट जाते हैं। बता दें कि, पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा अपने होटल रूप में पॉडकास्ट कर रहे होते हैं। पॉडकास्ट पर उनसे पूछा जाता है कि मौजूदा समय में टेस्ट क्रिकेट में कौन सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। इतने में विराट कोहली की एंट्री होती है तो वह रबाडा के आगे डांस करने लगते हैं। रबाडा पॉडकास्ट पर बताते हैं कि विराट कोहली उनके सामने ही खड़े हैं और डांस कर रहे हैं।

लखनऊ के मालिक केएल राहुल और कोच पर भड़के

एजेंसी

नई दिल्ली, 09 मई (नवसत्ता)। लखनऊ सुपर जायंट्स के हार के बाद ओनर टीम कप्तान केएल राहुल और कोच जस्टिन लंगर पर भड़के, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हैदराबाद में आईपीएल के खेले गए मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 10 विकेट से हराया। इस मैच में लखनऊ ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला किया। टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 165 रन बनाए। जवाब में हैदराबाद ने 9.4 ओवर में बिना नुकसान के ही 167 रन बनाते हुए जीत हासिल कर ली।

मैच के बाद का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें लखनऊ के मालिक संजीव गोयन्का टीम के कोच जस्टिन लंगर और कप्तान केएल राहुल पर भड़के हुए नजर आ रहे हैं।

वायरल वीडियो में नजर आ रहा है कि संजीव गोयंका के सामने केएल राहुल चुपचाप खड़े हैं और गोयन्का गुस्से में उनको कुछ कहते नजर आ रहे हैं। यह सारी घटना आईपीएल की ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर चैनल पर लाइव दिखी। गोयन्का राहुल के बाद कोच पर भी गुस्सा जाहिर करते हुए नजर आए। इस घटना को देख कर कमेंटेटर को कहना पड़ा कि इस तरह की बातचीत ड्रेसिंग रूम के अंदर बंद कमरे में होनी चाहिए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और क्रिकेट फैंस इसकी आलोचना कर रहे हैं और कह रहे है कि गोयन्का का यह व्यवहार सही नहीं है। मैच के बाद केएल राहुल ने कहा कि जब आप एक बार हारने लगते हैं तो आपके लिए गए फैसलों पर सवाल खड़ा किया जाने लगता है। हमने 40-50 रन कम बनाए। पावर प्ले में विकेट भी गंवाए। आयुष और निकोलस ने अच्छी बैटिंग कर हमें 166 रन तक पहुंचाया।

भारतीय क्रिकेट के लिये उम्दा प्रतिभा हैं अभिषेक शर्मा: ट्रेविस हेड

एजेंसी

नई दिल्ली, 09 मई (नवसत्ता)। लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ आईपीएल के इतिहास में लक्ष्य का पीछा करने का रिकॉर्ड बनाने वाले आस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने अभिषेक शर्मा को भारतीय क्रिकेट के लिये बेहतरीन प्रतिभा बताया है। हेड (30 गेंद में नाबाद 89) और शर्मा (28 गेंद में नाबाद 75) ने 166 रन का लक्ष्य 9 . 4 ओवर में हासिल कर लिया। यह पुरूषों के टी10 क्रिकेट में दस ओवरों में रिकॉर्ड स्कोर है। हेड ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' अभि के साथ साझेदारी बेहतरीन थी। वह भारतीय क्रिकेट के लिये रोमांचक प्रतिभा है। हमारा तालमेल जबर्दस्त था और उसके साथ खेलने में बहुत मजा आया। वह इतना ऊर्जावान है और अपने खेल को लेकर काफी सोचता है। अगले महीने वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले विश्व कप से पहले हेड ने आईपीएल में 11 पारियों में 201 . 89 की स्ट्राइक रेट से 533 रन बना लिये हैं। हेड ने कहा ,'' आप हमेशा लगातार अच्छा खेलना चाहते हैं। अच्छा खेलकर सुखद अनुभूति होती है। यह वेस्टइंडीज में भी अच्छे प्रदर्शन की गारंटी नहीं है लेकिन इससे मेरा आत्मविश्वास बढा है। वेस्टइंडीज में स्पिनरों को खेलना होगा और विकेट कठिन हो सकते हैं। मुझे खुशी है कि मैं स्पिन को बखूबी खेल सका।

रोहित-बुमराह ने उठाए हार्दिक पंड्या की कप्तानी पर सवाल!

एजेंसी

नई दिल्ली, 09 मई (नवसत्ता)। आखिर चार साल के अंदर दूसरी बार मुंबई इंडियंस आईपीएल सीजन से बाहर होने वाली पहली टीम बनी। 2022 में रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम 10वें नंबर पर रहते हुए सबसे पहले प्लेऑफ की रेस से बाहर हुई थी। अब नए कप्तान हार्दिक पंड्या के नेतृत्व में भी टीम की यही दशा हुई है। इसके साथ ही अब टीम में मनमुटाव की खबरें आने लगी हैं। ऐसी ही एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एक मैच में मुंबई की हार के बाद टीम के सीनियर खिलाड़ियों ने हार्दिक की कप्तानी में टीम को चलाने के तौर-तरीकों पर सवाल उठाया और मैनेजमेंट से इसकी शिकायत की।

हार्दिक पंड्या को इस सीजन से पहले ही मुंबई इंडियंस का नया कप्तान बनाया गया था। उन्हें ये जिम्मेदारी दिग्गज कप्तान रोहित शर्मा को हटाकर दी गई थी, जिन्होंने फ्रेंचाइजी को 5 बार चैंपियन बनाया था। हार्दिक को अचानक इस तरह कप्तान बनाए जाने के बाद से ही मुंबई इंडियंस और रोहित के फैंस भड़के हुए थे और उन्होंने पूरे आईपीएल सीजन के दौरान हार्दिक के खिलाफ नारेबाजी कर अपना विरोध भी दर्ज कराया। इन सबके बीच टूर्नामेंट में लगातार टीम का प्रदर्शन भी खराब रहा, खुद कप्तान हार्दिक कुछ खास नहीं कर सके। मैदान में हार्दिक के कई फैसलों ने हर किसी को हैरान किया। अब इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि टीम के कई सीनियर सदस्यों ने टीम मैनेजमेंट से कहा है कि हार्दिक पंड्या की कप्तानी के तरीकों के चलते ड्रेसिंग रूम में उत्साह नहीं है। रिपोर्ट में बताया गया है कि मुंबई के एक मैच के बाद खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ की मुलाकात हुई, जिसमें रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह जैसे टीम के सबसे सीनियर सदस्य भी थे। इस दौरान खिलाड़ियों ने टीम के प्रदर्शन की वजहों को कोचिंग स्टाफ के सामने रखा। वहीं मीटिंग के बाद कुछ सीनियर खिलाड़ियों से एक-एक कर अलग से भी मिला गया और वहां भी ऐसी बातें सामने आई। हालांकि रिपोर्ट में मुंबई इंडियंस के एक अधिकारी के हवाले से दावा किया गया है कि टीम में लीडरशिप को लेकर कोई संकट नहीं है। इस अधिकारी ने दावा किया कि टीम लंबे वक्त से रोहित की कप्तानी के स्टाइल में खेलने की आदी थी और ऐसे में बदलाव के बाद नए कप्तान के तरीकों के साथ मेल खाने में वक्त लग रहा है जो दुनियाभर में अक्सर टीमों में देखा जाता रहा है।

भारतीय खिलाड़ियों ने बयां किया दिल का हाल

नई दिल्ली, 09 मई (नवसत्ता)। पेरिस ओलंपिक के लिए भारत की महिला 4×400 मीटर रिले टीम ने क्वालिफाई कर लिया। रूपल चौधरी, ज्योतिका दांडी श्री, प्राची और पुरुषों में राजीव अरोकिया ने क्वालिफाई कर लिया। इन चारों ने बहामास के नासाउ में विश्व एथलेटिक्स रिले में अपनी-अपनी क्वालिफाइंग हीट (शुरुआती दौर की रेस) में दूसरे स्थान पर रहते हुए ओलंपिक में जगह बनाई। रूपल चौधरी ने कहा, ओलंपिक में क्वालीफाई करना एक शानदार एहसास है, हम सभी को बहुत गर्व है। शुरुआत में (क्वालीफायर की) मैं काफी घबराई हुई थी लेकिन सब कुछ ठीक रहा। अब हमारा ध्यान ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन करने पर है। ज्योतिका श्री दांडी ने कहा, हमें बहुत खुशी है कि पुरुष और महिला दोनों टीमों ने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। मैं टीम का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं।

जेपी नड्डा बोले- कांग्रेस ने बांटने की राजनीति की

संवाददाता

चित्रकूट , 09 मई (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों के दिग्गज नेता ताबड़तोड़ रैलियां और जनसभाएं कर रहे हैं। इसी कड़ी में आज भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने चित्रकूट में चुनावी प्रचार किया। इस दौरान नड्डा ने कहा कि 10 साल पहले भारत के सामान्य नागरिक के मन में ये विचार घर कर चुका था कि अब कुछ बदलने वाला नहीं है, राजनीति ऐसी ही होती है, यहां गुंडों का राज चलता रहेगा। लेकिन मोदी जी के आने बाद भारत की राजनीति में सबकुछ बदला है, ये चुनाव आप भाजपा को तो जीता ही रहे हैं, साथ ही आप विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की ओर चल पड़े हैं।

नड्डा ने कहा कि 10 साल भारत की राजनीति में परिवारवाद, जातिवाद, व्यक्तिवाद, भ्रष्टाचार, वोटबैंक और तुष्टिकरण ही चलता था। लेकिन मोदी जी ने 10 साल में जातिवाद, क्षेत्रवाद और तुष्टिकरण की राजनीति के साथ लोहा लेते हुए, विकासवाद की राजनीति को आगे बढ़ाया और मंत्र रखा - सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास। उन्होंने कहा कि आज देश में रिपोर्ट कार्ड, जवाबदेही, विकासवाद और सबको साथ लेकर चलने की राजनीति चल रही है। ये मोदी की संस्कृति है। जो कहा था, वो किया है और जो नहीं कहा था, वो भी करके दिया है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी जी ने सबका साथ, सबका विकास सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र को आत्मसात करते हुए गांव गरीब, शोषित, वंचित, पीड़ित, युवा किसान और महिलाओं को मजबूती देने का काम किया। उन्होंने कहा कि एक समय उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य था। लेकिन आज मोदी और योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में आकर खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में अब चित्रकूट को भी शामिल कर लिया गया है। इसके यहां आने से चित्रकूट और बांदा की तस्वीर बदल जाएगी और यहां के नौजवानों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

नड्डा ने कहा कि ये घमंडिया गठबंधन केवल दो बातों का गठबंधन है। मोदी कहते हैं- भ्रष्टाचारी हटाओ, घमंडिया गठबंधन वाले कहते हैं भ्रष्टाचारियों को बचाओ। ये घमंडिया गठबंधन भ्रष्टाचारियों का जमावड़ा है। ये सब परिवारवादी लोग हैं। उन्होंने कहा कि आजकल राहुल गांधी संविधान की कॉपी लेकर घूम रहे हैं। संविधान में बाबा साहेब अंबेडकर ने लिखा है कि धर्म के नाम पर नहीं होगा। जबकि कांग्रेस हमारे दलित आदिवासी, पिछड़े और अतिपिछड़ा भाइयों के अधिकार पर डाका डालकर धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहते हैं। फतेहपुर में नड्डा ने कहा कि आज मोदी जी के नेतृत्व में दुनिया में भारत का डंका बज रहा है। जब दुनिया की आर्थिक अर्थव्यवस्था लड़खड़ा रही है, वही मोदी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था 11वें नंबर से 5वें नंबर की दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। आने वाले समय में मोदी जी के नेतृत्व में भारत दुनिया की तीसरे सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले मोबाइल पर लिखा होता था- मेड इन चाइना, मेड इन जापान, मेड इन ताइवान, मेड इन कोरिया और आज मोबाइल पर लिखा रहता है- मेड इन इंडिया। आज भारत, दुनिया में मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में नंबर दो पर है और 97 प्रतिशत मोबाइल आज भारत में बन रहा है।

कांग्रेस प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह और आनंद शर्मा ने दाखिल किया नामांकन

एजेंसी

शिमला, 09 मई (नवसत्ता)। हिमाचल प्रदेश के मंडी संसदीय सीट से कांग्रेस प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह व कांगड़ा से आनंद शर्मा ने गुरुवार को नामांकन पत्र दाखिल किया। विक्रमादित्य के नामांकन में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के अलावा पार्टी के प्रदेश प्रभारी राजीव शुक्ल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह, पूर्व मंत्री कौल सिंह ठाकुर सहित पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान विक्रमादित्य ने शक्ति प्रदर्शन भी किया। नामांकन के बाद मीडिया से बातचीत में राजीव शुक्ला ने दावा किया कि विक्रमादित्य सिंह दो लाख के ज्यादा अंतर से जीतेंगे।

वहीं मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा का असली चेहरा जान चुकी है। सरकार गिराने का प्रयास किया था अब उसका जबाव मिलेगा। इस चुनाव में कांग्रेस पार्टी का जिस प्रकार से आपदा प्रभावित स्थिति में रोल रहा है। 15 महीने का कार्यकाल, जिसमें आम जनता से जुड़े मुद्दे पर काम किया गया। इन तमाम मुद्दों को हम जनता की अदालत में रखेंगे। कांगड़ा-चंबा संसदीय सीट से कांग्रेस प्रत्याशी आनंद शर्मा ने धर्मशाला में के नामांकन भरा। इस दौरान मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह कांग्रेस प्रदेश प्रभारी राजीव शुक्ला सहित अन्य नेता मौजूद रहे। वहीं नामांकन के बाद विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि मोहतरमा (कंगना) ने आज तक एक शब्द मंडी के लिए अपने विजन को लेकर नहीं कहा। हम विकास के मुद्दों पर लड़ाई लड़ेंगे। हम विकास की राजनीति करते हैं, वे मनोरंजन की राजनीति करते है। इसके निर्देशक जयराम ठाकुर हैं। जयराम स्क्रिप्टेड भाजपा की इस फिल्म का 4 जून को बॉक्स ऑफिस पर पिट जाना तय है। कहा कि हम सिर्फ मुद्दों पर चुनाव लड़ेंगे। संसदीय क्षेत्र में सीएसडी कैंटीन, डिपो, सेना अकादमी, भृगु जोत टनल, जलोड़ी जोत टनल बनाना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी सतपाल रायजादा दस और शिमला सीट से प्रत्याशी विनोद सुल्तानपुरी 13 मई को नामांकन पत्र दाखिल करेंगे।

इंदौर में स्टार प्रचारकों की सभा के बगैर चुनाव

एजेंसी

भोपाल, 09 मई (नवसत्ता)। इस बार लोकसभा चुनाव का माहौल इंदौर में नीरस है। कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय बम ने नामांकन पत्र वापस लिया। कांग्रेस इस बार चुनावी मैदान से बाहर है,इसलिए राहुल और प्रियंका गांधी की सभा का सवाल ही नहीं उठता, लेकिन भाजपा के स्टार प्रचारकों ने भी इंदौर से दूरी बना ली है,क्योकि इंदौर में भाजपा के लिए अब बड़ी चुनौती नहीं है।

बम की नामवापसी से पहले इंदौर में कांग्रेस नेता सचिन पायलेट आए जरुर थे। उन्होंने आसपास की लोकसभा सीटों पर चुनावी सभाएं ली लेकिन इंदौर में उनका कोई कार्यक्रम नहीं था। बम की नाम वापसी की एक वजह यह भी थी। विधानसभा चुनाव में इंदौर में प्रियंका गांधी की सभा और रोड शो दोनों हुआ था। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बड़ा गपपति से राजवाड़ा तक रोड शो किया था।

इंदौर में चुनाव एकतरफा होने के कारण दोनो ही प्रमुख दलों के नेता इंदौर के चुनावी माहौल से गायब है। वे इंदौर तो आ रहे है, लेकिन यहां से वे दूसरे लोकसभा क्षेत्रों में चुनावी सभाएं लेने जा रहे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धार और खरगोन में ले चुके है।

वे इंदौर से ही होकर इन लोकसभा क्षेत्रों में पहुंचे, लेकिन इस बार इंदौर की जनता उनका भाषण सुन नहीं पाई क्योकि इंदौर में भाजपा प्रत्याशी शंकर लालवानी के सामने कोई बड़ी चुनौती नहीं है।

उनके लिए पांच साल पहले हुए लोकसभा चुनाव में मोदी ने दशहरा मैदान में चुनावी सभा ली थी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्मृति ईरानी, नितिन गडकरी सहित भाजपा के कई स्टार प्रचारकों ने सभाएं ली थी।

आकाश आनंद पर मायावती के एक्शन से दलितों में क्या संदेश गया?

संवाददाता

लखनऊ, 09 मई (नवसत्ता)। बहुजन समाज समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को 10 दिसंबर 2023 को पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाने के साथ-साथ अपना सियासी उत्तराधिकारी घोषित किया था। अब मायावती ने पांच महीने के बाद अपना फैसला वापस ले लिया है और कहा कि पूर्ण परिपक्व होने तक आकाश आनंद को दोनों जिम्मेदारियों से मुक्त किया जा रहा है। मायावती ने आकाश आनंद पर फैसला ऐसे समय लिया है जब 2024 के चुनाव के लिए तीसरे चरण की वोटिंग खत्म हुई थी, लेकिन अभी चार चरणों के चुनाव बाकी है। ऐसे में मायावती के एक्शन पर बहुजन समाज के लोगों को भी हैरत में डाल दिया है।

मायावती ने आकाश आनंद को अपना सियासी वारिस ऐसे समय घोषित किया था, जब बसपा अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। कांशीराम के ज्यादातर साथी पार्टी छोड़कर जा चुके हैं या फिर उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। बसपा का सियासी आधार भी लगातार खिसकता जा रहा है। बसपा से गैर-जाटव दलित वोट भी अब उनके साथ नहीं रहा। यूपी में भीम आर्मी के चीफ चंद्रशेखर आजाद दलित युवाओं के बीच अपनी पैठ जमाने में लगे हुए थे। ऐसी स्थिति में आकाश आनंद ने पार्टी की कमान संभाली और अपनी चंद रैलियों से सियासी हलचल पैदा कर दी थी।

दलित और आदिवासी संगठनों के राष्ट्रीय परिसंघ के अध्यक्ष अशोक भारती कहते हैं बसपा की कमजोर होती सियासत के बीच मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को अपना सियासी वारिस घोषित किया था, लेकिन जिस तरह चुनाव के बीच हटाया और उसे अपरिपक्क बताया है, उससे बसपा को चुनावी नुकसान हो सकता है। आकाश आनंद पर एक्शन लेने का दलित समुदाय और बसपा के लोगों में संदेश यही गया है कि मायावती ने ये फैसला बीजेपी के दबाव में आकर लिया है, क्योंकि आकाश अपनी रैलियों में सपा-कांग्रेस से ज्यादा बीजेपी को टारगेट कर रहे थे।

अशोक भारती कहते हैं कि आकाश ने अपनी रैलियों से यूपी में बसपी समर्थकों के बीच एक नया जोश पैदा किया था। ऐसे में उन्हें हटाए जाने पर पार्टी के युवा मतदाता निराश महसूस कर रहा है। ऐसे में दलित युवाओं का झुकाव इंडिया गठबंधन की तरफ हो सकता है, क्योंकि बीजेपी के विकल्प में वही खड़ी नजर आ रही। आकाश के चलते बसपा से जुड़ने वाला युवा फिर से दूर छिटेगा। इसके अलावा मायावती पर बीजेपी की बी-टीम होने का आरोप इस फैसले से और मजबूत हो गया है। विपक्ष नहीं अब बसपा के लोगों को भी लगने लगा है कि मायावती कहीं न कहीं बीजेपी से मिली हुई हैं।

वरिष्ठ पत्रकार सिद्धार्थ कलहंस भी यह मानते हैं कि मायावती ने सियासी तौर पर बहुत ही गलत फैसला लिया है और दलित समुदाय को हैरत में डाल दिया है। कलहंस कहते आकाश आनंद अपनी रैलियों में उन्हीं मुद्दों को उठा रहे थे, जो बहुजन समाज से जुड़े हुए हैं। वो संविधान बदलने के मुद्दे को धार दे रहे थे, उसको हिट कर रहे थे। बहुजनों के बीच एक दलित युवा नेता संविधान का मुद्दा उठा रहा था, जो मायावती का सियासी वारिस हैं। उसका असर दलितों के बीच तेजी से हो रहा था। इससे बसपा के युवा मतदाता उत्साह से भरे नजर आ रहे थे। दलित युवाओं को आकाश में अपना नेता नजर रहा था और राजनीतिक भविष्य नजर आने लगा। मायावती से छिटककर दलित मतदाताओं को आकाश आनंद जोड़े रखने में सफल होते दिख रहे थे, जो बीजेपी के लिए टेंशन बनती जा रही थी।

सिद्धार्थ कलहंस का ये भी कहना है दलित समुदाय महसूस कर रहा है कि मायावती का फैसला उनका नहीं है बल्कि बीजेपी के दबाव में लिया गया है। बसपा का निराश युवा खासकर अंबेडकरवादी सपा और कांग्रेस की तरफ जा सकते हैं, क्योंकि वैचारिक रूप से संघ और बीजेपी के विरोधी हैं। आकाश पर एक्शन लेने और बसपा में बदले गए टिकटों से एक बात साफ हो गई है कि मायावती 2022 वाले मोड में चली गई है, जहां पर खुद जीतने के बजाय सपा-कांग्रेस को हराने की कोशिश में है, लेकिन इसमें वो अपना ही नुकसान कर रही हैं। बसपा की सियासत को करीब से देखने वाले सैय्यद कासिम भी मानते हैं कि मायावती ने आकाश आनंद को पद से हटाकर बसपा का सियासी नुकसान किया है और इसका सीधा फायदा सपा को यूपी में होगा। आकाश आनंद ने बसपा के तमाम युवाओं को एक्टिव किया था, जो काफी समय से निराश बैठे हुए थे। आकाश ने यूपी में अपनी डेढ़ दर्जन से ज्यादा रैलियां करके बीजेपी में जा रहे बसपा के वोटों को रोकने का काम किया लेकिन मायावती के फैसले के बाद उनके लिए सपा के मजबूत विकल्प बन सकती है, लेकिन अखिलेश यादव जिस तरह से बसपा पर टिप्पणी कर रहे हैं, उससे दलितों को असमंजस में डाल रहा है।

सैय्यद कासिम कहते हैं कि आकाश आनंद ने मायावती के फैसला का जिस तरह से स्वागत किया है और बहुजन राजनीति के लिए अंतिम सांस तक समर्पित रहने की बात कही है, उसके जरिए उन्होंने अपनी मैच्योरिटी का परिचय दिया है। आकाश आनंद के ट्वीट आने के बाद अब लगता है बसपा को होने वाला सियासी नुकसान बहुत ज्यादा नहीं होगा, लेकिन युवा दलित निराश है।

दस साल बाद मंगलसूत्र से वोट मांगने पड़ रहे हैं: भगवंत मान

एजेंसी

चंड़ीगढ़, 09 मई (नवसत्ता)। आम आदमी पार्टी के नेता व पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने चंडीगढ़ में आयोजित हो रहे टीवी9 के सत्ता सम्मेलन में भाग लिया। इस दौरान उनके निशाने पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) रही। सीएम मान ने कहा कि इस बार लोकतंत्र और संविधान बचाने के लिए चुनाव है। आज संविधान खतरे में है। इसको बदलने की बात की जा रही है। पिछले 10 सालों में लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाकर रख दी गई हैं।

उन्होंने कहा कि बीजेपी ने बिना विपक्ष के 10 साल राज किया है और जो विपक्ष में सांसद थे उन्हें सस्पेंड कर दिया। एक-एक दिन में 150-150 सांसदों को सस्पेंड किया गया। 10 साल के बाद अगर मंगलसूत्र से वोट मांगने पड़ रहे हैं तो बहुत शर्म की बात है। इन 10 सालों में देश बेचा गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोलते हुए कहा, 'हिंदी में अन्य भाषाओं से मिलाकर 6 लाख शब्द हैं और प्रधानमंत्री के पास सिर्फ 10 से 12 शब्द हैं। मैं गिना सकता हूं, जोकि चुनाव के समय इस्तेमाल होते हैं। हिंदू-मुसलमान, पाकिस्तान श्मशान, कब्रिस्तान, मंगलसूत्र, गाय भैंस बकरीज्एक-दूसरे को डराया जा रहा है।'

उन्होंने कहा कि हमारा सीटिंग मुख्यमंत्री जेल में डाल दिया। ईडी बीजेपी का अर्निंग डिपार्टमेंट है। बीजेपी हमें रोकना चाहती है। मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन, अरविंद केजरीवाल को अंदर करके आम आदमी पार्टी को खत्म करना चाहती है। इन्हें पार्टियां खत्म करने की आदत हो गई है। शिवसेना, एनसीपी तोड़ दी। चौटाला से काम लेकर उन्हें बाहर कर दिया। नीतीश कुमार को कभी इधर-उधर ले जाते हैं और बीएसपी की फाइलें निकाल रखी हैं। बीजेपी को गलतफहमी हो गई थी कि वो आम आदमी पार्टी के साथ भी यही सब कर लेगी, लेकिन आप कोई 10-15 आदमी का एनजीओ नहीं है, ये राष्ट्रीय पार्टी है।

उन्होंने कहा कि पंजाब के जवाब देश की सुरक्षा में सीना ताने सीमाओं पर खड़े हुए हैं, लेकिन दुख उस समय होता है जब 26 जनवरी को पंजाब की झांकी रिजेक्ट कर दी जाती है। शहीद भगत सिंह को रिजक्ट करने वाली बीजेपी कौन है। ये लोग मालिक बनकर बैठ गए हैं। ये देश किसी के बाप की जागीर नहीं है। ये 140 करोड़ लोगों का देश है। वही इसके मालिक हैं और 4 जून को लोग ये बता देंगे कि कुर्सी आपकी नहीं है।

सीएम मान ने कांग्रेस के भ्रष्टाचार को लेकर कहा, 'हमने उनकी नीतियों का विरोध किया। बीजेपी और कांग्रेस ने हमें चिढ़ाया कि ऐसे सड़क पर कानून नहीं बदलते हैं। हमारा पार्टी बनाने का कोई इरादा नहीं था। जब चुनकर आइए चुनकर आइए कहने लग गए तो फिर पार्टी बनाई और हम चुनकर आ गए और वो रह गए। अगर कांग्रेस ने भ्रष्टाचार की करतूतें की होंगी तो की होंगी। हमने अपनी पार्टी के तीन विधायकों की शिकायतें मिलने के बाद कार्रवाई की।' भगवंत मान ने कहा कि चुनाव के तीन चरणों की वोटिंग हो चुकी है और प्रधानमंत्री के भाषणों की टोन बदल गई है। पहले कहते थे कि अबकी बार 400 पार। अब लोग समझ गए हैं कि ये धर्म और जाति के नाम से लड़वाते हैं।

दिल्ली की जनता केजरीवाल से परेशानः योगेंद्र चंदौलिया

एजेंसी

नई दिल्ली, 09 मई (नवसत्ता)। दिल्ली के उत्तर-पश्चिम से बीजेपी उम्मीदवार योगेंद्र चंदौलिया ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी की सरकार पर निशाना साधा है। योगेंद्र चंदौलिया ने कहा है दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने विकास के नाम पर जनता के साथ धोखा किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मैं चुनाव प्रचार में जहा-जहां जाता हूं, लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। सुल्तानपुरी, मंगोलपुरी, किरारी जैसी जगहों पर गरीब समाज के लोग काफी संख्या में रहते हैं। केजरीवाल ने यहां लोगों को राशन कार्ड बनाने का वादा किया लेकिन लोगों की मांग पूरी नहीं हुई।

बीजेपी प्रत्याशी योगेंद्र चंदौलिया ने दावा किया कि दिल्ली के लोग अरविंद केजरीवाल के काम-काज से खासे परेशान हैं। यहां 7 लाख परिवारों का आवेदन पेंडिंग है लेकिन अभी तक दिल्ली सरकार ने इन लोगों का राशन कार्ड नहीं बनवाया है।

बीजेपी प्रत्याशी योगेंद्र चंदौलिया ने कहा कि केजरीवाल सरकार में दिल्ली की महिलाओं और बुजुर्गों के साथ भी अन्याय हो रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 8 साल से यहां बुजुर्गों को पेंशन नहीं मिल रही है। बुजुर्ग अपने नजदीकी एमएलए के पास जाते हैं लेकिन उन्हें यह कह दिया जाता है कि ऑनलाइन अप्लाई करें। बीजेपी प्रत्याशी ने दिल्ली में पानी की समस्या को लेकर भी आप पर हमला बोला है। उन्होंने इस संबंध में शीला सरकार के कार्यकाल का जिक्र किया और कहा कि उस वक्त दिल्ली जल बोर्ड लाभ में था, लेकिन आज दिल्ली जल बोर्ड में 82 हजार करोड़ का घोटाला हुआ है। योगेंद्र चंदौलिया ने आरोप लगाया कि इसमें आप के बड़े नेताओं ने लूट की है।

योगेंद्र चंदौलिया ने दावा किया कि वह अपने क्षेत्र के लोगों की मांग को जीतने पर हर संभव पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि नरेला तक मेट्रो की मांग थी जिसे केंद्र सरकार के सहयोग से पूरा किया गया अब हमारी कोशिश होगी कि रिठाला के आगे मेट्रो जाए। उन्होंने कहा कि बादली के लोगों की भी मेट्रो को आगे बढ़ाने की मांग की है। मोदी जी ने घोषणा पत्र में दिल्ली में मेट्रो के विस्तार की गारंटी दी है।

शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी के बयान पर महाराष्ट्र में बवाल

एजेंसी

महाराष्ट्र, 09 मई (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच महाराष्ट्र में शिवसेना उद्धव गुट की नेता और सांसद प्रियंका चतुर्वेदी के एक बयान से सियासी तूफान मच गया है। प्रियंका चतुर्वेदी ने नॉर्थ ईस्ट मुंबई के एक प्रचार अभियान में प्रदेश के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के सांसद बेटे श्रीकांत शिंदे को लेकर ऐसा बयान दिया है, जिसको लेकर शिंदे गुट के नेता आग बबूला हो गए हैं। शिंदे गुट के नेताओं ने प्रियंका चतुर्वेदी पर हमले करना शुरू कर दिया है।

हाल ही में कांग्रेस छोड़कर शिवसेना शिंदे गुट में शामिल हुए संजय निरुपम ने कहा है यूबीटी की एक महिला सांसद ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे और कल्याण लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवार श्रीकांत शिंदे पर बेहद अभद्र टिप्पणी की है। अगर उन्हें अपने बयान पर शब्दशः विश्वास है तो आदित्य ठाकरे के माथे पर लिखा होना चाहिए मेरा बाप महा गद्दार है।

वहीं शिवसेना शिंदे गुट की प्रवक्ता शीतल म्हात्रे ने प्रियंका चतुर्वेदी पर हमले किया और कहा कि उनका दिमाग सठिया गया है। ध्यान रखो तुमने शेर के मुह में हाथ डालने की कोशिश की है। गद्दारी तो उनके पिता ने बीजेपी से युती तोड़कर की थी। बालासाहेब कांग्रेस के ताउम्र विरोधी थे लेकिन उन्होंने उस पार्टी से हाथ मिलाया।

मुंबई की नॉर्थ ईस्ट लोकसभा क्षेत्र में एक चुनाव प्रचार के दौरान शिवसेना उद्धव गुट की नेता और सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे श्रीकांत शिंदे पर कड़ी टिप्पणी की थी। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा था श्रीकांत शिंदे के माथेपर लिखा है। मेरा बाप गद्दार है। एकनाथ शिंदे कौन है? एक गद्दार। उन्होंने आगे कहा कि यह आवाज ठाणे तक पहुंचनी चाहिए। प्रियंका चतुर्वेदी ने इस दौरान अमिताभ बच्चन की फिल्म दीवार के एक डायलॉग का नजीर दिया था। उन्होंने कहा था कि एक फिल्म दीवार आई थी। उस फिल्म में अमिताभ बच्चन के हाथ पर लिखा रहता है- मेरा बाप चोर है। श्रीकांत शिंदे के माथे पर लिखा है- मेरा बाप गद्दार है। प्रियंका चतुर्वेदी के इसी बयान पर अब घमासान मचा है।

मुद्दों से भटकते-भटकते खुद ही भटक गई बीजेपी: कमलनाथ

भोपाल, 09 मई (नवसत्ता)। प्रदेश में लोकसभा चुनाव 2024 के चौथे और आखिरी चरण की तैयारी में एमपी कांग्रेस और बीजेपी पूरी ताकत झोंक रही है। लोकसभा चुनाव परिणाम के पहले पूर्व सीएम कमलनाथ ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर भाजपा पर तंज कसते हुए जीत को लेकर बड़ा दावा किया है। कहा कि- इंडिया के लोग इंडिया गठबंधन को सत्ता की चाबी सौंपने वाले हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने एक्स पर लिखा कि भाजपा शुरू से इस चुनाव को मुद्दों से भटकाने की कोशिश कर रही थी, लेकिन भटकाते-भटकाते अब खुद ही भटक गई है। इस लोकसभा चुनाव में जनता का मानस अब स्पष्ट बन चुका है। इंडिया के लोग इंडिया गठबंधन को सत्ता की चाबी सौंपने वाले हैं। भाजपा का नेतृत्व देश के किसान, नौजवान, महिलाओं, सरकारी कर्मचारी, दलित, पिछड़े, आदिवासी, अल्पसंख्यक या किसी वर्ग के बारे में कोई भी नीति या नीयत स्पष्ट नहीं कर पा रहा है। ऐसी गुमराह पार्टी से देश की रक्षा करने के लिए भारत के नागरिक तैयार हैं। जय कांग्रेस, विजय कांग्रेस।

भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री व लोस प्रत्याशी की टिप्पणी के खिलाफ वैश्य समाज हुआ मुखर

संवाददाता

मिर्जापुर, 09 मई (नवसत्ता)। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन उत्तर प्रदेश के प्रदेश महामंत्री शैलेंद्र अग्रहरी ने कौशांबी के सांसद व भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री विनोद सोनकर द्वारा सोशल मिडिया में चल रहे वीडियो में वैश्य समाज के खिलाफ कही गई बातों की निंदा की हैं।

कहा है कि वैश्य समाज के बारे में गैर संवैधानिक शब्दों का उपयोग करना इन चुनाव में विनोद सोनकर के लिए भारी पड़ने वाला है कौशाम्बी में लाखों की संख्या में वैश्य समाज रहता है, उनके खिलाफ इस तरीके की अनर्गल बातें बोलकर या उनका समर्थन कर सांसद ने अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारी है। उन्होंने चेतावनी देते हुए भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से कार्रवाई की मांग की है। प्रदेश महामंत्री ने वैश्य समाज को सचेत किया है कि वोट न देकर समाज में फैल रही ऐसी गंदगियों को बढ़ा रहे लोगों का सफाया करें।

देश में ऐसे नेता ही आपसी भाईचारे को खत्म करते हैं। हमें सावधान रहना चाहिए यहां पर वह ऐसे शब्दों का समर्थन करते दिख रहे हैं, जो किसी के लिए भी आत्म सम्मान के खिलाफ है, आने वाले चुनाव में इसका खामियाजा भारतीय जनता पार्टी को हर स्थान पर भुगतना पड़ सकता है।

अग्रहरि ने कहा कि वैश्य समाज देश के विकास का सजग प्रहरी है, आर्थिक संरचना की रीड़ है। उसके साथ ऐसा अनैतिक व्यवहार करना दूषित मानसिकता को परिलक्षित करता है। उन्होंने एक्स पर ट्वीट कर बीजेपी के बड़े नेताओं को इस बात की शिकायत भी की है। वैसे भी इन लोकसभा चुनाव में वैश्य समाज को टिकट से वंचित कर बीजेपी ने मात्र चार प्रत्याशी उतारे हैं जबकि वैश्य समाज हर परिस्थिति में बीजेपी को ही वोट करता रहा है। लेकिन फिर भी वैश्य समाज के लिए बीजेपी नेताओं द्वारा ऐसी बाते कहना हमें आक्रोषित करती हैं। ऐसे ही इन्ही सांसद द्वारा वैश्य समाज को धर्म परिवर्तन करने वाला समाज भी कहा गया था। जगह जगह वैश्य समाज के नेताओं ने इसकी निंदा की है। प्रदेश के विभिन्न जिलों से भी वैश्य नेताओं ने आक्रोश व्यक्त किया है, मिर्जापुर, हापुड़, भदोही, प्रयागराज, बिजनौर सहित प्रदेश भर के दो दर्जन जिलों से अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के नेताओं ने भी इस बात की घोर निंदा की है और इसे आपत्तिजनक बताया है।

अबीहा आदिल खान ने 99 प्रतिशत अंक प्राप्त कर बढ़ाया मान

संवाददाता

कादीपुर-सुलतानपुर, 09 मई (नवसत्ता)। तहसील के वरिष्ठ अधिवक्ता स्व अब्दुल रशीद खान की पौत्री तहसील क्षेत्र के हमजापुर पठान ग्राम निवासी डा. आदिल रशीद खान की बेटी अबीहा आदिल खान ने लखनऊ के सिटी मांटेसरी स्कूल कक्षा ग्यारहवीं परीक्षा में 99 प्रतिशत अंक प्राप्त कर क्षेत्र व परिवारजनों का मान बढ़ाया। कादीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत चिकित्साधिकारी डा. आदिल रशीद खान की बेटी अबीहा आदिल खान अपने दादा वरिष्ठ अधिवक्ता स्व हाजी अब्दुल रशीद खान की बहुत दुलारी रही जिनकी देखरेख में वह लखनऊ में अध्ययन रत थी पर विधि का ऐसा विधान कि दादा अपनी पोती के इस बढ़ते कदम व भारी सफलता को देख नहीं सके जिसने हजारों छात्र-छात्राओं के बीच सर्वाधिक 99 प्रतिशत अंक प्राप्त कर लखनऊ के उक्त विद्यालय में अपना परचम लहराया।

अबीहा की इस सफलता ने परिवारजनों का ही नहीं क्षेत्र व जनपद का भी मान बढ़ाया जिसपर सभी ने प्रसन्नता जाहिर किया व बेटी के लिए शुभकामनाएं दिया है।

मतदाता जागरूकता पद यात्रा में शत प्रतिशत मतदान की अपील

संवाददाता

सुलतानपुर, 09 मई (नवसत्ता)। लघु उद्योग भारती एवं भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के संयुक्त तत्वावधान में लघु उद्योग भारती संयोजक एवं भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल प्रदेश महामंत्री रवींद्र त्रिपाठी ने व्यापारियों से शत प्रतिशत मतदान की अपील किया। सेमरी बाजार व्यापार मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह महामंत्री गुलाब अग्रहरी के नेतृत्व में व्यापारियों ने मतदाता जागरूकता पद यात्रा निकाला व इस अवसर पर श्रीरवीन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि हर भारतीय को मतदान करने के अधिकार पर गर्व होना चाहिए मतदान भविष्य का विधाता होता है। बाजार में निकली पदयात्रा में उन्होंने युवा मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने का आह्वान किया। उक्त अवसर पर श्री

त्रिपाठी ने कहा कि मतदान से ही अपने योग्य उम्मीदवार को चयनित करने का अवसर मिलता है व कहा कि एक जिम्मेदार मतदाता ही सभी में जागरूकता ला सकता है और एक मत की कीमत सबके लिए एक समान है चाहे वह अमीर से अमीर हो या गरीब से गरीब इसलिए हम सब को मिलकर 25 मई को पहले मतदान फिर जलपान के नारे को साकार करते हुए अपने-अपने बूथों पर शत प्रतिशत मतदान करने का प्रयास करने की बात कहा। बाजार में व्यापारियों ने विभिन्न मतदाता जागरूकता नारों से लबरेज़ तख्ती, बैनर, लेकर पदयात्रा किया।

प्रदेश महामंत्री श्री त्रिपाठी ने नारा दिया कि छोड़ो अपने सारे काम पहले चलो करें मतदान जागरूक देश की एक ही पहचान शत प्रतिशत हो मतदान लोकतंत्र का यह आधार वोट ना हो कोई बेकार श्री त्रिपाठी ने व्यापारियों से आवाहन किया कि व्यापारी स्वयं मतदान करें और अपने दुकानों पर आने वाले ग्राहकों को भी अधिक से अधिक मतदान करने के लिए निवेदन करें तथा जागरूक करें।

मायावती बोली- अभी भी हो रहा ब्राह्मणों का शोषण

बृजेश चतुर्वेदी

कन्नौज, 09 मई (नवसत्ता)। बसपा सुप्रीमो मायावती आज कन्नौज जिले में एक जनसभा को संबोधित करने पहुंची। उन्होंने पार्टी प्रत्याशी इमरान बिन जफर के लिए वोटों की अपील की। मायावती को सुनने के लिए भारी संख्या में लोग पंडाल में पहुंचे। पूर्व मुख्यमंत्री व बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती दोपहर 1 बजे हेलीकॉप्टर से कन्नौज के तेराजाकेट कस्बा पहुंची। स्वामी एकरसानंद इंटर कॉलेज के ग्राउंड में जनसभा आयोजित थी। मायावती ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ब्राह्मण समाज को मैं बड़ा संदेश दे रही हूं। बसपा ब्राह्मणों की हितैषी पार्टी है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने सपा भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि इनकी सरकारों में ब्राह्मणों का शोषण बंद नहीं हुआ। यूपी में सपा व भाजपा की सरकारों में सबसे ज्यादा अपर कास्ट में ब्राह्मणों के साथ नाइंसाफी हुई है। उनका शोषण हुआ, चाहे कानपुर मंडल की बात की जाए या कन्नौज की बात की जाए। अभी भी शोषण किया जा रहा है जो थमने का नाम नहीं ले रहा है। गलत आर्थिक नीति के चलते छोटे व मध्यम व्यापारियों को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ा है।

सांसद पकौड़ी का टिकट काटकर उनकी बहू रिंकी को टिकट दिए जाने से मची घमासान

संवाददाता

मिर्जापुर, 09 मई (नवसत्ता)। 80- राबर्ट्गंज के मौजूदा सांसद पकौड़ी लाल कोल का नाम काटकर इस बार अपना दल एस द्वारा सांसद की विधवा बहू तथा जिले के छानबे की विधायक रिंकी को टिकट दिए जाने से संसद के परिवार में मची घमासान घर की दहलीज पार कर गई है।

ज्ञातव्य है कि वर्ष 2022 में विधानसभा चुनावों से पूर्व आयोजित एक जनसभा में पकौड़ी कोल द्वारा सवर्ण समाज के खिलाफ दिए गए आपत्तिजनक बयान के बाद पार्टी की चारों तरफ हुई छीछालेदर के बाद खुद अनुप्रिया पटेल ने सामने आकर अपनी पार्टी के सांसद पकौड़ी कोल से सार्वजनिक माफी मंगवाते हुए डैमेज कंट्रोल किया था। पकौड़ी कोल कॉल वर्ष 2019 में मोदी लहर मेंअपना दल से राबर्टसगंज संसदीय सीट से चुने गए थे। सूत्रों की माने तो सांसद पकौड़ी कोल के उसी भूल के

दृष्टिगत अपना दल एस ने आगामी लोकसभा चुनावों में पकौड़ी कोल का नाम कटकर उनकी बहू तथा 96 क्षेत्र से दो बार अपना दल एस के विधायक रहे स्वर्गीय राहुल कोल की विधवा रिंकी कोल को प्रत्याशी बनाए जाने से समूचे परिवार में हंगामा खड़ा हो गया हैं।

दरअसल पकौड़ी कोल अपनी विरासत अपने दूसरे बेटे को सौंपना चाहते थे किंतु अपना दल एस की राष्ट्रीय एवं जिले की संसद तथा केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने एक तीर से दो निशाना साधते हुए तथा महिला सशक्तिकरण का दांव खेलते हुए विधायक रिंकी कोल को ही प्रत्याशी बनाने का निर्णयलिया है। यद्यपि उनके इस निर्णय से कथित तौर पर कोल परिवार में मची आंतरिक कलह फूटकर सामने आने लगी है। इस दौरान रिंकी कोल पर टिकट लौटान के लिए कथित तौर पर दबाव भी बनाए गए अंततः पार्टी मुखिया आशीष पटेल द्वारा चुप्पी तोड़ते हुए रिंकी कोल द्वारा 14 मई को नामांकन किए जाने की घोषणा करते हुए पूरे चैप्टर को समाप्त कर दिया।

चोरों ने लाखों के आभूषण व रुपए किया पार

हलिया-मिर्जापुर, 09 मई (नवसत्ता)। थाना क्षेत्र के मनिगढा गांव के एक घर में घुसे अज्ञात चोरों ने मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपए मूल्य के जेवर तथा नकद रुपए उड़ा दिया। गृह स्वामी जयनारायण देव पांडेय द्वारा पुलिस को दी गई लिखित तहरीर के अनुसार बीती रात घर में घुसे अज्ञात चोर कमरे का ताला तोड़कर सोने ,चांदी के आभूषण तथा नकद रुपए चुरा ले गए। पुलिस मामले की जांच पड़ताल करने में जुट गई है।दी गई तहरीर में बताया है कि बीती रात चोर घर में घुसकर कमरे का ताला तोड़ने के पश्चात कमरे में रखा सोने के मंगलसूत्र, चैन, दो अंगूठी, छोटा मंगलसूत्र, एक लैकेट, मनचली,12 लैकेट,12 मोती, चांदी के मीना, पायल, छागल, झुमका, सोने की चुड़ी, व छह हजार रुपए नगद तथा कपड़ा उठा ले गए। सुबह सोकर उठने पर कमरे का ताला टूटा हुआ मिला, घर से तीन सौ मीटर दूर टूटा तीन बाक्स व सूटकेस मिला समस्त के ताले टूटे हुए थे।

डीएम और एसपी ने पिंक स्कूटी रैली को दिखाई हरी झंडी

संवाददाता

कन्नौज, 09 मई (नवसत्ता)। लोकतंत्र के महापर्व लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के चतुर्थ चरण को जनपद कन्नौज में होने वाले मतदान के दृष्टिगत आज शुभ्रांत कुमार शुक्ल जिला निर्वाचन अधिकारी जिलाधिकारी कन्नौज, एवं अमित कुमार आनंद पुलिस अधीक्षक कन्नौज द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान के तहत कलेक्ट्रेट में पुलिस विभाग की महिला आरक्षी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ती, बेसिक शिक्षा परिषद की शिक्षिकाएं एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को मतदाता को मतदान के प्रति जागरूक करने हेतु निर्देश दिए। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को देश की लोकतांत्रिक परंपराओं को बनाये रखने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष निर्भीक एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण बनाये रखते हुए निष्पक्ष मतदान करने की शपथ दिलाई गयी। जिलाधिकारी कन्नौज व पुलिस अधीक्षक कन्नौज द्वारा मतदाता जागरुकता अभियान के तहत पिंक स्कूटी रैली एवं मतदाता जागरूक वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया व उन्हें बढ़-चढ़ कर मतदान हेतु प्रेरित किया तथा निर्देश दिए कि अपने-अपने क्षेत्र में मतदाता जागरुकता का अभियान चलाकर लोगों को मतदान हेतु जागरूक करें।

पराली जलाने वाले किसानों को अब नहीं मिलेगी एमएसपी

एजेंसी

नई दिल्ली, 09 मई (नवसत्ता)। केंद्र सरकार ने एमएसपी पर बड़ा फैसला लिया है। सरकार के फैसले के मुताबिक पराली जलाने वाले किसानों के लिए बुरी खबर है। जो किसान पराली जलाते हैं, उनको सरकार एमएसपी न देने का फैसला किया है। बता दें, सुप्रीम कोर्ट के द्वारा साल 2023 में सुनाए गए एक फैसले का हवाला देते हुए केंद्र सरकार ने खेतों में पराली जलाने वाले किसानों को इस साल से एमएसपी न देने के लिए राज्य सरकारों को पत्र लिखा है। केंद्र ने जिन राज्यों को यह चिट्ठी लिखी है उनमें पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान शामिल है। केंद्र ने इन राज्यों को मुख्य सचिवों को इसे लागू करते हुए जल्द ही स्टेटस रिपोर्ट सौंपने के लिए भी कहा गया है।

पराली जलाने वाले किसानों की पहचान के लिए भी अलग सिस्टम

बनाया गया है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान के सचिवों को केंद्र ने निर्देश दिए है। केंद्र ने लिखी चिट्ठी और रिपोर्ट भी मांगी है। ऐसे किसानों की पहचान इसरो की मदद से होगी। सचिवों की कमेटी के मुताबिक पंजाब को नियमों का पालन करवाना होगा। सचिवों की कमेटी ने खाद्य मंत्रालय को इसे लागू करने के लिए मेकैनिज्म तैयार करनेके निर्देश भी दिए। किसानों के जमीन रिकॉर्ड के अंदर पराली जलाने की घटना दर्ज होगी।

इकोनॉमिक टाइम्स ने अपनी एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी है। आपको बता दें कि पराली जलाने वाले किसानों को खिलाफ फाइन और सजा के प्रावधान सियासी तौर पर काफी जटिल हैं। सरकारें अपनी सियासी हितों को ध्यान में रखते हुए पराली जलाने वाले किसानों के खिलाफ कार्रवाई से परहेज करती रही है।

बीते 10 अप्रैल को सचिवों की समिति की एक बैठक हुई। इस बैठक में केंद्र सरकार ने पराली के खिलाफ कार्रवाई को लेकर कार्ययोजना तैयार की। इसरो प्रोटोकॉल के तहत पराली जलाने वाले किसानों को एमएसपी से प्रतिबंधित किए जाने का फैसला किया। वित्तीय वर्ष 2024-25 में इस नियम को लागू करने की योजना सरकार के द्वारा तैयार किया गया है।एनएसआरसी और इसरो को ऐसे खेतों की मैपिंग की जिम्मेदारी दी गई है जिन खेतों में पराली जलाए जाते हैं। इसके लिए एक प्रोटोकॉल तैयार किया गया है।बता दें कि सबसे अधिक पंजाब में पराली जलाने की घटना होती है। इसके बाद हरियाणा का नंबर आता है।

प्याज-टमाटर और आलू की कीमत बढ़ी

एजेंसी

नई दिल्ली, 09 मई (नवसत्ता)। प्याज, टमाटर व आलू के दाम बढ़ने से शाकाहारी थाली 8 फीसदी महंगी हो गई है। क्रिसिल रिपोर्ट के अनुसार, इस साल अप्रैल में शाकाहारी थाली 27.4 रुपये की रही, जो एक साल पहले समान अवधि में 25.40 रुपये थी। इस साल मार्च में 27.3 रुपये रही थी। क्रिसिल की जारी रिपोर्ट के अनुसार, एक साल पहले की तुलना में इस साल अप्रैल में प्याज का भाव 41 फीसदी, टमाटर का 40 फीसदी और आलू का 38 फीसदी बढ़ गया। रबी की फसल खराब होने से प्याज की आवक कम हो गई, जिससे दाम बढ़ गए। पश्चिम बंगाल में भी आलू की फसल खराब हो गई। सब्जियों की कीमत 28 फीसदी बढ़ी है। मांसाहारी थाली अप्रैल में 58.90 रुपये से चार फीसदी सस्ती होकर 56.3 रुपये आ गई है। चिकन की कीमतें सालाना आधार पर 12 फीसदी गिरी हैं। हालांकि, मार्च की तुलना में यह तीन फीसदी महंगी हो गई है। चावल और दालों की महंगाई भी अप्रैल में 10 फीसदी से ज्यादा बढ़ी है। दाल पिछले पांच महीने से लगातार दो अंकों से ज्यादा महंगी है।

कोटक बैंक 400 इंजीनियर हायर करेगा

एजेंसी

नई दिल्ली, 09 मई (नवसत्ता)। कोटक महिंद्रा बैंक इस साल करीब 400 इंजीनियर हायर करेगा। हाल ही में आरबीआई ने आईटी इंफ्रा में कमी के कारण बैंक के नए क्रेडिट कार्ड और ऑनलाइन चैनलों से अकाउंट खोलने पर रोक लगाई है। बैंक अब इंजीनियरों को हायर कर अपने आईटी इंफ्रा को मजबूत करना चाहता है।

बैंक के चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर मिलिंद नागनूर ने बताया कि बैंक पिछले दो साल में 500 से ज्यादा इंजीनियरों को हायर कर चुका है। उन्हें गूगल और अमेजन जैसी कंपनियों के साथ-साथ पेटीएम और फोनपे जैसी कंपनियों से लिया गया है। नागनूर कोटक की सबसे हाई-प्रोफाइल टेक हाइरिंग है। उनके साथ कस्टमर एक्सपीरियंस हेड भवनीश लाठिया को भी 2022 में हायर किया था। नागनूर अमेरिका स्थित फिनटेक कंपनी अर्ली

वार्निंग सर्विसेज में काम कर चुके हैं। जबकि लाठिया ने लगभग दो दशक अमेजन में बिताए हैं। आरबीआई को बैंक के आईटी इन्वेंट्री मैनेजमेंट, यूजर एक्सेस मैनेजमेंट, वेंडर रिस्क मैनेजमेंट, डेटा सिक्योरिटी और डेटा लीक प्रिवेंशन स्टैटजी जैसे क्षेत्रों में गंभीर कमियां मिली थी। लगातार दो साल तक ऐसा देखा गया, लेकिन बैंक कोई ठोस कदम नहीं उठा पाया। मजबूत आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर के अभाव में बैंक के कोर बैंकिंग सिस्टम और इसके ऑनलाइन और डिजिटल बैंकिंग चैनल में पिछले दो साल में लगातार आउटेज देखा गया। लेटेस्ट आउटेज 15 अप्रैल को हुआ था, जिससे ग्राहकों को असुविधा हुई। अब लगाए गए प्रतिबंधों की समीक्षा बैंक के एक्सटर्नल ऑडिट के बाद की जाएगी।

इस एक्सटर्नल ऑडिट के लिए बैंक को आरबीआई की पहले से मंजूरी लेनी होगी। बैंक को आरबीआई के इन्सपेक्शन और एक्सटर्नल ऑडिट में बताई गई सभी कमियों को भी दूर करना होगा।

एचडीएफसी ने बंद की तीन हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी

एजेंसी

नई दिल्ली, 09 मई (नवसत्ता)। देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक के मालिकाना हक वाली जनरल इंश्योरेंस कंपनी एचडीएफसी अर्गो ने 3 प्रमुख हेल्थ इंश्योरेंस प्लान को मार्केट से वापस ले लिया है। चेक कर लीजिए, क्या आपने भी ये हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी ली हुई है? अगर हां, तो अब इन पॉलिसी के बंद होने का आप पर क्या असर होने वाला है?

एचडीएफसी अर्गो ने जिन हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी को बंद किया है या यूं कहें मार्केट से वापस लिया है। वह 'माई हेल्थ सुरक्षा' प्लान्स के ही अलग-अलग वैरिएंट हैं। ऐसे में जिन ग्राहकों के पास ये पॉलिसी पहले से है, पॉलिसी को रिन्यू कराते वक्त क्या

बदलाव आएगा? चलिए बताते हैं

एचडीएफसी अर्गो की 'हेल्थ सुरक्षा' पॉलिसी के अभी मार्केट में कई वैरिएंट आते हैं। अब कंपनी ने इसमें से 'गोल्ड', 'प्लेटिनम' और 'सिल्वर' वैरिएंट के प्लान्स को वापस ले लिया है। इसका असर अब उन ग्राहकों पर पड़ेगा, जिनके पास पहले से ये पॉलिसी है। अब जब वह इसे रीन्यू कराने जाएंगे, तब नियमों में कुछ बदलाव देखने को मिल सकता है। हालांकि ये प्लान पॉलिसी की रिन्यू डेट तक एक्टिव रहेंगे। ईटी की खबर के मुताबिक कंपनी का कहना है कि 7 अगस्त 2024 या उसके बाद जिन भी ग्राहकों की पॉलिसी रिन्यू होनी है, वह चाहें तो कंपनी के नए हेल्थ इंश्योरेंस प्लान एचडीएफसी अर्गो ऑप्टिमा रीस्टोर प्लान पर शिफ्ट कर सकते हैं।

कंपनी ने ये भी साफ किया है कि जिन 3 पॉलिसी को बंद किया गया है अगर उस पर किसी ग्राहक को कोई बोनस मिला हुआ है, तो उन्हें नई पॉलिसी पर शिफ्ट करने पर इसका नुकसान नहीं होगा। उनका बोनस नई पॉलिसी के रिन्यूअल के मौके पर ट्रांसफर हो जाएगा। इतना ही नहीं ग्राहकों को उन सभी हॉस्पिटल का एक्सेस मिलता रहेगा, जो उन्हें अपनी पिछली पॉलिसी के तहत मिलता रहा है।

एसबीआई का चौथी तिमाही में मुनाफा 24प्रतिशत बढ़कर 20,698 करोड़

एजेंसी

नई दिल्ली, 09 मई (नवसत्ता)। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में मुनाफा सालाना आधार पर 23.98प्रतिशत बढ़कर रू20,698 करोड़ हो गया है। एक साल पहले की समान तिमाही में सरकारी बैंक ने रू16,695 करोड़ का नेट मुनाफा दर्ज किया था।

एसबीआई के बोर्ड ने प्रति शेयर 13.70 रुपए के लाभांश यानी डिविडेंड पेमेंट की सिफारिश की है। डिविडेंड के लिए एलिजिबल शेयरहोल्डर्स का निर्धारण 22 मई 2024 को उनकी ओनरशिप के आधार पर किया जाएगा। डिविडेंड पेमेंट 5 जून, 2024 को होगा।

रिजल्ट के बाद स्टेट बैंक का शेयर 9.20 रुपए या 1.13प्रतिशत बढ़कर 820 रुपए पर बंद हुआ। शेयर ने

839.65 रुपए का लाइफटाइम हाई भी बनाया। बीते 6 महीने में एसबीआई का शेयर करीब 40प्रतिशत चढ़ा है। वहीं इस साल अब तक शेयर करीब 28प्रतिशत का रिटर्न दे चुका है।

चौथी तिमाही में बैंक की इंटरेस्ट इनकम (ब्याज आय) सालाना आधार पर 19.46प्रतिशत बढ़कर रू1,11,043 करोड़ रही। पिछले साल की समान तिमाही में यह रू92,951 करोड़ रुपए रही थी। वहीं पिछली तिमाही में बैंक ने ब्याज से 1,06,734 करोड़ की आमदनी की थी। यानी तिमाही आधार पर कंपनी की नेट इंटरेस्ट इनकम 4.03प्रतिशत बड़ी है।

बैंक जो लोन या एडवांस देता है, अगर वह समय पर वापस नहीं मिला, उस राशि को बैंक एनपीए या नॉन-परफॉर्मिंग एसेट घोषित कर देता है। सामान्य तौर पर 90 दिनों तक रिटर्न नहीं मिलने की स्थिति में लोन या एडवांस अमाउंट को बैंक एनपीए की लिस्ट में डाल देता है।

भारतीय स्टेट बैंक देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक है। एसबीआई में सरकार की 56.92प्रतिशत हिस्सेदारी है। 1 जुलाई 1955 को इसकी स्थापना हुई थी। बैंक का मुख्यालय मुंबई में है। एक चौथाई बाजार हिस्सेदारी के साथ इसकी 22,405 से ज्यादा ब्रांच और 48 करोड़ से ज्यादा ग्राहक है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के केबिन क्रू ने हड़ताल वापस ली

नई दिल्ली, 09 मई (नवसत्ता)। एयर इंडिया एक्सप्रेस के केबिन क्रू ने हड़ताल वापस लेने और वापस ड्यूटी पर लौटने का फैसला किया है। दरअसल, केबिन क्रू केका एक वर्ग हड़ताल पर चला गया था। इस वजह से यात्रियों को खासी समस्या का सामना करना पड़ा था। एयरलाइन ने जब केबिन क्रू द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर गौर करने का आश्वासन दिया, तब उन्होंने हड़ताल वापस लेने का फैसला किया। सूत्रों के मुताबिक, एयरलाइन 25 केबिन क्रू को जारी किए गए टर्मिनेशन लेटर वापस लेने पर सहमत हो गई है। इसके साथ प्रबंधन सेवा नियमों के अनुसार मामलों की समीक्षा भी करेगा। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने एयरलाइन में कथित क्रू प्रबंधन के विरोध में केबिन क्रू के बीमार होने की सूचना देने के बाद मंगलवार रात से 170 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी हैं। दरअसल, गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में मुख्य श्रम आयुक्त (केंद्रीय) के कार्यालय में केबिन क्रू प्रतिनिधियों और एयरलाइन प्रतिनिधियों के बीच सुलह बैठक के दौरान हड़ताल वापस लेने और समाप्ति पत्र (टर्मिनेशन लेटर) पर निर्णय पर सहमति हुई।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक सरिता श्रीवास्तव द्वारा प्रभाष प्रिन्टर्स, गणेश नगर, रामजी पुरम निकट मदर टेरेसा स्कूल पो0 मलिकमऊ आयमा रायबरेली से मुद्रित कराकर 31 बस्तेपुर रामजी पुरम रायबरेली ,उप्र से प्रकाशित
सम्पादक- धीरज श्रीवास्तव - फोन नं-0535-2700090, मो0 नं0- 9415020008 आर0 एन0आई0 नं0 यूपीएचआईएन/2012/46348 'सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रायबरेली न्यायालय होगा। navsatta@gmail.com

राजा भैया के गढ़ में आज सियासी बाण चलाएंगे अमित शाह

संवाददाता

प्रतापगढ़, 09 मई (नवसत्ता)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 12 मई रविवार को जनसत्ता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया के गढ़ में जमकर सियासी बाण चलाएंगे। वह भाजपा प्रत्याशी विनोद सोनकर के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। हाल ही में राजा भैया व अमित शाह के बीच हुई मुलाकात को लेकर सियासी हलचल भी तेज है।

कौशांबी से भाजपा प्रत्याशी विनोद सोनकर के समर्थन में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बाबागंज विधानसभा क्षेत्र के हीरागंज नगर पंचायत स्थित सिद्ध पीठ मां नायर देवी धाम आकर जनसभा को संबोधित करेंगे। राजा भैया के गढ़ में करीब एक घंटे तक गृह मंत्री अमित शाह रहेंगे।

हाल ही में राजा भैया से उनकी बेंगलुरु में मुलाकात भी हो चुकी है। अब देखना यह है कि वह जनसभा के दौरान प्रमुख विपक्षी दल पर ही सियासी बाण चलाते हैं। इस बार राजा भैया की पार्टी चुनाव मैदान में नहीं उतरी है। ऐसे में अब देखना होगा कि भाजपा के दिग्गज नेता अमित शाह का उन पर क्या रूख रहता है। चूंकि भाजपा प्रत्याशी विनोद सोनकर से जनसत्ता दल के नेताओं से छत्तीस के आंकड़े जगजाहिर है।

गौर करने की बात यह है कि हाल ही में राज्यसभा के चुनाव में राजा भैया ने भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ के पक्ष में मतदान किया था। इतना ही नहीं सपा के कई विधायक भी उनके साथ भाजपा प्रत्याशी को अपना मत दिया था। इसके पहले भी विधान परिषद चुनाव में भी जनसत्ता दल विधायक ने भाजपा समर्थित प्रत्याशी की मदद की थी। लोकसभा चुनाव में भाजपा व जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के बीच गठबंधन की अटकलें भी चलती रहीं। कौशांबी से प्रत्याशी के नाम का ऐलान भी रुका था। जिससे अटकलों को बल मिलता रहा। मगर ऐन वक्त पर भाजपा ने तीसरी बार विनोद सोनकर को चुनाव मैदान में उतार दिया। जिसे लेकर राजा भैया समर्थकों में नाराजगी देखने को मिली। फिलहाल अब सबकी नजरें अमित शाह की जनसभा पर टिकी है।

कौशांबी लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में रविवार को आयोजित जनसभा को संबोधित करने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आ रहे हैं। जिसे देखते हुए बृहस्पतिवार को पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल व सीओ सदर अमरनाथ गुप्ता ने जनसभा स्थल का जायजा लिया। सुरक्षा को लेकर मातहतों को आवश्यक निर्देश दिया।

रेलवे मजदूर यूनियन की दो दिवसीय 13वीं बैठक आयोजित

संवाददाता

गोरखपुर, 09 मई (नवसत्ता)। पूर्वोत्तर रेलवे की महाप्रबन्धक सौम्या माथुर की अध्यक्षता में एन.ई. रेलवे मजदूर यूनियन (नरमू) के साथ स्थाई वार्ता तंत्र (पी.एन.एम.) की दो दिवसीय 13वीं बैठक महाप्रबन्धक सभाकक्ष, गोरखपुर में आयोजित की गई। बैठक के प्रथम दिन 09 मई, 2024 को अपर महाप्रबन्धक दिनेश कुमार सिंह, वरिष्ठ उप महाप्रबन्धक नीलमणि, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी अजय कुमार श्रीवास्तव प्रमुख विभागाध्यक्ष, मुख्य कार्मिक अधिकारी/प्रशासन अवधेश कुमार सचिव/महाप्रबन्धक आनन्द ऋषि श्रीवास्तव, मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह, वरिष्ठ रेल अधिकारी, नरमू के अध्यक्ष बसन्त लाल चतुर्वेदी, महामंत्री के.एल. गुप्ता सहित मुख्यालय एवं तीनों मंडलों के पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक को सम्बोधित करते हुये महाप्रबन्धक सौम्या माथुर ने कहा कि स्थाई वार्ता तंत्र बैठक एक ऐसा माध्यम है, जिससे कर्मचारियों की समस्या का समाधान प्रमुख विभागाध्यक्षों एवं यूनियनों से चर्चा कर आसानी से किया जाता है। एन.ई. रेलवे मजदूर यूनियन से प्रशासन को बराबर सहयोग मिलता रहा है। इस रेलवे की प्रगति में यूनियन की भागीदारी सराहनीय रही है। महाप्रबन्धक माथुर ने पूर्वोत्तर रेलवे

की वित्त वर्ष 2023-24 की प्रगति पर प्रकाश डालते हुये कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे में बड़ी लाइन रेल नेटवर्क शत-प्रतिशत विद्युतीकृत हो गया है। उन्होंने कहा कि गाजीपुर सिटी और गाजीपुर घाट से तारीघाट नई रेल लाइन सफलतापूर्वक कमीशन की गई। इस नई रेल लाइन के निर्माण से गाजीपुर सिटी से दिलदार नगर स्टेशन के बीच की दूरी लगभग 150 किमी. से घटकर 29 किमी. हो गई है। महाप्रबन्धक ने कहा कि भारतीय रेल पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 1300 से अधिक स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिसमें इस रेलवे के 58 स्टेशन सम्मिलित हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे का प्रथम पुनर्विकसित स्टेशन, गोमती नगर स्टेशन को आधुनिक तरीके से पुनर्विकसित किया गया है तथा गोरखपुर स्टेशन पुनर्विकास का कार्य भी निर्धारित समयावधि में पूर्ण कर लिया जायेगा। महाप्रबन्धक ने कहा इस रेलवे पर ऑटोमेटिक सिगनलिंग की शुरुआत भी हो गई है।

स्टेयरिंग फेल होने से गड्ढे में गिरी स्कूल बस, 12 बच्चे घायल

संवाददाता

प्रयागराज, 09 मई (नवसत्ता)। बच्चों से भरी स्कूल बस की स्टेयरिंग फेल हो जाने की वजह से अनियंत्रित हुई बस सड़क किनारे गड्ढे में चली गई। इस हादसे में दर्जन भर बच्चे घायल हो गए। चीख-पुकार मची तो आसपास के लोग वहां पहुंच गए और घायल बच्चों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

झूंसी थाना क्षेत्र के अंदावा स्थित एक पब्लिक स्कूल की बस बृहस्पतिवार सुबह फूलपुर, इफको बाबूगंज, चिरौडा आदि गांवों से बच्चों को लेकर जैसे ही बगई खुर्द गांव के सामने पहुंची थी कि अचानक बस की स्टेयरिंग फेल हो गई। इससे तेज रफ्तार बस सड़क किनारे चार फिट गहरे गड्ढे में चली गई। अचानक बस में हुए इस हादसे से बैठे बच्चे सहम गए। घटना में बाबूगंज बाजार निवासी दसवीं कक्षा के छात्र अनुज कुमार यादव, आकाश कुमार, आदर्श कुमार तथा 11वीं कक्षा की छात्रा साक्षी मनजीत कुमार गुप्ता, नौवी कक्षा की शैलजा यादव, तथा आठवीं कक्षा की सृष्टि यादव को चोटें आई हैं। घटना की सूचना पर पहुंचे अभिभावकों ने उन्हें स्थानीय चिकित्सालय में इलाज के लिए भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद अभिभावक अपने बच्चों को लेकर घर चले गए। वहीं अन्य बच्चों को स्कूल की दूसरी बस द्वारा उनके घरों को पहुंचाया गया। क्षेत्र के अभिभावकों का आरोप है कि महंगी फीस व वाहन शुल्क के नाम पर विद्यालय प्रबंधन द्वारा लंबी धनराशि अभिभावकों से वसूल तो की जाती है, लेकिन विद्यालय प्रबंधन वाहनों की समय-समय पर फिटनेस की जांच नहीं कराते हैं। जिससे आए दिन इस तरह की घटनाएं के आम हो गई हैं।

बाबूगंज बाजार निवासी अजय कुमार गुप्ता ने कहा कि बाबूगंज, फूलपुर, झूंसी क्षेत्र में दर्जनों विद्यालयों में खटारा अप्पे, ई रिक्शा तथा मैजिक वाहनों से बच्चों को मानक के विपरीत बैठाकर उनके जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। जबकि शासन द्वारा निर्देश है कि समय-समय पर विद्यालयों में संभागीय परिवहन विभाग द्वारा कैंप लगाकर सुरक्षित यातायात व विद्यालय प्रबंधन को ऐसे वाहनों को न चलने के लिए निर्देश देने चाहिए।

एसडीएम सदर के आश्वासन पर मतदान बहिष्कार का फैसला पलटा

संवाददाता

कन्नौज, 09 मई (नवसत्ता)। देर शाम एसडीएम सदर, नायब तहसीलदार और अधिशासी अधिकारी नगर पालिका ने प्रदर्शन स्थल पर पहुंच कर पूरे मोहल्ले का विस्तृत निरीक्षण किया और एसडीएम अधिशासी अधिकारी को निर्देश दिए की मोहल्ले में डस्टबिन रखवाएं व प्रतिदिन मच्छरों से राहत के लिए छिड़काव करवाई तथा अन्य विकास कार्य के लिए आचार संहिता के बाद पूर्ण करवाने का आश्वासन दिया इस आश्वासन के बाद मोहल्ला वासियों ने मतदान बहिष्कार को लेकर किया जा रहा धरना प्रदर्शन स्थगित कर दिया है। उल्लेखनीय है कि कृष्नानगर मोहल्ले वासियो ने स्थानीय विकास के मुद्दे उठाकर बीते दस दिनों से मतदान बहिष्कार का ऐलान करते हुए धरना प्रदर्शन कर रखा था।

नामांकन के लिए ट्रैफिक डायवर्जन जारी

संवाददाता

वाराणसी, 09 मई (नवसत्ता)। रायफल क्लब में लोकसभा चुनाव के नामांकन को देखते हुए यातायात पुलिस ने ट्रैफिक डायवर्जन जारी किया है। 14 मई तक सुबह नौ बजे से शाम 5 बजे तक यह डायवर्जन प्रभावी रहेगा। एडीसीपी ट्रैफिक राजेश पांडेय ने बताया कि पुलिस लाइन चौराहा से कचहरी आने वाले वाहनों को पुलिस लाइन चौराहा से गोलघर कचहरी चौराहा होते हुए नगर निगम की मल्टीलेवल पार्किंग तक जाने दिया जाएगा। मल्टीलेवल पार्किंग से आगे रास्ता पूरी तरह से बंद रहेगा। ऐसे वाहन जिन्हें गोलघर कचहरी चौराहा से सर्किट हाउस के सामने से होकर जेपी मेहता तिराहे की तरफ या भोजूबीर तिराहे की तरफ जाना हैं, वे सभी वाहन गोलघर कचहरी से

आंबेडकर चौराहा से जेपी मेहता तिराहा से सेंट्रल जेल तिराहा होते हुए शिवपुर चुंगी से दाहिने गिलट बाजार होते हुए गंतव्य को जा सकेंगे।

जेपी मेहता तिराहा से किसी भी प्रकार के वाहन को दैत्रावीर, भोजूबीर तिराहा की तरफ नहीं जाने दिया जाएगा। इन वाहनों को सेंट्रल जेल रोड की तरफ डायवर्ट किया जाएगा, जो जेल तिराहा से शिवपुर चुंगी और गिलट बाजार चौराहा होकर अपने गंतव्य को जा सकेगें। दूध सट्टी तिराहा से किसी भी प्रकार के वाहन को दैत्राबीर तिराहा, सर्किट हाउस या जेपी मेहता की तरफ जाने वाले वाहनों को भोजूबीर तिराहा से अर्दली बाजार तिराहा से पुलिस लाइन चौराहा की तरफ निकाला जाएगा।

मिंट हाउस से आशियाना तिराहा होकर आंबेडकर चौराहा होते हुए कचहरी जाने वाले वाहनों को मिंट हाउस तिराहे से इंडिया होटल (एयरफोर्स चौराहा) से शारदा मोटर ट्रेनिंग तिराहा से नेहरू पार्क तिराहा से इमलिया घाट होते हुए सेंट्रल जेल तिराहा की तरफ जाने दिया जाएगा।

भीषण गर्मी में बचपन बेहाल, बेसिक स्कूलों में बिन पंखे पढ़ रहे नौनिहाल

संवाददाता

मेरठ, 09 मई (नवसत्ता)। मेरठ शहर में करीब 40 डिग्री तापमान की भीषण गर्मी में कुछ बेसिक स्कूलों के बच्चे बिना पंखे ही पढ़ने को मजबूर हैं। बिजली का बिल भी शिक्षक अपनी जेब से जमा करा रहे हैं। इतनी गर्मी में पढ़ना तो दूर उनका कई घंटे तक बैठे रहना किसी सजा से कम नहीं है।

स्मार्ट सिटी के ये बच्चे टाट-पट्टी पर पढ़ रहे हैं। बेहतर फर्नीचर तक नहीं है। हाल ये है कि ज्यादा गर्मी होने पर अधिकतर बच्चे समय से पहले ही घर चले जाते हैं। गर्मी से बच्चे ही नहीं, शिक्षक तक बीमार हो रहे हैं। बुधवार को अमर उजाला की टीम ने शहर के कुछ स्कूलों की पड़ताल की तो यह चौंकाने वाले हालात सामने आए। फैज-ए-आम डिग्री कॉलेज के कैंपस में प्राथमिक विद्यालय कोठी अतानस चलता है। यहां न तो बच्चों के बैठने के लिए उचित स्थान है और न ही फर्नीचर और न ही पंखे की हवा। पीने के पानी और स्वच्छ शौचालय की बेहतर व्यवस्था नहीं है। स्कूल एक कमरे में चलता है। यहां 70 बच्चे टाट पर बैठकर पढ़ते हैं। गर्मी से कुछ बच्चे और शिक्षिका भी बीमारी की चपेट में हैं। यहां गर्मी में कई बच्चे समय से पहले ही घर चले गए। शिक्षामित्र हिना सबा, सिना खान व शाहना ने बताया कि समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया गया है। पूर्वा अहिरान कंपोजिट विद्यालय में कक्षा एक से आठ तक 85 बच्चे पढ़ते हैं। यहां शिक्षकों ने बताया कि बिल जमा न होने के कारण स्कूल की आए दिन बिजली कट जाती है। अभी चुनाव के कारण बिजली चालू है। कब कनेक्शन कट जाए, कुछ नहीं पता। स्कूल के प्रधानाध्यापक सुधीर कुमार ने बताया कि शिक्षा मित्र समेत तीन शिक्षक हैं। शिक्षकों की इस स्कूल में ही नहीं, पूरे शहर में कमी है। कक्षा एक और दो के बच्चों के लिए किताबें नहीं आई हैं। थापरनगर स्थित स्वामी विवेकानंद शिशु विहार स्कूल में 38 बच्चे हैं। यहां एक प्रधानाचार्य और एक शिक्षामित्र है। प्रधानाचार्य स्वयं अपने जेब खर्च से स्कूल का बिजली बिल जमा करते हैं। इसलिए यहां के बच्चे पंखे की हवा में फर्नीचर पर बैठकर पढ़ते मिले। स्कूल में शौचालय की सुविधा है।

निशुल्क शीतल जल का कैंप लगाया

संवाददाता

जौनपुर, 09 मई (नवसत्ता)। भारत विकास परिषद् महावीर शाखा शाहगंज जौनपुर आज संस्था कोषाध्यक्ष मनीष बरनवाल जी के निवास स्थान-पूर्वी कौडिया, चूड़ी मोहल्ला में निःशुल्क प्याऊ कैम्प का शुभारम्भ श्रीमान दुर्गविजय मिश्र द्वारा किया गया संचालन मनोज पाण्डेय ने किया जिसमे श्री रामलीला समिति के अध्यक्ष संदीप जायसवाल, संस्थाध्यक्ष विकाश कुमार साहू, महिला संयोजिका रीता जायसवाल, श्रद्धा सोनी, रेखा जायसवाल, कंचन देवी,

नम्रता बरनवाल, कनक सिंह, विद्या सिंह, सचिन जायसवाल, लालबहादुर सोनी, डी0 एसपी जैन, धीरज पाटिल, आशीष जायसवाल प्रीतम, दिवाकर मिश्र,वेद प्रकाश जायसवाल, निर्भय जायसवाल, सुशील सेठ बाड़ी, दीपक सिंह, चन्दन अग्रहरि आदि लोग उपस्थित रहे, अन्त में संस्था सचिव विवेक सोनी ने सबको अवगत कराया की यह निःशुल्क प्याऊ भीषण गर्मी को देखते हुए निरन्तर चलता रहेगा और इन्ही शब्दों के साथ सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।